शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

जब कुर्सी हिलती है, तब सीएम सिद्धारमैया करते हैं साधना सम्मेलन @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 20 जुलाई, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-199

लक्षद्वीप समूह के एक द्वीप पर बनेगा सैनिक अड्डा

बित्रा द्वीप भारतीय सेना के हवाले

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)।

हिंद महासागर क्षेत्र की सुरक्षा के मद्देनजर भारत सरकार ने लक्षद्वीप समूह के एक द्वीप को भारतीय सेना के हवाले करने का फैसला किया है। लक्षद्वीप समूह में शामिल बित्रा द्वीप पर भारतीय सेना अपना अड्डा बनाएगी। दो अन्य द्वीपों को भी भारतीय वायुसेना की निगरानी में दिया जा रहा है। वहां वायुसेना हवाई पट्टी बनाएगी। विडंबना यह है कि देश की सुरक्षा के लिए किए जा रहे इन उपायों का भी कांग्रेस पार्टी विरोध कर रही है।

बित्रा द्वीप लक्षद्वीप द्वीप समूह के 10 बसे हुए आबादी वाले द्वीपों में से एक है। बित्रा द्वीप के अधिग्रहण को लेकर लक्षद्वीप प्रशासन ने 11 जुलाई 2025 को बाकायदा अधिसूचना (नोटिफिकेशन) जारी कर दी। जारी अधिसूचना में राजस्व विभाग द्वारा बित्रा द्वीप के पूरे भू-भाग को अपने अधीन करने का प्रस्ताव है। बताया गया कि रक्षा उद्देश्यों के लिए लक्षद्वीप प्रशासन ने बित्रा द्वीप के अधिग्रहण का निर्णय लिया है। अब बित्रा द्वीप को औपचारिक तौर पर रक्षा और सामरिक इकाइयों को हस्तांतरित किया जाएगा। अधिसूचना में यह स्पष्ट किया गया है कि यह पहल द्वीप की रणनीतिक स्थिति, इसकी राष्ट्रीय सुरक्षा प्रासंगिकता तथा नागरिक आवास के कारण उत्पन्न अंतर्निहित सैन्य और प्रशासनिक चुनौतियों के तहत की जा रही है।

मिनिकॉय व अगाती द्वीपों पर बनेगी वायुसेना की हवाईपट्टी

क्षेत्रीय प्रशासन भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्स्थापन में उचित मुआवजा और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 के प्रासंगिक प्रावधानों के अनुसार द्वीप को अपने नियंत्रण में लेगा, जिसके लिए प्रभावित क्षेत्र के लिए सामाजिक प्रभाव आकलन अध्ययन किया जाना है। जिला कलेक्टर शिवम चंद्र ने आदेश में कहा है कि सामाजिक प्रभाव आकलन के तहत ग्राम सभाओं सहित सभी हितधारकों से परामर्श किया जाएगा। छोटे से बित्रा द्वीप पर बमुश्किल सौ परिवार रहते हैं। अधिग्रहण के तहत प्रस्तावित क्षेत्र का सर्वेक्षण अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से दो महीने के भीतर पूरा कर लिया जाएगा। यानि, 11 सितंबर तक प्रशासनिक औपचारिकताएं पूरी कर ली जाएंगी।

बित्रा द्वीप राष्ट्रीय सुरक्षा के नजरिए से बेहद महत्वपूर्ण है। यह लक्षद्वीप का सबसे छोटा बसा हुआ द्वीप है। बित्रा द्वीप का कुल एरिया केवल 0.105 वर्ग किलोमीटर है। यह 0.57 किलोमीटर लंबा और सबसे चौड़े हिस्से में 0.28 किलोमीटर चौड़ा है। यह द्वीप कोच्चि से 483 किलोमीटर (261 नॉटिकल मील) दूर है। बिट्रा द्वीप 1835 तक समुद्री पक्षियों के लिए एक प्रजनन स्थल था। किलटन और चेटलाट के लोग यहां शिकार करने आते थे। आश्चर्य की बात यह है कि बित्रा द्वीप पहले वीरान और बंजर था। ▶10पर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले यूपी के सीएम योगी

उत्तर प्रदेश में बड़े राजनीतिक बदलाव के संकेत

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश में बड़े राजनीतिक बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। उत्तर प्रदेश में भाजपा के नए अध्यक्ष के चयन के साथ-साथ सांगठनिक और मंत्रिमंडलीय पुनरगठन का मसला लंबित है। 2027 में यूपी में विधानसभा का चुनाव भी होना है, लिहाजा इन मुद्दों पर भाजपा नेतृत्व पूरी गंभीरता से सोच-विचार करने के बाद फैसला लेगा। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज अचानक देश की राजधानी दिल्ली पहुंचे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। प्रधानमंत्री मोदी के साथ सीएम योगी की बातचीत काफी देर तक चली, लेकिन इस बातचीत को लेकर आधिकारिक वक्तव्य अभी सामने नहीं आया है। सीएम योगी ने केंद्र गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी मुलाकात की। उत्तर प्रदेश जैसे राजनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण और भारत के सबसे बड़े राज्य में प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव भाजपा नेतृत्वप के लिए आसान साबित नहीं हो रहा है। भाजपा नेतृत्व दलित, सवर्ण, ओबीसी और इनमें से भी प्रमुख जातियों के वोटों के समीकरण और क्षेत्रीय समीकरणों को लेकर माथापच्ची कर रहा है। पिछले कई महीनों से भूपेंद्र चौधरी की जगह कौन लेगा, इसे लेकर भाजपा का शीर्ष नेतृत्व पार्टी के फ्रंटल संगठनों, संगठन के तमाम पदाधिकारियों, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के पदाधिकारियों से भी राय शुमारी कर चुका है। माना जा रहा है कि आने वाले कुछ ही दिन के अंदर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष को लेकर बड़ा फैसला हो सकता है। ▶10पर

अमित शाह और जेपी नड्डा से भी मिले योगी आदित्यनाथ

23 को ब्रिटेन जाएंगे प्रधानमंत्री मोदी फिर पहुंचेंगे मालदीव

व्यापारिक और सामरिक हित साधेंगे मोदी

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 23 से 26 जुलाई तक यूनाइटेड किंगडम और मालदीव की दो देशों की अहम यात्रा पर जाएंगे। पीएम मोदी के दौरे का मकसद अहम व्यापारिक समझौतों और राजनीतिक गतिविधियों के जरिए भारत के राजनयिक संबंधों को मजबूत करना है। प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा का पहला चरण 23-24 जुलाई को यूनाइटेड किंगडम (ब्रिटेन) होगा, जहां वे ऐतिहासिक भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर करेंगे। यह समझौता टैरिफ में कमी करके ब्रिटेन को होने वाले 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात पर असर पड़ेगा। इससे भारत को भी फायदा होगा और व्हिस्की और कारों जैसे ब्रिटिश निर्यात सुगम होंगे। अगस्त महीने में चीन के तियानजिन शहर में 25वां शिखर सम्मेलन होना है। इस शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए अगले महीने प्रधानमंत्री मोदी चीन जा सकते हैं।

अगस्त में चीन भी जा सकते हैं प्रधानमंत्री मोदी

फिलहाल, ब्रिटेन की यात्रा के बाद प्रधानमंत्री मोदी 25-26 जुलाई को मालदीव की यात्रा करेंगे, जहां वे 60वें राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। मोहम्मद मुइज्जू सरकार के कार्यकाल में यह यात्रा इसलिए भी अहम है, क्योंकि यह यात्रा मालदीव में कुछ नेताओं की ओर से भारत विरोधी बयानबाजी और अभियानों के कारण दोनों देशों के संबंधों में आए तनाव के बाद पहली बार हो रही है। प्रधानमंत्री मोदी की पिछली मालदीव यात्रा जून 2019 में हुई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ब्रिटेन यात्रा के दौरान दोनों पक्ष औपचारिक रूप से ऐतिहासिक भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे। रक्षा एवं सुरक्षा क्षेत्र में द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने के तरीकों पर भी विचार किए जाने की उम्मीद है। ▶10पर

कुख्यात नक्सली नेता के खिलाफ एनआईए का आरोप-पत्र

भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने की साजिश में था मोइद्दीन

हैदराबाद, 19 जुलाई (एजेंसियां)।

भारत की केंद्रीय जांच एजेंसी एनआईए ने शीर्ष माओवादी नेता सीपी मोइद्दीन उर्फ गिरीश के खिलाफ हैदराबाद स्थित एनआईए की विशेष अदालत में आरोप-पत्र (चार्जशीट) दाखिल किया है। एनआईए ने माओवादी नेता पर भारत विरोधी साजिश के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। एनआईए ने सीपी मोइद्दीन पर गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की संबंधित धाराओं के तहत आरोप दाखिल किए हैं।

एनआईए की जांच के अनुसार, मोइद्दीन भारत सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ने की माओवादी साजिश में सक्रिय रूप से शामिल था। जांच के दौरान मिले साक्ष्यों से भाकपा (माओवादी) की पश्चिमी घाट विशेष क्षेत्रीय समिति (डब्ल्यूजीएसजेडसी) में माओवादी अभियानों में उसकी केंद्रीय भूमिका की पुष्टि हुई है। ▶10पर

विदेशी मीडिया की झूठी खबरों पर पायलट फेडरेशन नाराज

कानूनी नोटिस देकर कहा, पहले माफी मांगो

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)।

अहमदाबाद में 12 जून को हुए विमान हादसे को लेकर विदेशी मीडिया की भ्रामक रिपोर्टिंग पर भारतीय पायलट संघ (एफआईपी) ने गहरी आपत्ति जताई है। एफआईपी ने द वॉल स्ट्रीट जर्नल और रॉयटर्स को कानूनी नोटिस भेजी है। नोटिस में दोनों संस्थानों से गलत रिर्पोटिंग के लिए माफी मांगने की मांग की गई है।

भारतीय पायलट संघ (एफआईपी) के अध्यक्ष सीएस रंधावा ने बताया कि हमने कानूनी कार्रवाई शुरू की है। हमने द वॉल स्ट्रीट जर्नल और रॉयटर्स को उनकी रिपोर्टों पर एक नोटिस भेजा है। हमने उनसे माफी मांगने के लिए कहा है। रॉयटर्स और द वॉल स्ट्रीट जर्नल को भेजे एक ईमेल में, एफआईपी ने कहा कि हमें पता चला है कि अंतरराष्ट्रीय मीडिया के कुछ वर्ग बार-बार चुनिंदा और असत्यापित रिपोर्टिंग के माध्यम से विमान हादसे का निष्कर्ष निकालने का प्रयास कर रहे हैं। इस हादसे ने जनता को बड़ा सदमा पहुंचाया है। यह भारतीय विमानन उद्योग की सुरक्षा को लेकर, खासकर निराधार तथ्यों के आधार पर जनता में चिंता या आक्रोश पैदा करने का समय नहीं है।

बोइंग कंपनी को बचाने में लगा है विदेशी मीडिया

एफआईपी ने कहा कि मीडिया संस्थान आधिकारिक पुष्टि और अंतिम रिपोर्ट के बिना ऐसी कोई भी सामग्री प्रकाशित या प्रसारित न करें जिसमें दुर्घटना के कारणों पर अटकलें लगाई गई हों और मृत पायलटों को दोषी ठहराती हों। इस तरह की अटकलें लगाने वाली सूचनाओं का प्रकाशन बेहद गैर-जिम्मेदाराना है। इससे मृत पायलटों की प्रतिष्ठा को गंभीर और अपूरणीय क्षति पहुंची है। रॉयटर्स ने शोक संतप्त परिवारों को अनावश्यक संकट में डाला है और पायलट वर्ग का मनोबल गिराया है, जो भारी दबाव और सार्वजनिक जिम्मेदारी के ▶10पर

विश्व यात्रा और पर्यटन परिषद की ताजा रिपोर्ट से खुलासा

दुनिया में आठवें नंबर पर पहुंचा भारत का टूरिज्म

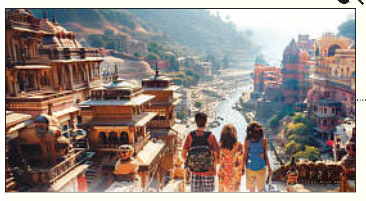

फ्रांस-जर्मनी पीछे छूटे, 19.4 लाख करोड़ की कमाई हुई

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)।

भारत ने विश्व पर्यटन की दुनिया में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। विश्व यात्रा और पर्यटन परिषद (डब्ल्यूटीटीसी) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 2024-25 में भारत दुनिया की आठवीं सबसे बड़ी पर्यटन अर्थव्यवस्था बन गया है। देश की पर्यटन से होने वाली कमाई 231.6 अरब अमेरिकी डॉलर (लगभग 19.4 लाख करोड़ रुपए) तक पहुंच गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल भारत 10वें स्थान पर था, लेकिन इस बार दो पायदान की छलांग लगाकर जापान और फ्रांस जैसे देशों को पीछे छोड़ दिया। अमेरिका पहले स्थान पर है 2,360 अरब डॉलर के साथ, उसके बाद चीन, जर्मनी, जापान, ब्रिटेन, फ्रांस और मैक्सिको हैं। यह कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। इसके पीछे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत सरकार की दूरदर्शी नीतियों, ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,01,160/- (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,14,350/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31^0
न्यूनतम : 24^0

घने जंगल में गुफा में दो बेटियों के साथ रहती थी रूसी महिला

...और सिस्टम ने उजाड़ दिया मां बेटियों का सुकून

बेंगलुरु, 19 जुलाई (एजेंसियां)।

भारत की अजीबोगरीब स्थिति है। यहां बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठिए रह सकते हैं। उन्हें सारी सरकारी सुविधाएं मुहैया करी जा सकती हैं। उनके राजनीतिक आका उनके लिए सारा इंतजाम कर सकते हैं, लेकिन रूस से आकर कर्नाटक के घने निर्जन जंगल में एक गुफा में अपने बच्चों के साथ सुकून से रह रही महिला नीना कुटीना की जिंदगी में सिस्टम के कीड़ों ने जहर बो दिया। नीना कहती हैं, जंगल में जानवरों के साथ रहना बेहद आसान है, यह मनुष्य सबसे खतरनाक और दुष्ट प्रजाति के जीव हैं।

जंगल की गुफा में नीना कुटीना और उनकी दोनों बेटियों का जीवन शांतिपूर्ण था। दक्षिण भारत के एक तटीय शहर, गोकर्ण के घने जंगल में वे एक गुफा में रह रहे थे। सूर्योदय पर जागना, नदियों में तैरना और प्रकृति के बीच रहना कितना सुकून दे रहा था उन्हें। कुटीना ने कहा, मैं मौसम के हिसाब से आग या छोटे से गैस सिलेंडर पर खाना बनाती थी और पास के गांव से किराने का सामान ले आती थी। हम पेंटिंग करते थे, गाने गाते थे, किताबें पढ़ते थे और शांति से रहते थे।

बांग्लादेशी-रोहिंग्या रह सकते हैं, पर रूस की मां-बेटियां नहीं

40 वर्षीय रूसी महिला और उसकी छह और चार साल की दो बेटियों के कर्नाटक राज्य की एक नम गुफा में शांति से रहने और फिर अचानक एक दिन उनकी शांति को उजाड़ फेंकने की कहानी ने झकझोर कर रख दिया है। 9 जुलाई को पर्यटकों के बीच लोकप्रिय पहाड़ी वन क्षेत्र में गश्त के दौरान पुलिस को जंगल के बीच एक गुफा में लाल साड़ी का एक पर्दा लटका दिखा। पास जाकर देखा तो पता चला कि इस पर्दे से ही गुफा के प्रवेश द्वार को ढंक कर रखा गया था। गुफा के अंदर एक हिंदू देवता की मूर्ति और बिखरे हुए कपड़े दिखाई दे रहे थे। तभी एक सुनहरे बालों वाली बच्ची बाहर आई। उसके पीछे-पीछे गई पुलिस महिला को एक और बच्चे ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

जेबीएन स्वयं वी-प्रेन्योर्स समूह की मासिक बैठक आयोजित

जब महिलाएं साथ आती हैं, तो कोई भी सपना अधूरा नहीं रहता: बबिता रायसोनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु के चामराजपेट स्थित जीतो कार्यालय में जेबीएन स्वयं वी-प्रेन्योर्स समूह की मासिक बैठक, संघर्ष से सफलता तक, महिलाओं का सामूहिक उद्यम का भव्य आयोजन किया गया। इस बैठक ने यह सिद्ध कर दिया कि जब महिलाएं संगठित होती हैं और एक-दूसरे को प्रोत्साहित करती हैं, तो सफलता सिर्फ लक्ष्य नहीं, एक यात्रा बन जाती है। सत्र की शुरुआत पवित्र नमोकार मंत्र के उच्चारण से हुई, जिससे सकारात्मक ऊर्जा और शांति का वातावरण बन गया। इस विशेष बैठक में 25 सदस्याएं और 2 आगंतुकों ने भाग लिया, जिनमें नई ऊर्जा और उत्साह की झलक स्पष्ट थी। इस बैठक की गरिमा को और भी ऊँचाइयाँ मिलीं जब महिला विंग की चेयरपर्सन बबिता रायसोनी और मुख्य सचिव निधि पालरेचा ने अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित की। बबिता रायसोनी ने कहा, जब महिलाएं साथ आती हैं, तो कोई भी सपना अधूरा नहीं रहता। जेबीएन स्वयं, जैसा मंच हर महिला को एक नई पहचान देने का माध्यम बन रहा है। टीम को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि वे इस मंच को और ऊँचाइयों पर ले जाएँ।

निधि पालरेचा ने भी अपनी ओर से प्रेरणास्पद संदेश में कहा यह केवल व्यवसाय का नहीं, आत्म-निर्माण और आत्म-विश्वास का मंच है। उन्होंने सभी सदस्यों को उनके समर्पण और आपसी सहयोग के लिए बधाई दी। बैठक के दौरान जून नवंबर 2025 के कार्यकाल के लिए टीम का औपचारिक परिचय हुआ। निशा कोठारी, जो समूह प्रमुख है, आत्मविश्वास से कहा कि वे चाहती है कि इस कार्यकाल में हर सदस्य खुद को एक नई ऊँचाई पर देखे। यह टीम आपकी है, आपके विचारों की है, और आपके विकास की है। रेफरल लीड राजुल किशोर जैन ने कहा हर महिला के पास कुछ विशेष है, हमें बस उसे मंच देना है और उसका हाथ थामना है। सलोनी नेतानी जैन, सचिव ने मुस्कराते हुए कहा, जब विचार मिलते हैं, तो व्यापार नहीं, संपूर्ण जीवनशैली बदल जाती है। यह मंच उसी बदलाव का प्रतीक है। चातुर्मास के पावन समय में सभी ने एक-दूसरे की तपस्याओं की जानकारी ली और शुभकामनाएँ दीं। आध्यात्मिकता और उद्यमिता का यह संगम अपने-आप में दुर्लभ और प्रेरणादायी था। बैठक में 30-सेकंड बिजनेस पिच की गतिविधि ने सभी को एक-दूसरे के कार्यक्षेत्र को जानने का मौका दिया। इसके बाद पेयरिंग एक्टिविटी, में दो-दो सदस्यों को जोड़ा गया ताकि वे एक-दूसरे के व्यवसाय को गहराई से समझ सकें। इस गतिविधि ने सदस्यों के बीच संवाद और संबंध को एक नई दिशा दी। इस महीने रेफरल्स के जरिए व्यापारिक सहयोग में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। यह दर्शाता है कि जब उद्देश्य साझे हों और दृष्टिकोण पारदर्शी, तो व्यापार केवल लाभ का साधन नहीं, आपसी समर्पण का प्रतीक बन जाता है। गिफ्टिंग पार्टनर तृप्ति जैन ने अपनी ओर से सुंदर उपहार भेंट किए। साथ ही चेतना, रेखा और कनक को उनके विशेष यो-गदान के लिए स्मृति-चिह्न देकर सम्मानित किया गया। बैठक की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि यह मंच प्रतिस्पर्धा नहीं, सहयोग की भावना को पोषित करता है। निशा, राजुल और सलोनी की तिकड़ी ने यह दिखा दिया कि जब नेतृत्व में समर्पण, संवेदनशीलता और रणनीति का संगम होता है, तो समूह नई ऊँचाइयाँ छूता है। बैठक के अंत में यह घोषणा की गई कि अगली बैठक मिथु के कार्यालय में ऑफिस दर्शन, के रूप में आयोजित की जाएगी, जिससे सदस्यों को एक नया अनुभव मिलेगा। जेबीएन स्वयं वी-प्रेन्योर्स की यह बैठक यह बताने के लिए पर्याप्त थी कि अगर महिलाओं को मंच, मार्गदर्शन और मनोबल मिले, तो वे न सिर्फ अपने व्यवसाय को संवार सकती हैं, बल्कि समाज में परिवर्तन की लहर भी ला सकती हैं।

जैसे कर्म करोगे, वैसा ही फल मिलेगा: साध्वी उपासना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राजाजीनगर श्रीसंघ में विराजित साध्वी उपासना ने जीवन के सबसे महत्वपूर्ण विषय कर्म और उसके फल पर प्रभावशाली प्रवचन में कहा कि प्रत्येक जीव जैसा कर्म करता है, वैसा ही फल उसे प्राप्त होता है। जो जैसा बीज बोता है, वैसा ही फल पाता है। यदि नीम का बीज बोओगे, तो आम का फल नहीं मिलेगा – यही कर्म का अटल नियम है।

आगे समयचक्र की प्रतीकात्मक व्याख्या करते हुए कहा कि घड़ी हमें केवल समय नहीं बताती, बल्कि धर्म की दिशा में बढ़ने के संकेत भी देती है। घड़ी का चौथा घंटा चार कषायों को त्यागने की प्रेरणा देता है। आत्मा को गिराने वाले चार मुख्य कषाय हैं, पहला क्रोध बुद्धि और विवेक का नाश करता है। दूसरा मान अहंकार से विनय का नाश होता है। तीसरा कषाय माया मित्र-संबंधो का नाश होता है। चौथा लोभ जो सभी पुण्यों को नष्ट करता है।

साध्वीजी ने कहा कि जब तक हम इन चार कषायों को नहीं छोड़ेंगे, तब तक आत्मा की उन्नति नहीं हो सकती। कषायों में जलता हुआ जीव अपने भीतर के सद्गुणों का नाश कर देता है और शांति से वंचित हो जाता है। उन्होंने उप-स्थित श्रद्धालुओं को अपने शब्दों और क्रियाओ द्वारा कर्मों की निगरानी करने की प्रेरणा दी। हम अक्सर दूसरों की निगरानी करते हैं, लेकिन धर्म का सार यही है कि हम अपने ही कर्मों और विचारों की समीक्षा करें। जब तक व्यक्ति अपने कर्मों को जागरूकता से नहीं देखता, तब तक आत्मिक विकास नहीं हो सकता। अंत में उन्होंने कहा कि कर्म बंधने से पहले अपने स्वभाव को देखना चाहिए। यदि स्वभाव सात्विक, संयमित और सजग होगा, तभी शुभ कर्म बंधेगा और मोक्षमार्ग प्रशस्त होगा। सभा में बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने उपस्थिति दर्ज की और आत्म चिंतन का भाव लेकर लाभ लिया। इस मौके पर जैन कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय प्रमुख मार्गदर्शक सिरसा से संदीप जैन, राष्ट्रीय वैयावच्च महामंत्री रतनचंद सिंघी सहित बेंगलूरु के विभिन्न क्षेत्रों से सदस्यगण उपस्थित रहे। पूर्व में साध्वी ऋषिता ने स्तवन की प्रस्तुति दी। सभा में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को गुरुवर्या ने मांगलिक प्रदान किया। आभार ज्ञापन अध्यक्ष प्रकाश चानोदिया ने व्यक्त किया। संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

आयकर आयुक्त ने सिद्धारुढ़ मठ के दर्शन कर की खुशहाली की कामना

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

इनकम टैक्स कमिश्नर (छूट) बेंगलूरु जीतेन्द्र कुमार ने अपने हुब्बल्ली प्रवास के दौरान दक्षिण की काशी के रूप में विख्यात श्री सिद्धारुढ़ मठ स्वामीजी मठ का दौरा कर स्वामीजी के दर्शन आरती कर वंदन किया। इस दौरान मठ कमेटी के चेयरमैन चनवीर मुंगरवाड़ी ने मठ के बारे में जानकारी देते हुए मठ में प्रतिदिन चलने वाले दासोह के रसोई सहित श्री सिध्दारुढा स्वामीजी की जीवनी के बारे में जानकारी दी। मठ कमेटी के पूर्व चेयरमैन महेंद्र सिंघी ने श्री सिध्दारुढा स्वामीजी के जीवन के बारे में विस्तार से बताया और स्वतंत्रता आंदोलन में स्वामीजी के नेतृत्व में महात्मा गाँधी और लोकमान्य गंगाधर तिलक के साथ मिलकर किये गए कार्य के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान संयुक्त आयकर आयुक्त (छूट) हुब्बल्ली राजा रेड्डी, आयकर उपायुक्त (मुख्यालय) (ई) बेंगलूरु लक्कप्पा हनमनन्नवर, आईटीओ (छूट) हुब्बल्ली शरणकुमार कोलूर, आईटीओ (छूट) कलबुर्गी जय प्रकाश सहित अन्य अधिकारियो ने भी दर्शन कर आशीर्वाद लिया।

इस अवसर पर मठ कमेटी के चेयरमैन चनवीर मुंगरवाड़ी, महेन्द्र सिंघी, रमेश बेलगावी, उदय कुमार नायक, गीता कलबुरगी सहित अन्य ने सभी आयकर अधिकारियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर भारत जैन महामंडल हुब्बली शाखा के अध्यक्ष सुभाष चन्द्रा डंक सहित अन्य उपस्थित थे।

साध्वी ऋद्धिश्री का 48वां जन्मोत्सव तप, जप, साधना के साथ मनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी बावीस सम्प्रदाय जैन संघ (ट्रस्ट) गणेश बाग के पावन प्रांगण में विराजित महासाध्वी ऋद्धिश्री का 48वां जन्मोत्सव तप, जप और साधना की भावभूमि पर अत्यंत श्रद्धा और अध्यात्म के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर संघ परिसर में साध्वीश्री की प्रेरणा से शांत, गहन, और मनोयोगपूर्वक साधना एवं जप का आयोजन किया गया। साध्वीश्री ने कहा सच्चा जन्मोत्सव वह है जिसमें आत्मचिंतन और आत्मोन्नति का अवसर हो। साधना के बिना साध्वीता नहीं, और साध्वीता के बिना मोक्ष की कल्पना भी व्यर्थ है। उन्होंने समझाया कि जब मन और मस्तिष्क साधना के रंग में रंग जाएँ, तभी जीवन सार्थक होता है। आज के युग में केवल ज्ञान या क्रिया नहीं, अपितु मन की शुद्धता और निरंतरता से ही साधना की सिद्धि संभव है।

उन्होंने नवकार जाप के साथ भक्ताम्बर हीलिंग के महत्व बारे में भी बताया। संघ के श्रावक-श्राविकाओं ने इस अवसर पर नवकार मंत्र जाप, सामायिक, स्वाध्याय और तप आराधना करते हुए साध्वीश्रीजी के दीर्घ, स्वस्थ और साधनामय जीवन की मंगलकामनाएं कीं। इस अवसर पर जैन कांफ्रेंस कर्नाटक प्रांत के अध्यक्ष प्रकाश बुरड़, महामंत्री नेमीचंद दलाल, राष्ट्रीय जीवन प्रकाश योजना महामंत्री अशोक कुमार धोका, गुरु अम्बेश सेवा समिति के मंत्री सुरेंद्र आंचलिया ने अपने विचार रखते हुए साध्वी श्री को शुभकामनाएं दी। जैन कांफ्रेंस के राष्ट्रीय वैयावच्च महामंत्री रतनचंद सिंघी, राष्ट्रीय महिला उपाध्यक्ष निर्मला सांखला, प्रांतीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिनेश पोखरना, उपाध्यक्ष हस्तीमल बाफना, जसवंत गन्ना, कोषाध्यक्ष पुखराज आंचलिया, मंत्री विकास कोठारी, दिनेश पोरवाड़, भरत कोठारी, युवा शाखा से अध्यक्ष आशीष भंसाली, महामंत्री किशोर बाफना, कोषाध्यक्ष रूपेश सिसोदिया, सह कोषाध्यक्ष सुनील बम्ब, वैयावच्च प्रांतीय महामंत्री प्रकाश बोहरा, मरुधर केसरी सेवा समिति अध्यक्ष तगतराज बाफना, मंजूनाथनगर अध्यक्ष उत्तमचंद आछा, मानकचंद लूणावत, अशोक कुम्भट, शिवाजीनगर महिला मंडल, श्रीरामपुरम बहू मण्डल, बोम्मनहल्ली एवं राज-ाजीनगर महिला मंडल, विहार सेवा सदस्यगण, चेन्नई संघ व अन्य की उपस्थिति रही।

मंत्र हमारी प्राणशक्ति को बढ़ाता है, सिद्धि देता है: साध्वी

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने शंखेश्वर पार्श्वनाथ अट्ठम तप एवं अखंड जाप के अंतर्गत कहा कि मंत्र हमारी प्राणशक्ति को बढ़ाता है, सिद्धि देता है, यंत्र एक अभेध सुरक्षा कवच है, उन्नति का रक्षा कवच है, और कार्य सिद्धि प्रदान करने वाला है।

वही ऊर्जा का अखंड स्त्रोत, वास्तु का पर्यायवाची नाम, वनस्पतियों का दुर्लभ मिश्रण और दिव्य शक्तियों का आह्वान है तंत्र। यंत्र-मंत्र और तंत्र ये तीनों महान पवित्र एवं गरिमामय में शब्द है। साध्वी शीतलगुणा श्री ने कहा कि प्रत्येक शब्द मंत्र के रूप में है जिसमें अलौकिक शक्ति छुपी हुई है जिसका लोहा विज्ञान और सरकार दोनों मान रही है। मंत्र के माध्यम से आत्मा से कर्मों की निर्जरा शरीर निरोग नकारात्मक विचार से मुक्ति मिलती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। उन्होंने बताया कि देवी प्रकृति प्राकृतिक प्रकोप को नियंत्रित करने की क्षमता मंत्र-मंत्र शक्ति में है। जाप के साथ तपस्या का समावेश किया जाए तो सफलता जल्दी मिलती है।

विशेष काल और समय में मंत्र जाप करने पर ज्यादा प्रभावित होता है। श्रावण मास विशेष रूप से अनुकूल है।

उन्होंने कहा कि वैसे तो गुड कभी भी खाओ मीठा ही लगेगा वैसे मंत्र साधना उठते बैठते खाते पीते सोते हर समय के साथ होनी चाहिए। उसके लिए परिपक्व मार्गदर्शन करने वाले की आवश्यकता होती है। महापुरूषों के चरण में पुरे दुनिया का तीर्थ, व्रत होता है। शास्त्र में भी बताया गया है कि सबसे पहले परमात्मा के चरणों का ही ध्यान करना चाहिए। पुरुषार्थी व्यक्ति को अंतिम क्षण तक प्रयास करना चाहिए। पुरूषार्थी व्यक्ति को अपने जीवन के अंतिम क्षण तक कभी भी अपने पुरुषार्थ का त्याग नहीं करना चाहिए। हमारा पुरुषार्थ, हमारा कर्म, हमारा उद्देश्य ही सफलता का कारण बनता है। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ अध्यक्ष पूनमचंद सोलंकी ने बताया कि आज से अट्ठम तप प्रारंभ हुआ। अखंड जाप में भी काफी संख्या में श्रद्धालु लाभ ले रहे है। परमात्मा का 108 अभिषेक का लाभ पुखराज कपूरचंद सियाणा परिवार ने लिया। राजेन्द्र नवयुवक मंडल एवं भोजन कमेटी ने सराहनीय सहयोग किया। वियासणा का लाभ भंवरलाल, पेराजमल, जगदीश प्लास्टिक ने लिया। अट्ठम तप पारना का लाभ गुलाबी बाई जोमतराज भंडारी राजु भंडारी परिवार ने लिया।

गति में संतुलन नहीं, प्रगति सम्भव नहीं : श्री सुधांशु जी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जय नगर में आयोजित अमृत ज्ञान वर्षा महोत्सव के क्रम में शनिवार सायंकालीन सत्र में आए समस्त गुरु भक्तों को सम्बोधित करते हुए परम श्रद्धेय सुधांशु जी महाराज ने कहा कि व्यक्ति की यात्रा विकसित होने के साथ परम लक्ष्य तक पहुंचने की यात्रा है। सत संगति से सुमति की प्राप्ति होती है और इसी के अनुसार व्यक्ति सफल होने लगता है। अपने सद्गुरु के मार्गदर्शन में भौतिक और आध्यात्मिक प्रगति करें। जब तक व्यक्ति के जीवन में गति संतुलन नहीं है तब तक वह प्रगति करना सम्भव नहीं है। व्यक्ति संसार में रहते हुए भी उसकी प्रेरणा की ज्योति बुझ जाने पर उस भावना को छोड़ देता है जिससे उसकी प्रगति रुक जाती है। पूज्य महाराजश्री ने कहा कि श्रद्धा में जब कमी होती है तब गुरु कृपा प्राप्त नहीं होती है।

पूज्य महाराजश्री जी ने कहा कि अपने माता पिता को भगवान के रूप में देखें और उनका सम्मान करें। घर परिवार में जब व्यक्ति सम्मान पाता है तब जाकर बाहरी दुनिया में भी सम्मान मिलता है। उन्होंने समय के बारे में बोलते हुए कहा कि वक्त के पास इतना वक्त नहीं है कि वह आपको दुबारा वक्त दे सके। जो समय मिला है उसका ठीक से उपयोग करने से किस्मत बदलती है। इस अवसर पर विश्व जागृति मिशन बेंगलुरु मण्डल के प्रधान आदित्य टांटिया को सनातन संस्कृति जागरण के कार्यों को देखकर परम पूज्य महाराजश्री जी ने धर्म गौरव अलंकरण से सम्मानित किया।

टीपीएफ हासन द्वारा मेगा नेत्र जांच शिविर आयोजित

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

रॉयल अपोलो इंटरनेशनल स्कूल में, जो दो नेत्र शिविर स्थलों में से एक है, में टीपीएफ हासन द्वारा नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत नवकार मंत्र के साथ हुई और उसके बाद दीप प्रज्वलन किया गया।

टीपीएफ टीम के अलावा, तेरापंथ सभा के सदस्य, स्थानकवासी संघ, मूर्तिपूजक संघ, टीवाईपी के सदस्य भी उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि नवीन जे., डॉ. रविकुमार, सोमशेखर, हासन टी पी एफ अध्यक्ष प्रकाश भंसाली, मंत्री प्रणव कोठारी ने बारी-बारी से उप-स्थित लोगों को संबोधित किया।

धन्यवाद ज्ञापन ललिता असोरिया ने व्यक्त किया। सलोनी सुराणा और करुणा जैन ने कार्यक्रम का संचालन किया। रॉयल अपोलो स्कूल में नेत्र परीक्षण कराने वाले छात्रों की संख्या 685 रही। सरकारी कन्या उच्च विद्यालय और पी.यू. कॉलेज में नेत्र परीक्षण कराने वाले छात्रों की संख्या 550 रही।

मन की गति को कोई माप नहीं सकता है: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि मन बंदर की तरह चंचल होता है। यह मन की प्रकृति है। मन की गति को कोई माप नही सकता है। मन से ही सबसे ज्यादा पुण्य और पाप भी होते हैं। यह मन धर्म स्थान पर पाप कर सकता है तो पाप के स्थानों पर पुण्य का बंध करने में भी सक्षम है। जिनवाणी श्रवण से हम मन को काबू में कर सकते हैं क्योंकि जिनवाणी ही हमे जागरूक रखती है। प्रवचन को प्रारंभ करते हुए साध्वी श्री वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि मनुष्य भव दिव्य और तीर्थ भूमि है। इसे हम निंदा विकथा के कचरे से गंदी न करें। प्रभु का शासन सौभाग्य से मिलता है। समझदार इस भव में अगले भव की तैयारी कर लेता है। प्रभु की वाणी हम सुने, समझे, गुणगान करते हुए आचरण में लाएं। जब जब भी प्रभु की वाणी सुनने का अवसर मिले, तब तब खूब अहो भाव से सुने और स्वयं को धन्य माने। सांसारिक सौभाग्य तो अनित्य है। प्रभु की वाणी ही हमारा सौभाग्य है। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन करते हुए बताया कि रविवार को घर कैसे स्वर्ग बने विषय पर प्रवचन होगा। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने स्वागत किया।

कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद के लिए जबरदस्त होड़ मची

जब कुर्सी हिलती है, तब सीएम सिद्धरामैया करते हैं साधना सम्मेलन: विजयेंद्र

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि जब भी सिद्धरामैया की कुर्सी कमजोर होती है, जब भी उन्हें लगता है कि मुख्यमंत्री की कुर्सी हिल रही है, जब भी अस्थिरता होती है, वे लगातार सम्मेलन करते रहे हैं। यहाँ मीडिया से बात करते हुए, उन्होंने मैसूरु में कांग्रेस के साधना सम्मेलन के बारे में एक सवाल का जवाब दिया। सिद्धरामैया का मतलब सम्मेलन है। सम्मेलन का मतलब सिद्धरामैया है। सिद्धरामैया अपने राजनीतिक अस्तित्व को बनाए रखने के लिए गैर-हिंद समुदायों को आगे रखते हैं। उन्होंने आलोचना की कि वे इन समुदायों का इस्तेमाल करके अपनी राजनीतिक रोटियाँ सेंकने के लिए ऐसे सम्मेलन आयोजित करते हैं और कांग्रेस पार्टी आलाकमान को धमकाते हैं, यह कहते हुए कि राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में उनके ढाई साल के कार्यकाल में उनकी उपलब्धि शून्य रही है। अगर सिद्धरामैया ने मुख्यमंत्री के रूप में कुछ हासिल किया होता, तो राज्य प्रभारी सुरजेवाला विधायकों से बात करने और उनका असंतोष दूर करने के लिए बार-बार बेंगलूरु नहीं आते। सुरजेवाला विधायकों की नाराजगी समझने और मुख्यमंत्री बदलने की स्थिति में विधायकों के अंदर क्या चल रहा है, यह जानने के लिए बार-बार आ रहे हैं। उन्होंने विश्लेषण किया कि चूँकि सिद्धरामैया के मुख्यमंत्री पद को लेकर अनिश्चितता है, इसलिए वह इस तरह का सम्मेलन आयोजित करके आलाकमान को धमका रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद के लिए जबरदस्त होड़ मची हुई है।

विधायकों की खरीद-फरोख्त भी शुरू हो गई है। उन्होंने इस सरकार पर कोई उपलब्धि या विकास कार्य न करने का आरोप लगाया। उन्होंने इस सवाल का जवाब दिया कि विधायकों की संख्या बढ़ाने के लिए रेट फिक्सिंग की जा रही है। उन्होंने कहा कि सिद्धरामैया ने दिल्ली में यह कहकर कांग्रेस आलाकमान को सीधी चुनौती दी है कि वह 5 साल तक मुख्यमंत्री रहेंगे। राहुल गांधी ने सिद्धरामैया को दिल्ली में उनसे मिलने तक नहीं दिया। उन्होंने समझाया कि यह कांग्रेस पार्टी में सब कुछ ठीक नहीं होने का एक उदाहरण है। कांग्रेस विधायक अंदर ही अंदर अपनी तलवारें तेज कर रहे हैं। कुछ सिद्धरामैया के लिए लड़ रहे हैं, जबकि कई शिवकुमार के लिए। पत्रकारों ने राज्य सरकार द्वारा छोटे व्यापारियों को कर भुगतान के लिए दिए गए नोटिस पर सवाल उठाया। जिसके बाद उन्होंने कहा हम पार्टी के नेताओं ने इस पर चर्चा की। एक ओर, उन्होंने आपत्ति जताई कि सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार गारंटी के लिए धन एकत्र नहीं कर पा रही है और इसी बहाने रेहड़ी-पटरी वालों को डराने के लिए नोटिस जारी कर रही है। यह सच है कि जीएसटी केंद्र को जाता है, लेकिन ऐसा विकास देश के किसी अन्य राज्य में नहीं हुआ है। हालाँकि, कर्नाटक में गारंटी के लिए धन एकत्र करना संभव नहीं है। विकास के लिए धन आवंटित करना संभव नहीं है, और राज्य सरकार मुख्यमंत्री के आदेश पर छोटे व्यापारियों और रेहड़ी-पटरी वालों को डरा रही है। राउडशीटर हत्याकांड में विधायक बसवराजू का नाम आरोपी के रूप में शामिल किए जाने के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए, उन्होंने कहा सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी पिछले 2 वर्षों से भाजपा विधायकों को डराने-धमकाने के लिए लगातार हथकंडे अपना रही है। दक्षिण कन्नड़ में हमारे विधायक हरीश पूंजा के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। उन्हें गिरफ्तार करने का प्रयास किया गया था, लेकिन वह असफल रहा। फिर भरत शेट्टी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। वे एफआईआर दर्ज करके विभिन्न विधायकों को डरा रहे हैं। अब, विजयेंद्र ने कहा कि इसके पीछे पिछड़े वर्ग के नेता और पूर्व मंत्री बसवराजू को राजनीतिक रूप से खत्म करने की साजिश है। उन्होंने कहा कि मारे गए व्यक्ति की माँ ने भी कहा कि उन्होंने बसवराजू का नाम नहीं लिया। विधायकों को अनुदान में भेदभाव के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए, उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि मुख्यमंत्री ने दया दिखाई है। दो साल के शासन के बाद भी, उनकी पार्टी के विधायकों ने धन की कमी पर असंतोष व्यक्त किया है।

अब्दुल कलाम को राष्ट्रपति बनाया गया था

उन्होंने अपनी कुर्सी बचाने के लिए धन का पाखंडी खेल खेलने के लिए मुख्यमंत्री की आलोचना की। मुख्यमंत्री ने 50 करोड़ जारी करने के लिए एक पत्र लिखा है। क्या वह जारी होगा? कब जारी होगा? यह विधायकों के हाथों में कब पहुँचेगा? विकास कार्य कब होंगे - ये सभी खुले प्रश्न हैं। कांग्रेस के शासनकाल में सत्ता पक्ष की आंखों में मक्खन और विपक्ष की आंखों में चूना डालने की निरंतर प्रथा रही है। उन्होंने कहा कि यह अब भी जारी है। अगर आप मल्लिकार्जुन खड़गे का नाम लेते हैं, तो सिद्धरामैया नाराज हो जाते हैं। मैंने कहा था कि दलित मल्लिकार्जुन खड़गे को न्याय दिलाने के संदर्भ में खड़गे को मौका दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि परमेश्वर के साथ अन्याय राज्य में बहस का विषय बन गया है। हमने एक आदिवासी महिला द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाया है। भाजपा ने पहले भी रामनाथ कोविंद को राष्ट्रपति बनाया है। कांग्रेसी अल्पसंख्यकों के बारे में भाषण देते हैं, लेकिन भाजपा ने इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित किया कि अब्दुल कलाम को राष्ट्रपति बनाया गया था।

मुख्यमंत्री ने प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए 50 करोड़ रुपये के अनुदान की घोषणा की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने विधायकों को अपने-अपने क्षेत्रों में विकास कार्य करने में सक्षम बनाने के लिए प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए 50 करोड़ रुपये के अनुदान की घोषणा की है।

सत्तारूढ़ कांग्रेस सहित सभी दलों के विधायकों ने विकास कार्यों के लिए पर्याप्त धनराशि की कमी पर असंतोष व्यक्त किया था। इस चिंता का समाधान करते हुए, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने विधायकों को लिखे एक पत्र में कहा कि मुख्यमंत्री अवसंरचना विकास कार्यक्रम के तहत 2025-26 के राज्य बजट में की गई घोषणा के अनुसार, प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र को 50 करोड़ रुपये का अनुदान आवंटित किया जाएगा। इस राशि में से 37.5 करोड़ रुपये लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में सड़कों और पुलों सहित अन्य कार्यों के लिए निर्धारित किए जाएँगे। शेष 12.5 करोड़ रुपये का उपयोग संबंधित विधायकों के विवेकानुसार चुने गए अन्य विभागीय कार्यों के लिए किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने विधायकों को एक मांग पत्र के साथ निर्धारित प्रारूप में परियोजना विवरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। विधायकों के लिए जिलावार बैठकें 30 और 31 जुलाई को विधान सौधा के समिति हॉल में निर्धारित की गई हैं, जहाँ उनके संपूर्ण परियोजना प्रस्तावों के साथ उपस्थित होने की उम्मीद है।

हालांकि परिपत्र में स्पष्ट रूप से यह नहीं कहा गया है कि यह धनराशि केवल कांग्रेस विधायकों के लिए है, विपक्षी दलों भाजपा और जद(एस) ने भेदभाव का आरोप लगाया है। हालाँकि, आधिकारिक सूत्रों ने स्पष्ट किया है कि सभी विधायकों को धनराशि जारी की जाएगी। विपक्ष के नेता आर. अशोक ने आरोप लगाया कि ऐसी जानकारी है कि भाजपा और जद(एस) विधायकों को केवल 25 करोड़ रुपये ही मिल सकते हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से राज्य भर में संतुलित विकास के लिए सभी विधायकों को समान आवंटन सुनिश्चित करने का आग्रह किया। अशोक ने संवाददाताओं से कहा पिछले दो वर्षों में एक भी विकास परियोजना शुरू नहीं हुई है। यहाँ तक कि कांग्रेस विधायक भी कह रहे हैं कि वे अपने मतदाताओं का सामना नहीं कर पा रहे हैं। 50 करोड़ रुपये के कोष के लिए एक परिपत्र जारी किया गया है, लेकिन विपक्षी विधायकों के लिए भी इतनी ही राशि मिलने की कोई गारंटी नहीं है। इस बीच, जेडी(एस) ने सवाल उठाया है कि क्या सीएम सिद्धरामैया खुद को पूरे राज्य का मुख्यमंत्री मानते हैं या सिर्फ कांग्रेस विधायकों का।

एम्बुलेंस के डिवाइडर से टकराने से मरीज की मौत

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

मणिपाल के एक अस्पताल ले जा रहे एक मरीज की उडुपी-मणिपाल राजमार्ग पर एक एम्बुलेंस के सड़क विभाजक से टकराने के बाद मौत हो गई। यह घटना एमजीएम कॉलेज के सामने हुई, जब कोटेश्वर से मणिपाल अस्पताल जा रही एम्बुलेंस कथित तौर पर एक सड़क मोड़ के पास नियंत्रण खो बैठी और बैरिकेड्स से टकरा गई। दुर्घटना के बाद, मरीज को तुरंत एक अन्य एम्बुलेंस में स्थानांतरित किया गया और मणिपाल के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहाँ उसने अंतिम सांस ली।

दक्षिण कन्नड़ जिले के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दक्षिण कन्नड़ जिले में लगातार और भारी बारिश के बाद ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। 17 जुलाई की रात से 18 जुलाई की रात तक, जिले के शहरी और ग्रामीण दोनों इलाकों में लगातार बारिश हुई। रिपोर्टों से पता चलता है कि सार्वजनिक और निजी संपत्तियों को नुकसान पहुँचा है, जिसमें जिले भर में कम से कम सात घरों को आंशिक क्षति भी शामिल है। शहर के अदुमारोली इलाके में, शोभा शेट्टी के घर की दीवार गिर गई, जिससे काफी नुकसान हुआ। आसपास के तीन-चार घरों के पीछे भूस्खलन की भी खबर है, जिससे स्थिति खतरनाक हो गई है।

विधायक वेदव्यास कामथ ने प्रभावित स्थल का दौरा किया और नुकसान का जायजा लिया। शहर के 45वें पोर्ट वार्ड के पांडेश्वर न्यू रोड में लगातार बारिश से एक घर और उसकी दीवार को नुकसान पहुँचा है। पूर्व पार्षद लतीफ कंदक्क ने घटनास्थल का दौरा किया और नुकसान का जायजा लिया। दक्षिण कन्नड़ जिले में अधिकतम तापमान 30.1 सेल्सियस और न्यूनतम 22.8 सेल्सियस दर्ज किया गया। अरब सागर में हवा की गति 35 किमी प्रति घंटे से बढ़कर 40 किमी प्रति घंटे होने की संभावना है, और मछुआरों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

धर्मस्थल सामूहिक हत्याकांड मामला

पुलिस अगर सुझाव दे तो एसआईटी जाँच होगी: सीएम सिद्धरामैया

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि कथित धर्मस्थल सामूहिक हत्याकांड मामले में सरकार किसी भी दबाव में नहीं आएगी। उन्होंने कहा हम कानून के अनुसार कार्रवाई करेंगे। अगर पुलिस सिफारिश करती है तो हम मामले की जाँच के लिए एक विशेष जाँच दल (एसआईटी) का गठन करेंगे। इस मामले में हाल ही में आई एक शिकायत के बारे में शुक्रवार को मैसूरु हवाई अड्डे पर बोलते हुए, उन्होंने कहा पुलिस की रिपोर्ट के आधार पर हम कानून के अनुसार कार्रवाई शुरू करेंगे। अगर वे कहते हैं कि एसआईटी की जरूरत है, तो हम इसका गठन करेंगे। शिकायतकर्ता ने दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 164 के तहत

एक बयान दिया है कि उसने कई शवों को दफनाया है और वह उन जगहों को दिखाएगा जहाँ उन्हें दफनाया गया है। जब उनसे पूछा गया कि क्या इस मामले में किसी भी तरफ से कोई दबाव था, तो उन्होंने कहा कोई दबाव नहीं है। अगर ऐसा है भी, तो भी सरकार किसी के आगे नहीं झुकेगी। मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी में देरी के बारे में एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश के आरोपों के बारे में उन्होंने कहा हम केवल आरोपों के आधार पर कार्रवाई नहीं कर सकते। हम कानून के मुताबिक कार्रवाई करेंगे। अनुसूचित जाति समुदाय के एक पूर्व सफाई कर्मचारी ने 1995 से 2014 तक धर्मस्थल मंदिर प्रशासन के लिए काम करने का दावा किया है। उसने दिसंबर 2014 में धर्मस्थल से भागने का दावा किया है और 3 जुलाई को धर्मस्थल पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में, उसने आरोप लगाया है कि लगभग दो दशकों से, प्रभावशाली लोगों ने उसे नाबालिगों सहित 100 से अधिक महिलाओं के शवों को दफनाने या जलाने के लिए मजबूर किया, जिन पर कथित यौन उत्पीड़न और हिंसा के निशान थे। कर्नाटक राज्य महिला संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. नागलक्ष्मी चौधरी ने 14 जुलाई को एक पत्र लिखकर क्षेत्र में ऐसी कई शिकायतों से निपटने में पुलिस की लापरवाही का आरोप लगाया है। 16 जुलाई को वकीलों के एक समूह ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की और शिकायतकर्ता द्वारा लगाए गए आरोपों की एसआईटी जांच की मांग करते हुए एक ज्ञापन सौंपा। बेंगलूरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में आरसीबी की जीत के जश्न के दौरान हुई भगदड़ पर न्यायमूर्ति माइकल डी'कुन्हा की जाँच रिपोर्ट के बारे में पूछे जाने पर, मुख्यमंत्री ने कहा मैं कैबिनेट की चर्चा के बाद इस पर टिप्पणी करूँगा। रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी गई है और सभी मंत्रियों को इसका सारांश अध्ययन के लिए दिया गया है ताकि कैबिनेट बैठक में इस पर चर्चा की जा सके।

भारी बारिश के कारण उल्लाल बंटवाल में स्कूलों की छुट्टी

मेंगलूरु में पीयू कॉलेजों तक की छुट्टी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तटीय क्षेत्र में लगातार भारी बारिश के बाद, मेंगलूरु तालुक में शनिवार को आंगनवाड़ियों, प्राथमिक, उच्च विद्यालयों और प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेजों में अवकाश घोषित कर दिया गया। उल्लाल और बंटवाल तालुकों में आंगनवाड़ियों, प्राथमिक और उच्च विद्यालयों में भी अवकाश घोषित किया गया है। यह निर्णय भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा जारी एक ऑरेंज अलर्ट के तहत लिया गया है, जिसमें अगले 24 घंटों में दक्षिण कन्नड़ जिले में मध्यम भारी बारिश की चेतावनी दी गई है।

दक्षिण कन्नड़ के कई हिस्सों में शुक्रवार को दिन भर, रात भर और शनिवार की सुबह-सुबह भारी बारिश हुई, जिससे सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। अभिभावकों से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि बच्चे निचले इलाकों, झीलों, समुद्र तट और नदी के किनारों पर न जाएँ। मछुआरों को भी पानी में न जाने की चेतावनी दी गई है। तालुक स्तर के अधिकारियों को अनिवार्य रूप से मुख्यालय में रहने के लिए कहा गया है। जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न पदों पर नियुक्त नोडल अधिकारियों को सतर्क रहने तथा जनता की शिकायतों पर कार्रवाई करने को कहा गया है।

बीबीएमपी को पाँच निगमों में विभाजित करने का प्रस्ताव राज्यपाल के पास अनुमोदन के लिए भेजा गया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बृहद बेंगलूरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) को पाँच निगमों में विभाजित करने का प्रस्ताव शुक्रवार को राज्यपाल के पास अनुमोदन के लिए भेजा गया। सूत्रों ने बताया कि गुरुवार को कैबिनेट की बैठक में पाँच निगमों की प्रस्तावित सीमाओं के मसौदे पर चर्चा हुई और इसे राज्यपाल की स्वीकृति के लिए भेजने का निर्णय लिया गया। कर्नाटक उच्च न्यायालय में ग्रेटर बेंगलूरु गवर्नेंस एक्ट, 2024 को लेकर कई कानूनी चुनौतियों का सामना करते हुए, राज्य सरकार आगे बढ़ने में सावधानी बरत रही है। चूँकि ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी (जीबीए) क्षेत्र को राज्यपाल की स्वीकृति से अधिसूचित किया गया था, इसलिए यह महसूस किया गया कि प्रस्तावित पाँच निगमों के मसौदे को भी उनकी स्वीकृति के बाद अधिसूचित करना बेहतर होगा। सूत्रों ने बताया कि राज्यपाल द्वारा अनुमोदन के तुरंत बाद बीबीएमपी प्रस्तावित पाँच निगमों की सीमाओं को अधिसूचित करेगा और जनता से आपत्तियाँ आमंत्रित करेगा। ब्रांड बेंगलूरु समिति ने हाल ही में एक रिपोर्ट पेश की थी जिसमें शहर की नागरिक सीमाओं को पाँच निगमों - मध्य, उत्तर, पूर्व, पश्चिम और दक्षिण - में विभाजित करने का प्रस्ताव दिया गया था। प्रस्तावित सीमाओं को राजस्व सृजन में संतुलन बनाए रखते हुए और कम से कम विधानसभा क्षेत्रों को कई निगमों में विभाजित करने के मार्गदर्शक सिद्धांत को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। सूत्रों ने बताया कि पाँचों निगमों का गठन इस तरह किया गया है कि इन निगमों के अनुमानित राजस्व में अधिकतम अंतर 100 करोड़ से अधिक न हो।

हमने स्कूलों को बम की धमकियों को गंभीरता से लिया है: गृह मंत्री परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि शहर के कई स्कूलों को मिली बम की धमकी की सूचना को हल्के में नहीं लिया जा रहा है। मामले की उचित जाँच की जाएगी। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि स्कूलों को पहले भी धमकी भरे कॉल और बम की धमकी वाले कई ईमेल मिले हैं। हम पहले इनकी जाँच करेंगे। हम किसी भी बात को हल्के में नहीं लेंगे। हम जाँच करेंगे कि ऐसी सूचनाएँ क्यों आ रही हैं। फिर हमें पता चलेगा कि वास्तविकता क्या है। पूर्व मंत्री बसवराजू को उपद्रवी बिकलू शिवू की हत्या के मामले में नोटिस जारी किया गया है। उनका बयान दर्ज किया जाएगा। इस मामले में जो भी होगा, नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि चूँकि नोटिस जारी हो चुका है, इसलिए उन्हें आना ही होगा। भाजपा द्वारा बसवराजू के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का विरोध करने के सवाल पर गृह मंत्री ने कहा कि भाजपा आरोप लगाने के लिए ही है। स्वाभाविक रूप से, वे आरोप लगाते हैं। पुलिस कानूनी दायरे में काम करती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि एफआईआर दर्ज करने के पीछे कोई राजनीति नहीं है। पुलिस हर घर जाकर समस्या सुनती है। अगर कोई और समस्या है, तो उसे भी दर्ज करती है। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि पुलिस विभाग द्वारा एक नया कार्यक्रम शुरू किया गया है ताकि यह जानकारी मिल सके कि कौन किस गली में है। आंतरिक आरक्षण सर्वेक्षण पूरा न होने के कारण भर्ती और पदोन्नति प्रक्रिया में देरी हुई है। परमेश्वर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को लिखे गए पत्र पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, जिसमें कहा गया था कि आंतरिक आरक्षण पूरा होने के बाद भर्ती और पदोन्नति शुरू होगी।

उत्तराखंड को अटल जी ने बनाया, अब मोदी जी संवार रहे : अमित शाह

रुद्रपुर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उत्तराखंड के रुद्रपुर में विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी मौजूद रहे। अमित शाह ने कहा कि आज यहाँ 1,271 करोड़ रुपये के पाँच उद्घाटन और 14 शिलान्यास हुए। जब उत्तराखंड के लोग राज्य की माँग के लिए संघर्ष कर रहे थे, तब कांग्रेस पार्टी ने उत्तराखंड के आंदोलनकारियों पर अत्याचार किए। उत्तराखंड बनाने का काम भाजपा के नेता और हमारे तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने किया था। लेकिन बाद में, राज्य के विकास के विशेषज्ञ इस पर बहस करने लगे कि छोटे राज्यों का विचार

सफल होगा या नहीं।

अमित शाह ने आगे कहा कि आज मैं सभी को बताना चाहता हूँ, अटल जी ने तीन राज्यों का निर्माण किया था – उत्तराखंड, छत्तीसगढ़ और झारखंड। ये तीनों राज्य अपने पैरों पर खड़े होकर आगे बढ़ने लगे।

उन्होंने कहा कि मैं जब भी उत्तराखंड आता हूँ, एक नई ऊर्जा लेकर लौटता हूँ... जब 2023 में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट हुई थी, तो सीएम पीएस धामी ने एक चिट पर लिखा था कि 3.56 लाख करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापन आ चुके हैं। मैंने पुष्कर धामी से कहा था कि समझौता ज्ञापन लाने में कोई बहादुरी नहीं होती, बहादुरी तो उन्हें ज़मीन पर उतारने में होती है। आज मैं पीएस धामी और उनकी टीम को धन्यवाद देना चाहता हूँ क्योंकि आज 1 लाख करोड़ रुपये का निवेश ज़मीनी हकीकत बन गया है। मैदानी राज्य में निवेश लाना और पहाड़ी राज्य में निवेश लाना, पहाड़ चढ़ने से भी ज़्यादा मुश्किल है।

अमित शाह ने कहा कि जब आप घर जाएं तो डायरी में लिख लें कि 2027 तक भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने उत्तराखंड राज्य बनाने की मांग कर रहे आंदोलनकारियों पर अत्याचार किया था, लेकिन हमारे पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने उत्तराखंड का गठन किया। सोने पर सुहागा यह हुआ कि वर्ष 2014 में मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र में सरकार बनी, और जिस उत्तराखंड को अटल जी ने बनाया, उसे अब मोदी जी संवार रहे हैं। गृह मंत्री ने कहा कि मोदी जी ने पिछले 11 वर्षों में कई कीर्तिमान स्थापित किए हैं। एक जमाने में कहते थे कि इन्फ्रास्ट्रक्चर बने और औद्योगिक विकास हो तो गरीबों का कल्याण नहीं हो सकता, मोदी जी ने इस मिथक को तोड़ दिया और अनेक गरीब कल्याण की योजनाए चलाई। जिसके परिणामस्वरूप 25 करोड़ गरीबों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला गया। उन्होंने कहा कि विकसित उत्तराखंड के बिना विकसित भारत का निर्माण संभव नहीं है। जब तक देश के छोटे राज्य और पूर्वी भारत के राज्य आगे नहीं बढ़ते, तब तक देश का संतुलित विकास नहीं हो सकता। इसीलिए मोदी सरकार ने छोटे राज्यों और पूर्वी राज्यों पर विशेष ध्यान दिया है, ताकि देश का विकास संतुलित और समावेशी हो सके।

हैदराबाद-फुकेट एआई एक्सप्रेस उड़ान तकनीकी खराबी के कारण वापस लौटी

हैदराबाद, 19 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद से फुकेट जा रही एअर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान (आईएक्स 110) शनिवार को तकनीकी खराबी के कारण उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद अपने मूल स्थान पर वापस लौट आई।

राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विमान बोइंग 737 मैक्स 8 सुबह 6.57 बजे सुरक्षित रूप से उतर गया जिसमें 98 यात्री सवार थे।

एअर इंडिया एक्सप्रेस के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, हमारा एक विमान तकनीकी समस्या के कारण उड़ान भरने के तुरंत बाद हैदराबाद लौट आया। चालक दल ने अत्यधिक सावधानी बरतते हुए विमान को वापस लेकर आने का निर्णय लिया।

उन्होंने बताया कि एक वैकल्पिक विमान की व्यवस्था की गई और यात्रियों को रवाना किया गया। अधिकारी ने कहा कि देरी के दौरान यात्रियों के लिए जलपान की व्यवस्था की गई।

प्रवक्ता ने कहा, हमें असुविधा के लिए खेद है तथा हम दोहराते हैं कि हमारे परिचालन के प्रत्येक पहलू में सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। फ्लाइटरडार24 डॉट कॉम वेबसाइट के अनुसार, विमान ने सुबह 6.40 बजे उड़ान भरी, लेकिन हैदराबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ मिनट बाद ही वापस आ गया। इसके बाद, विमान ने अपराह्न 1.26 बजे थाईलैंड के फुकेट के लिए दोबारा उड़ान भरी।

भारत की अमूल्य धरोहर गिर को देखने अवश्य आना चाहिए : चौहान

जूनागढ़, 19 जुलाई (एजेंसियां) केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को कहा कि सभी को जीवन में एक बार अवसर निकालकर भारत की अमूल्य धरोहर गुजरात के गिर देखने अवश्य आना चाहिए।

श्री चौहान ने सोशल मीडिया साइट 'एक्स' पर लिखा कि उन्होंने गिर राष्ट्रीय उद्यान में जंगल सफारी का आनन्द लिया। सासन में हमने प्रकृति का शासन देखा। गिर का प्राकृतिक सौंदर्य अद्भुत है और विशेषकर यहां की सफारी की जो पूरी अवधारणा और योजना है, वह बिल्कुल अद्भुत है। गिर की सफारी के अलग-अलग रंग हैं। यहां आसानी से जंगल के राजा बब्बर शेर के दर्शन हो जाते हैं। मोर के नृत्य मन मोह लेते हैं और पक्षियों का कलरव अद्भुत है। यहां की व्यवस्थायें अत्यंत उत्तम हैं। उन्होंने कहा, मैं तो सबसे ही कहना चाहूंगा कि एक बार गिर जरूर आयें।

केंद्रीय मंत्री ने लिखा, आज गुजरात के गौरव, गिर के अद्भुत जंगल में प्रकृति के अलौकिक सौंदर्य को बहुत करीब से अनुभव करने का अवसर प्राप्त हुआ। सफारी के दौरान प्रकृति के अनगिनत रंग देखने को मिले। यहां की जैव विविधता, पेड़ों की प्रजातियां, शेर का राजसी अंदाज, पेड़ों पर तेंदुओं का चढ़ना- बैठना, सब कुछ अभूतपूर्व

था। पक्षियों का मधुर कलरव, घोंसला बनाती चिड़िया और उत्साह से नाचते मोर को देखकर मन झूम उठा।

उन्होंने लिखा कि यहां आकर लगा कि सभी को जीवन में एक बार अवसर निकालकर भारत की इस अमूल्य धरोहर को देखने अवश्य आना चाहिए। यह केवल एक जंगल नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, हमारे गौरव और प्रकृति के साथ हमारे संबंधों का जीवंत प्रतीक है। यहां की अति उत्तम व्यवस्थाओं के लिए प्रबंधन को बधाई।

उल्लेखनीय है कि एशिया में शेरों का एकमात्र निवास स्थान गिर राष्ट्रीय उद्यान गुजरात के जूनागढ़ जिले में स्थित है, जो सासन गिर के नाम से भी जाना जाता है।

मणिपुर में गोला-बारूद का बड़ा जखीरा बरामद

इंफाल 19 जुलाई (एजेंसियां)। मणिपुर में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने और कानून व्यवस्था में सुधार के लिए चलाए गए अभियानों के तहत पुलिस ने गोला बारुद का एक बड़ा जखीरा बरामद करने में सफलता हासिल किया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि काकचिंग जिले के अरोंग नोंग्माइखोंग पुलिस थाना अंतर्गत पुमलेन पट के चिंगजाओ द्वीप क्षेत्र से शुक्रवार को गोला-बारूद का एक बड़ा जखीरा बरामद किया है। उन्होंने बताया कि जब्त किए गए सामान में नौ मिमी गोला-बारूद के 1,406 राउंड, .303 कैलिबर की 125 राउंड गोलियाँ और सात खाली कारतूस शामिल थे।

उन्होंने बताया कि एक अलग अभियान में पुलिस ने बिष्णुपुर जिले के नाम्बोल पुलिस थाना अंतर्गत लीमाराम लमखाई, टिडिम रोड से एक प्रतिबंधित समूह के एक सक्रिय कार्यकर्ता को गिरफ्तार किया। व्यक्ति का नाम बिष्णुपुर के लीमाराम ममंग लेइकाई निवासी अजीतकुमार सिंह उर्फ इनाओतोम्बा है।

इस बीच पुलिस ने थौबल जिले के लिलोंग पुलिस थाना अंतर्गत कालीखोंग तेल पंप के पास दो वाहन चोरों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार व्यक्तियों के नाम मोहम्मद अचौबा और मोहम्मद अब्दुल रजाक हैं। उनके पास से एक मोटरसाइकिल बरामद की गई। दोनों लिलोंग सिरिंथोंग और लिलोंग माखा लेइकाई निवासी हैं।

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव सिंह ने कल चुराचांदपुर और बिष्णुपुर जिलों का दौरा किया। डीजीपी ने जिला पुलिस अधिकारियों, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ), मणिपुर पुलिस सेवा (एमपीएस) के परिवीक्षाधीनों, प्रभारी अधिकारियों (ओसी), कमांडो इकाइयों (सीडीओ) और महिला पुलिसकर्मियों के साथ समीक्षा बैठकें कीं।

डीजीपी ने बिष्णुपुर में आयोजित एक सम्मान समारोह में योग्य अधिकारियों को उनकी उत्कृष्ट सेवा और प्रतिबद्धता के सम्मान में डीजीपी डिस्क और प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किए।

केंद्रीय मंत्रियों ने काजीपेट रेलवे विनिर्माण इकाई का दौरा किया

काजीपेट (तेलंगाना), 19 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने शनिवार, 19 जुलाई, 2025 को अन्य गणमान्य व्यक्तियों और जन प्रतिनिधियों के साथ काजीपेट में रेलवे विनिर्माण इकाई का दौरा किया।

इस अवसर पर दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री संजय कुमार श्रीवास्तव; सिकंदराबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री भरतेश कुमार जैन; दक्षिण मध्य रेलवे के प्रमुख विभागाध्यक्ष और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर श्री अश्विनी

वैष्णव ने मीडिया प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए बताया कि काजीपेट में मेगा रेलवे विनिर्माण इकाई को लगभग 521 करोड़ की लागत से अत्याधुनिक तकनीक के साथ विकसित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस विनिर्माण इकाई का निर्माण कार्य इस वर्ष दिसंबर 2025 तक पूरा हो जाएगा और पूरी परियोजना 2026 के अंत तक पूरी हो जाएगी। माननीय केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस विनिर्माण इकाई की उच्च क्षमता पर संतोष व्यक्त किया, जो कोच, इंजन और मेट्रो ट्रेनों के निर्माण के लिए उपयुक्त रूप से डिज़ाइन की गई है, और विनिर्माण इकाई में काम की प्रगति पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि भारत जल्द ही एक बड़ा रेलवे विनिर्माण और रेलवे उत्पाद निर्यातक देश बन जाएगा।

केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने तेलंगाना राज्य के लोगों के लंबे समय के सपने को पूरा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और माननीय केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि काजीपेट में जल्द ही शुरू होने वाली रेलवे विनिर्माण इकाई अत्याधुनिक तकनीक से बनाई जा रही है। उन्होंने बताया कि यह केवल कोच ही नहीं, बल्कि इंजन भी बनाएगी।

उन्होंने उल्लेख किया कि इस परियोजना से लगभग 3,000 लोगों को प्रत्यक्ष और कुछ अन्य लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। इसके अलावा, उन्होंने बताया कि तेलंगाना राज्य में 40 रेलवे स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकास किया जा रहा है, जिनमें से वारंगल अमृत स्टेशन सहित 3 स्टेशनों का हाल ही में माननीय प्रधानमंत्री ने उद्घाटन किया है।

माननीय केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री और रेल मंत्री के नेतृत्व में तेलंगाना राज्य में रेलवे के बुनियादी ढांचे में अभूतपूर्व विकास हो रहा है, चाहे वह वंदे भारत ट्रेनें हों, विद्युतीकरण हो, नई ट्रेनें हों, या अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत बनाए जा रहे स्टेशन हों।

इससे पहले, केंद्रीय मंत्रियों ने रेलवे विनिर्माण इकाई में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने परियोजना की प्रगति की समीक्षा की और निर्माण स्थल पर सुरक्षा पहलुओं का जायजा लिया।

पश्चिम बंगाल में आतंक की सरकार वहां जंगलराज है : ललन सिंह

पटना, 19 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने शनिवार को पश्चिम बंगाल सरकार की चर्चा करते हुए कहा कि वहां आतंक की सरकार है और जंगलराज है।

उन्होंने पटना के पत्रकारों से वहां जाकर स्थिति देखकर आने की सलाह दी। पटना में पत्रकारों से बातचीत के दौरान टीएमसी नेताओं के प्रधानमंत्री के मां काली और मां लक्ष्मी की शरण में आने वाले बयान पर केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मां दुर्गा, मां काली का नाम लेंगे या जय श्री राम का नाम लेंगे, यह ममता बनर्जी से पूछ कर लेंगे?

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी बड़े सात्विक आदमी हैं, सभी देवी-देवता उनके लिए समान हैं। वे मनोयोग से देश की सेवा कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने कहा, यह ममता बनर्जी सोचें कि पश्चिम बंगाल में क्या हो रहा है? रोज, प्रतिदिन वहां की हालत बिगड़ती जा रही है। आज जो सरकार वहां है, वह सरकार ममता जी की है या तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की है, जो गांव-गांव में हैं?

राजद अध्यक्ष लालू यादव के विकास पर तंज कसने को लेकर केंद्रीय मंत्री ने अपने अंदाज में कहा कि उन्होंने बिहार में इतना विकास किया था कि पूरी सड़क चकाचक थी। उन्होंने कहा कि उस दौर में सड़क का नाम नहीं था, गड्ढा था, बिजली थी ही नहीं, कानून व्यवस्था ऐसी कि छह बजे शाम के बाद कोई निकलना नहीं चाहता था। पूरा अपहरण का उद्योग चल रहा था। वे क्या बोलेंगे?

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के रॉबर्ट वाड्रा का पक्ष लेने को लेकर उन्होंने कहा कि परिवार के जितने सदस्य हैं, सभी घोटाले में फंसे हैं। दिल्ली में जो नेता प्रधानमंत्री बनने का सपना देख रहे हैं, बिहार में जो मुख्यमंत्री बनने का सपना देख रहे हैं, वे सब जमीन के घोटाले में फंसे हुए हैं, इसलिए चिंता छोड़ दीजिए। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि पीएम मोदी के राज में कानून का राज है, कानून सम्मत कार्रवाई होगी और कोई गड़बड़ करेगा तो कार्रवाई निश्चित होगी।

अब एक एनजीओ सिर्फ दो वृद्धाश्रम चला सकेगा

58 जिलों में नए सिरे से टेंडर जारी करेगा समाज कल्याण विभाग

लखनऊ, 19 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी में अब एक एनजीओ सिर्फ दो वृद्धाश्रम ही चला सकेगा। इसके लिए समाज कल्याण विभाग 58 जिलों में नए सिरे से टेंडर जारी करेगा। शासन स्तर पर नियम व शर्तें तैयार हो रही हैं। एक एनजीओ को अधिकतम दो वृद्धाश्रम ही संचालन के लिए दिए जाएंगे।

समाज कल्याण विभाग सभी 75 जिलों में निराश्रित वृद्धों के लिए वृद्धाश्रम संचालित कर रहा है। इसमें उनके रहने, खाने और मनोरंजन की व्यवस्था होती है। आवश्यकता पड़ने पर सरकारी अस्पतालों की मदद से उनके स्वास्थ्य की भी चेकिंग करवाई जाती है। ये वृद्धाश्रम गैर सरकारी संस्थाओं (एनजीओ) के माध्यम से संचालित किए जाते हैं। उन्हें वृद्धों की संख्या के आधार पर भुगतान होता है। वर्तमान में संचालित 58 वृद्धाश्रमों का अनुबंध अक्टूबर में समाप्त हो रहा है। इनके लिए नए सिरे से टेंडर कराया जाएगा। टेंडर देने में उन एनजीओ को प्राथमिकता दी जाएगी, जिन्हें पहले से वृद्धाश्रम चलाने का अनुभव होगा। राज्य या केंद्र सरकार से पुरस्कार प्राप्त एनजीओ को भी वरीयता मिलेगी। यूपी के सभी वृद्धाश्रमों की कुल क्षमता 11250 हैं, लेकिन वर्तमान में इनमें 6500 वृद्ध रहे रहे हैं। विभागीय सूत्रों के मुताबिक्र जब वृद्धाश्रमों में बायोमीट्रिक हाजिरी अनिवार्य की गई तो संख्या में 15-20 प्रतिशत की कमी आ गई। आने वाले समय में बायोमीट्रिक हाजिरी पर और भी अधिक जोर रहेगा। इसे सुबह के नाश्ते, लंच और डिनर के समय अनिवार्य किया जा सकता है।

कश्मीर में दस ठिकानों में सीआईके का तलाश अभियान जारी

श्रीनगर, 19 जुलाई (एजेंसियां) जम्मू कश्मीर पुलिस की आतंकवाद रोधी शाखा का आतंकवाद के एक मामले के सिलसिले में घाटी के कई स्थानों पर तलाश अभियान जारी है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) का कश्मीर घाटी के चार जिलों में 10 स्थानों पर तलाश अभियान जारी है। समन्वित छापेमारी आज सुबह शुरू हुई और यह क्षेत्र

में सक्रिय एक आतंकवादी स्लीपर सेल तथा भर्ती मॉड्यूल की जाँच के तहत की जा रही है। कश्मीर के जिन चार जिलों के 10 ठिकानों पर तलाशी चल रही है उनमें गंदेरबल में छह, बडगाम में दो और श्रीनगर तथा पुलवामा में एक-एक ठिकाना शामिल है। अधिकारियों ने कहा कि यह मामला आतंकवादी गतिविधियों में मदद करने के संदिग्ध व्यक्तियों से संबंधित है, जिसमें आतंकवादी समूहों में भर्ती भी शामिल है। छापेमारी से संबंधित अधिक जानकारी की प्रतीक्षा की जा रही है। अभियान अभी भी जारी है।

बेंगलुरु में हुआ यूपी इंटरनेशनल ट्रेड रोड शो

कर्नाटक के उद्योगपति करेंगे यूपी में निवेश

250 उद्योगपतियों और निर्यातकों ने हिस्सा लिया

लखनऊ/बेंगलुरु, 19 जुलाई। उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो-2025 का तीसरा संस्करण आगामी 25 से 29 सितंबर के बीच इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में आयोजित किया जाएगा।

इसी क्रम में शुक्रवार को बेंगलुरु के विजयनगर स्थित कासिया परिसर में एक भव्य रोड शो का आयोजन किया गया। खाद्य प्रसंस्करण, मशीनरी, इलेक्ट्रॉनिक्स, हस्तशिल्प, परिधान, अरोमा, अगरबत्ती जैसे विविध क्षेत्रों से जुड़े 250 से अधिक उद्योगपतियों और निर्यातकों ने इस रोड शो में भाग लिया। इस रोड शो का उद्देश्य देशभर के उद्योगों को उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो से जोड़ना और एमएसएमई को वैश्विक मंच प्रदान करना था। उत्तर प्रदेश के एमएसएमई, खादी, ग्रामोद्योग, रेशम, हथकरघा एवं वस्त्र मंत्री राकेश सचान ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश अब भारत की विकास गाथा का इंजन बन चुका है।

उत्तर प्रदेश देश का एकमात्र राज्य है जो अंतरराष्ट्रीय ट्रेड शो आयोजित कर रहा है। राज्य में 96 लाख एमएसएमई हैं, जो भारत की कुल संख्या का लगभग 14 प्रतिशत हैं। 75 जिलों में एक जिला, एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना के अंतर्गत कारीगरों को मंच मिल रहा है।

मंत्री राकेश सचान ने एफकेसीसीआई, कासिया, पीनया इंडस्ट्रियल एसोसिएशन, एलयूबी जैसे संगठनों को यूपीआईटीएस 2025 में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया और उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए कई लाभ गिनाए।

उन्होंने प्रदेश में सिंगल विंडो सिस्टम, उद्योग के लिए लैंड बैंक, बेहतर कानून व्यवस्था, 12 एयरपोर्ट्स और एक्सप्रेस-वे नेटवर्क, प्रतिस्पर्धी श्रम लागत जैसी सुविधाओं का विशेष रूप से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि राज्य का लक्ष्य 2029 तक 1 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था बनना है। 40 लाख करोड़ के प्रस्तावित निवेश में से 25 लाख करोड़ के प्रोजेक्ट्स को मंजूरी मिल चुकी है। उन्होंने यूपीआईटीएस-2025 को एक भव्य मंच करारा देते हुए बताया कि इससे 2000 करोड़ का संभावित व्यापार, 2400 से अधिक प्रदर्शक, 1.25 लाख बीटूबी विजिटर्स, 4.5 लाख बीटूसी विजिटर्स, 70 देशों से 550 से अधिक अंतरराष्ट्रीय खरीदार और 35,000 बीटूबी मीटिंग्स होने की उम्मीद है।

रोड शो के दौरान कर्नाटक के प्रतिनिधियों ने भी उत्तर प्रदेश में व्यापारिक गतिविधियों को लेकर उत्साह दिखाया। कर्नाटक एलयूबी के अध्यक्ष एचवीएस कृष्णा ने बताया कि एलयूबी के 75,000 सदस्यों में से 10,000 सदस्य उत्तर प्रदेश से हैं। कासिया के अध्यक्ष बीआर गणेश राव ने कहा कि यूपीआईटीएस लघु और मंझोले उद्योगों के लिए नए बाज़ार खोलता है। एफकेसीसीआई अध्यक्ष एमजी बालकृष्णा ने कहा कि उनकी संस्था उत्तर प्रदेश के साथ पूर्ण सहयोग को तैयार है। पीनया एसोसिएशन के अध्यक्ष दानप्पा डीपी ने कहा कि उनका एसोसिएशन एशिया का सबसे बड़ा एसएमएमई क्लस्टर है और वह इस ट्रेड शो में भाग लेने को उत्साहित है। ईपीसीएच अध्यक्ष डॉ. नीरज खन्ना ने कारीगरों के उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने की जरूरत पर बल दिया तो वहीं आईईएमएल के सीईओ सुदीप सरकार ने डेडिकेटेड बीटूबी जोन, बायर-सेलर मीटिंग्स, ओडीओपी डिस्प्ले और एक्सपोर्ट क्लस्टर जैसी नई विशेषताओं की जानकारी दी।

सरकारी जमीन पर बने अवैध मजार पर चला बुलडोजर

बाराबंकी, 19 जुलाई (एजेंसियां)। बाराबंकी में सरकारी जमीन पर बनी मजार को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया गया। जमीन खाली करा ली गई है। दोबारा किसी भी तरह का अतिक्रमण न करने की हिदायत दी गई है।

मामला सफदरगंज थाना क्षेत्र के नियामतपुर जंगल का है। यहां सरकारी जमीन पर मजार बनी थी। सुबह 7.00 बजे टीम पहुंची। बुलडोजर चलवाकर मजार ध्वस्त करा दी। इसके बाद मिट्टी से मेड़ रखवाकर सरकारी जमीन के घेराबंदी कर दी गई। यह कार्रवाई वन विभाग, राजस्व विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने की।

डीएफओ आकाशदीप बधावन ने बताया कि नियामतपुर के जंगल में कुछ लोगों ने सरकारी भूमि पर मजार का अवैध निर्माण कर लिया था। इसको लेकर पहले कई बार नोटिस जारी किए गए थे। मगर, संबंधित लोगों ने न तो जवाब दिया और न ही निर्माण हटाया। आखिर में प्रशासन को सख्ती दिखानी पड़ी।

एसडीएम, सीओ, राजस्व अधिकारी, वन विभाग और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। जेसीबी मशीन से मजार को जमींदोज कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान कोई विरोध नहीं हुआ। प्रशासन ने जमीन कब्जा मुक्त घोषित कर दिया है। अधिकारियों ने साफ किया कि सरकारी जमीन पर अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

धर्मांतरण के लिए महिला, उसकी बेटी और बहन का अपहरण

लखनऊ, 19 जुलाई (एजेंसियां)। लखनऊ में धर्मांतरण के लिए महिला, उसकी बेटी और बहन का अपहरण का मामला सामने आया है। पुलिस इस मामले में छांगुर गिरोह से कनेक्शन जोड़ रही है। सीतापुर के कमलापुर निवासी सलमान शेख ने मड़ियांव निवासी महिला, उसकी पांच वर्ष की बेटी और बहन का अपहरण कर लिया। महिला के पति का है कि धर्मांतरण के लिए ऐसा किया। उन्होंने मड़ियांव थाने में सलमान के खिलाफ अपहरण व विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम के तहत एफआईआर कराई है। पुलिस आरोपी का छांगुर बाबा से कनेक्शन खंगाल रही है। पीड़ित ने परिवार के साथ अनहोनी की आशंका जताई है।

युवक ने बताया कि उसकी पत्नी की अचानक तबीयत खराब हो गई थी। इस कारण उसने दो माह पहले साली को देखरेख के लिए बुलाया। आरोप लगाया कि सलमान ने उसकी साली को झांसा देकर प्रेम जाल में फंसा रखा था। वह उससे मिलने उनके घर आने लगा। इस दौरान उसने उनकी पत्नी, बेटी और साली को इस्लाम धर्म अपनाने पर कई तरह के प्रलोभन दिए। वह तीनों को अगवा कर ले गया। आरोपी घर में रखे 1.65 लाख रुपए और जेवर भी ले गया है।

सलमान अकसर युवक के घर में मौजूद न रहने पर ही आता था। पीड़ित का कहना है कि उसने कई बार साली को इसके लिए टोका भी, पर वह सलमान को अपना दोस्त बताकर टालमटोल कर देती। आरोप लगाया कि सलमान तीनों को धर्म बदलने पर मोटी रकम मिलने की बात भी कहता था। पत्नी ने जब पीड़ित से इसकी चर्चा की तो उसने इन्कार कर दिया था। युवक का कहना है कि उसे नहीं अंदाजा था कि आरोपी उसके परिवार को भ्रमित कर देगा। पीड़ित का कहना है कि सलमान मंगलवार को तीनों का अपहरण कर भाग निकला। घर पहुंचने पर उन्हें इसकी जानकारी हुई। इसके बाद संभावित स्थानों पर तीनों की खोजबीन की, पर सफलता नहीं मिली।

दो दिन बाद वह थाने पहुंचा और आपबीती बताई। पीड़ित ने बताया कि सभी के फोन बंद हैं। पुलिस के मुताबिक सर्विलांस की मदद से आरोपी की लोकेशन का पता लगाया जा रहा है। आरोपी के साथ और कौन लोग मिले हैं, इसकी जानकारी की जा रही है। इंस्पेक्टर शिवानंद मिश्र ने बताया कि सलमान की तलाश में दबिश दी जा रही है। जल्द उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

दूसरी तरफ, आगरा के सदर क्षेत्र से लापता हुईं दो सगी बहनों के अपहरण के मामले में पुलिस ने कोलकाता के बैरकपुर से दो लोगों को पकड़ा है। उन्हें तीन दिन की ट्रांजिट रिमांड पर लाया जा रहा है। उनके साथ ही ऋषिकेश, बरेली और राजस्थान से एक-एक को पकड़ा है। उन्हें भी पूछताछ के लिए पुलिस ला रही है।

युवतियों के मतांतरण कराने वाले गिरोह में फंसने की आशंका है। सदर की युवतियां 24 मार्च को लापता हुई थीं। मामले में पिता ने थाना सदर में गुमशुदगी दर्ज कराई। इसमें उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर के ऊधमपुर की एक युवती बेटियों का मतांतरण कराकर शादी कराने के लिए बहला-फुसला कर ले गई है। युवती एक बेटी के साथ खंदारी कैंपस में पढ़ती थी। वर्ष 2021 में वह उसको अपने साथ ले गई थी। रास्ते में लैंड स्लाइड हो गया था, तो वो बेटी को वापस ले आई थे। बेटी पूजा-पाठ का विरोध करने लगी थी। दूसरे धर्म की बात करती थी। बड़ी बहन ने छोटी बहन की भी सोच बदल दी। चार मई को पुलिस ने अपहरण की धारा में केस दर्ज कर लिया था।

डीजीपी राजीव कृष्ण के निर्देश पर पुलिस आयुक्त दीपक कुमार ने साइबर थाना, सर्विलांस और एसओजी समेत पुलिस की कई टीमें लगाईं। बाद में पुलिस को बताया गया कि दोनों मतांतरण कराने वाले गिरोह के चंगुल में हैं। इस पर पुलिस टीम कोलकाता के बैरकपुर पहुंची। दोनों बहनों के बारे में जानकारी की। पता चला कि दोनों सुरक्षित हैं। उनकी बरामदगी के प्रयास चल रहे हैं। पुलिस ने कोलकाता के दो लोगों को पकड़ा है। दोनों को कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने तीन दिन की ट्रांजिट रिमांड दी। टीम दोनों को लेकर आगरा आ रही है। उधर एक टीम ने उत्तराखंड के ऋषिकेश स्थित समस्तीपुर में दबिश दी। यहां से एक अन्य को पकड़ा। उसे भी लाया जा रहा है। बरेली और राजस्थान के एक आरोपी को पकड़ा है। कुल पांच आरोपियों को पुलिस ने पकड़ा है।

यूपी में बिजली का निजीकरण के खिलाफ माहौल गर्म

21 जुलाई को जनसुनवाई का विरोध करेंगे कर्मचारी

लखनऊ, 19 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी में बिजली के निजीकरण को लेकर कर्मचारियों का विरोध प्रदर्शन जारी है। अब 21 जुलाई को होने वाली जनसुनवाई का विभाग विरोध कर रहा है। पूर्वांचल एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण का विरोध बढ़ता जा रहा है। बिजली दर की सुनवाई के दौरान कर्मचारी संगठनों के साथ ही उपभोक्ताओं एवं किसानों ने जबरदस्त विरोध किया। अब लखनऊ में 21 जुलाई को होने वाली जनसुनवाई में विरोध की तैयारी शुरू हो गई है। इसे लेकर विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने जनसंपर्क अभियान शुरू कर दिया है। वहीं, उपभोक्ता परिषद तकनीकी बारीकियों पर सवाल खड़े करने की तैयारी में है।

सुनवाई पूरी होने के बाद नियामक आयोग बिजली दरें तय करेगा। इस बार की जनसुनवाई के दौरान वाराणसी से लेकर मेरठ तक निजीकरण को रद्द करने की मांग उठती रही। लखनऊ में होने वाली सुनवाई को लेकर भी विरोध की तैयारी शुरू हो गई है। पूर्वांचल, दक्षिणांचल, पश्चिमांचल, मध्यांचल, केस्को द्वारा विद्युत नियामक आयोग में कुल लगभग 113060 करोड़ का वार्षिक राजस्व आवश्यकता दाखिल किया गया है।

इस वर्ष लगभग 86952 करोड़ की बिजली खरीदी जानी है। प्रदेश सरकार की तरफ से राजकीय सब्सिडी 17511 करोड़ मिलनी है। पावर कारपोरेशन की तरफ से 2025-26 में कुल लगभग 19644 करोड़ का गैप दिखाया गया है। कारपोरेशन ने कुल घाटा करीब 24022 करोड़ प्रस्तावित किया है। ऐसे में बिजली दरों में औसत 28 फीसदी और घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं की दरों में लगभग 45 फीसदी तक की बढ़ोतरी प्रस्तावित की गई है।

वहीं, संघर्ष समिति ने कहा कि पावर कारपोरेशन मनोबल तोड़ने के लिए मनमाने ढंग से उत्पीड़न कर रहा है।

बिजली कर्मियों के घरों पर रियायती बिजली की सुविधा समाप्त करने के लिए स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया शुरू की गई है, जो पूरी तरह से गलत है। वहीं डिजिटल हाजिरी के नाम पर करीब छह हजार से अधिक कार्मिकों का जून माह का वेतन रोक दिया गया है। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि उपभोक्ताओं का निगमों पर बकाया 33122 करोड़ लौटाया जाए।

इसके बाद बिजली दरें बढ़ाने पर विचार होना चाहिए। जब तक उपभोक्ताओं का बकाया नहीं लौटाया जाता है तब तक बिजली दर नहीं बढ़ने दी जाएगी। जिस तरह से जनसुनवाई के दौरान हर वर्ग के लोग निजीकरण का विरोध कर रहे हैं, उसे तत्काल रद्द किया जाए।

यूपी पुलिस ने एक और धर्मांतरण गिरोह का किया भंडाफोड़

आगरा पुलिस ने 6 राज्यों से 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया

लखनऊ, 19 जुलाई (एजेंसियां)। योगी सरकार अवैध धर्मांतरण को लेकर लगातार ताबड़तोड़ कार्रवाई कर रही है। योगी सरकार की पुलिस ने अवैध धर्मांतरण को रैकेट चलाने वाले जलालुद्दीन उर्फ छांगुर के खिलाफ एक्शन के बाद एक और बड़े अवैध धर्मांतरण का रैकेट चलाने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। यह गिरोह प्रदेश में युवतियों को बरगलाकर, प्रलोभन देकर और कट्टरपंथी सोच के जरिए अवैध धर्मांतरण कराने में संलिप्त था। पुलिस ने गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए विभिन्न राज्यों से 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

डीजीपी राजीव कृष्ण ने बताया कि सीएम योगी के निर्देश पर अवैध धर्मांतरण पर रोक लगाने के लिए प्रदेशभर में मिशन अस्मिता चलाया जा रहा है। ऐसे में पुलिस को आगरा से दो सगी बहनों के लापता होने की सूचना मिली। पुलिस ने मामले की जांच कि तो अवैध धर्मांतरण का पूरा खेल सामने आया। जांच में पता चला कि दोनों लड़कियों का ब्रैन वॉश कर अवैध धर्मांतरण किया गया। इसके बाद पुलिस ने मामले की तह तक जाना शुरू किया। इस दौरान कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। डीजीपी ने बताया कि अवैध धर्मांतरण के लिए कनाडा, अमेरिका और दुबई समेत कई देशों से करोड़ों रुपये की अंतरराष्ट्रीय फंडिंग मिली थी, जिसका उपयोग देश में धार्मिक कट्टरता फैलाने और लड़कियों को बहलाकर उनका धर्म परिवर्तन कराने में किया जा रहा था। इनके तौर-तरीके, फंडिंग का दायरा और कार्यशैली आईएसआईएस जैसे वैश्विक आतंकी संगठनों की तर्ज पर ही संचालित होती दिखीं। पुलिस ने जांच के दौरान छह राज्यों से 10 आरोपियों को अरेस्ट किया है, जिसमें एक लड़की भी शामिल है।

डीजीपी ने बताया कि आगरा से लापता लड़कियों के मामले की जांच की कमान पुलिस कमिश्नर दीपक कुमार को दी गयी। इस पर पुलिस कमिश्नर दीपक कुमार ने मामले की जांच के लिए सात टीमें बनायीं। इस दौरान सर्विलांस, साइबर सेल से पुलिस को अहम जानकारियां मिलीं। उसके बाद पुलिस ने छापेमारी शुरू की। वहीं टीम को कोलकाता भेजा गया, जहां आगरा से लापता दोनों सगी बहनों के बारे में जानकारी जुटाने के बाद उन्हे सुरक्षित किया गया।

इसके बाद दोनों बहनों से विभिन्न जानकारी जुटाई गयी। फिर टीम ने 6 अलग-अलग राज्यों में छापेमारी कर 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया। अभी तक की शुरुआती जांच में इस गिरोह के पीएफआई, एसडीपीआाई और पाकिस्तानी आतंकी संगठनों से संबंध होने के संकेत मिले हैं। डीजीपी राजीव कृष्ण ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यूपी पुलिस अपराध और राष्ट्रविरोधी तत्वों के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत पूरी सख्ती से कार्रवाई कर रही है।

डीजीपी ने बताया कि मिशन अस्मिता के तहत इससे पहले भी कई संगठित अवैध धर्मांतरण रैकेट का भंडाफोड़ हो चुका है। इसी मिशन के तहत पहले मोहम्मद उमर गौतम और मुफ्ती जहांगीर आलम कासमी जैसे आरोपी गिरफ्तार किए गए थे, जिन्होंने सैकड़ों लोगों का जबरन या बहला-फुसलाकर धर्मांतरण करवाया था। आगरा प्रकरण में पकड़े गए आरोपी, विशेषकर युवतियों और नाबालिग लड़कियों को प्यार, नौकरी, आर्थिक मदद और धर्म से जुड़ी भ्रांतियों के माध्यम से फंसाते थे। उन्हें पहले भावनात्मक रूप से अपने जाल में फंसाया जाता और फिर दबाव या प्रलोभन के जरिए इस्लाम में धर्मांतरण कराया जाता। इसी कड़ी में हाल में जलालुद्दीन उर्फ छांगुर के अवैध धर्म परिवर्तन के सिंडिकेट का भी पर्दाफाश किया गया। इसमें एसटीएफ और एटीएस की जांच जारी है। यह कार्यपद्धति आईएसआईएस के कट्टरपंथी मॉड्यूल जैसी ही थी। यह गिरोह सोशल मीडिया, डार्क वेब और कुछ मोबाइल ऐप्स के माध्यम से युवाओं को मानसिक रूप से कट्टर बनाकर उन्हें धर्मांतरण के लिए तैयार करता था।

भगवान श्रीकृष्ण विराजमान को प्रतिनिधि सूट बनाने की अर्जी स्वीकार

प्रयागराज, 19 जुलाई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट में श्रीकृष्ण जन्मभूमि मथुरा और शाही ईदगाह विवाद मामले में नया मोड़ आ गया है। न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्र की एकल पीठ ने भगवान श्रीकृष्ण विराजमान और अन्य (सूट नंबर 17) की ओर से दाखिल की गई प्रतिनिधि सूट की अर्जी स्वीकार कर ली।

इलाहाबाद हाईकोर्ट में श्रीकृष्ण जन्मभूमि मथुरा और शाही ईदगाह विवाद मामले में न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्र की एकल पीठ ने भगवान श्रीकृष्ण विराजमान और अन्य (सूट नंबर 17) की ओर से दाखिल की गई प्रतिनिधि सूट की अर्जी स्वीकार कर ली। साथ ही कोर्ट ने कहा वाद में रुचि लेने वाले श्रद्धालु संशोधन अर्जी दाखिल कर सकते हैं। दूसरी ओर कोर्ट के फैसले पर अन्य वादी पक्षों ने असंतोष जताया। उनकी दलील है कि वे स्वयं भगवान श्रीकृष्ण के वंशज हैं और उनका वाद ही प्रतिनिधि वाद बनाया जाना चाहिए।

सुनवाई के दौरान भगवान श्रीकृष्ण लला विराजमान और चार अन्य (सूट नंबर-7) की ओर से अधिवक्ता अजय प्रताप सिंह व अनिल कुमार सिंह ने दावा किया कि भगवान श्रीकृष्ण जादौन क्षत्रिय और उनके वंशज थे। इस कारण उनके वाद को प्रतिनिधि वाद बनाया जाना चाहिए। उन्होंने अपने दावे के समर्थन में एएसआई और कनिंघम की रिपोर्ट का हवाला दिया जिसके अनुसार भगवान कृष्ण के वंशज जादौन क्षत्रिय थे। इसके अलावा ठाकुर केशव देव जी महाराज विराजमान मंदिर कटरा केशवदेव (सूट नंबर 13) के अधिवक्ता महेंद्र प्रताप सिंह ने भी प्रतिनिधि सूट बनाए जाने पर असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने दलील दी कि वे मथुरा के निवासी और भगवान श्रीकृष्ण के वंशज हैं और उन्होंने सबसे पहले वाद दाखिल किया था इसलिए उनके सूट को ही प्रतिनिधि सूट बनाया जाना चाहिए।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट के अधिवक्ता हरेराम त्रिपाठी ने वाद बिंदु तय किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने दलील दी कि जो संशोधन अर्जियां वाद बिंदु तय किए जाने के रास्ते में आ रही हों सिर्फ उनको निस्तारित करते हुए जल्द से जल्द वाद बिंदु तय किया जाना चाहिए। वहीं मुस्लिम पक्ष की अधिवक्ता तस्नीम अहमदी ने कहा कि अब वाद संख्या-17 में जो आदेश पारित हो, वही बाध्यकारी हो। अन्य वादों की कार्रवाई पर रोक लगाई जाए। कोर्ट ने दलीलों को सुनने के बाद अगली तारीख 22 अगस्त निर्धारित की है। इस दिन वाद बिंदु तय होने की भी उम्मीद है। कोर्ट ने पक्षों को सुनने के बाद कहा कि हिंदू एक बड़ा समुदाय है। ये किसी एक देवी, देवता को नहीं मानते हैं। हिंदू समाज विभिन्न देवी, देवताओं में आस्था रखते हैं। कुछ मूर्ति पूजा में विश्वास रखते हैं। कुछ निराकार ईश्वर में विश्वास रखते हैं। हिंदुओं में वैष्णव, शैव, रामानंद, इस्कान समुदाय के लोग दुनिया भर में फैले हुए हैं। नास्तिक, अज्ञेयवादी भी हिंदुओं में आते हैं। कोर्ट ने यह टिप्पणी करते हुए हिंदुओं का प्रतिनिधि मानने के बजाय सिर्फ भगवान कृष्ण के भक्तों के लाभ के लिए वादी की मुस्लिमों के विरुद्ध प्रतिनिधित्व करने को लेकर दाखिल अर्जी स्वीकार कर ली।

ज्यादा शक्कर खाना हो सकता है हानिकारक

अधिक मात्रा में शक्कर का सेवन करने से त्वचा पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। रिसर्च दृारा यह बात सामने आई है कि शक्कर आपकी त्वचा के लिए बिल्कुल भी अच्छी नहीं है,शक्कर त्वचा में मौजूद जल को सोख लेती है और उसे रूखा बना देती है। इससे त्वचा झूलने लगती है। अगर आप ढेरों शक्कर खाती हैं तो उसे बैलेंस करने के लिए ढेर सारा पानी पीना ना भूलें।

काला नमक देता है बड़े फायदे

रोज सुबह काला नमक और पानी मिला कर पीना शुरु करें। इससे आपका ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर,ऊर्जा में सुधार, मोटापा और अन्य तरह की बीमारियां ठीक होंगी। काले नमक में 80 खनिज और जीवन के लिए वे सभी आवश्यक प्राकृतिक तत्व पाए जाते हैं, जो हाइड्रोक्लोरिक एसिड और प्रोटीन को पचाने वाले इंजाइम को उत्तेजित करने में मदद करते हैं। इससे खाया गया भोजन आराम से पच जाता है।

आयुर्वेद से करें गठिया का उपचार

सामान्यतया गठिया रोग 50 साल से अधिक उम्र के लोगों को होता है, लेकिन वर्तमान में इसकी चपेट में युवा ही नहीं बच्चे भी आ रहे हैं। गठिया का रोग यानी आर्थराइटिस से शरीर के जोड़ो में दर्द और सूजन आ जाती है। गठिया रोग अचानक नहीं होता बल्कि धीरे-धीरे फैलता है इसलिए गठिया का सही उपचार जरूरी है। जरूरी नहीं है कि आप गठिया के उपचार के लिए एलोपैथ की शरण में ही जाएं, इसके लिए आप आयुर्वेद का सहारा ले सकते हैं। आयर्वेद के जरिए गठिया के सभी प्रकारों जैसे - रूमेटायड आर्थराइटिस, ऑस्टियो आर्थराइटिस, गाउट, जुवेनाइल आर्थराइटिस और ऐंकलूजिंग स्पोंडीलोसिस आदि का उपचार आसानी से कर सकते हैं। इस लेख में विस्तार से जानिए आयुर्वेद के जरिए गठिया का कैसे कर सकते हैं उपचार। आमतौर पर गठिया होने का प्रमुख कारण आनुवांशिक होता है, लेकिन कई बार किसी भयंकर बीमारी या संक्रमित रोग के कारण भी गठिया रोग हो जाता है। आर्थराइटिस को आयुर्वेद में आम-वात के नाम से जाना जाता है। आयुर्वेद के अनुसार गठिया होने के कारकों में खराब पाचन, खानपान की गलत आदतें और निश्क्रिय जीवनशैली के साथ ही वात दोष को माना गया है।

आयुर्वेद से उपचार

आयुर्वेद में गठिया का पूरी तरह से इलाज किया जाता है न कि सिर्फ दर्द को खत्म करने की कोशिश की जाती है। यानी गठिया का स्थाई इलाज आयुर्वेद में ही संभव है। गठिया का इलाज लंबा होता है। इसीलिए आयुर्वेद में गठिया के इलाज को योजनाबद्ध तरीके से किया जाता है इसलिए पीड़ित की जीवनशैली, रहन-सहन और खानपान आदि पर खास ध्यान दिया जाता है।

उपचार के साथ दिनचर्या

गठिया में सिर्फ आयुर्वेदिक औषधियां ही नहीं बल्कि अच्छी खुराक लेने की सलाह भी दी जाती है। दरअसल, आयुर्वेद के इलाज के दौरान, गठिया के मूल कारणों को खोजने और फिर उसका सही रूप में उपचार करने पर अधिक ध्यान दिया जाता है। यदि किसी व्यक्ति में गठिया रोग वात बिगड़ने और दोषपूर्ण पाचन की वजह से हुआ है तो आयुर्वेद में उसके इलाज स्वरूप रोगी की असंतुलित शारीरिक ऊर्जाओं को शांत करने और पाचन क्षमता बेहतर करने पर ध्यान केन्द्रित किया जाता है।

परहेज भी जरुरी

गठिया के उपचार में जितनी जरूरी इसकी चिकित्सा है, उससे कहीं अधिक जरूरी परहेज भी है। रोगी के लिए विशेष प्रकार के व्यायाम कराए जाते हैं और सप्ताह में एक से दो बार सोने के पहले 25 मिलीलीटर एरंड के तेल का दूध के साथ सेवन कराते हैं। इसके अलावा लक्ष्णों व रोग की गंभीरता के आधार पर उपचार किया जाता है। उपचार के दौरान रोगी को दर्द कम करने के लिए एंटी-रुमेटिक और एंटी-इंफ्लेमेट्री दवाएं दी जाती हैं साथ ही भरपूर आराम करने की सलाह दी जाती है।

उपचार और खानपान

गठिया के मरीजों के लिए खानपान पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी जाती है। अधिक तेल व मिर्च वाले भोजन से परहेज रखें और डाइट में प्रोटीन की अधिकता वाली चीजें न लें। भोजन में बथुआ, मेथी, सरसों का साग, पालक, हरी सब्जियां, मूंग, मसूर, परवल, तोरई, लौकी, अंगूर, अनार, पपीता, आदि का सेवन करें। इसके अलावा नियमित रूप से लहसुन व अदरक आदि का सेवन भी इसके उपचार में फायदेमंद है। अर्थराइटिस के इलाज के लिए इम्यून सिस्टम का मजबूत होना बेहद आवश्यक है, साथ ही पाचन तंत्र का भी बेहतर होना जरूरी है। इसलिए नियमित व्यायाम के साथ खानपान का विशेष ध्यान रखें।

क्या आप भी अपने बच्चे को बैठाते हैं वॉकर में?

वॉकर पर बैठे शिशु को इधर-उधर तेज गति से चलते हुए देखकर हर माता-पिता का मन प्रफुल्लित हो उठता है। वॉकर के बारे में ज्यादातर माता-पिता की यह धारणा है कि वॉकर के सहारे शिशु न केवल शीघ्र चलना सीख लेगा, बल्कि उसका शारीरिक विकास भी होगा। अगर आप भी ऐसा सोचते हैं तो अलर्ट हो जाए, क्योंकि इस संबंध में जो शोध हुए है उसके अनुसार वॉकर शिशु के विकास को मन्द करता है। यह देखने में आया है कि शिशु के लिए वॉकर का प्रयोग माता-पिता कुछ सीमा तक अपनी सुविधा के लिए करते हैं। यह जानते हुए भी कि शिशु अभी ढंग से बैठना या घुटने के बल रेंगना या चलना नहीं सीखा है। आपको बता दें जिन शिशुओं की उम्र 2 वर्ष से कम है उनके वॉकर की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जा सकती है।

शिशुओं के एक वृहद समूह के लिए वॉकर का प्रयोग करने व नहीं करने वाले सम्मिलित है, इसका अध्ययन उनके शारीरिक संचारण और मानसिक विकास को लेकर किया गया था।

अनुसंधान में यह उजागर हुआ कि 6 से 15 माह के 109 शिशुओं में से जिन 56 शिशुओं को वॉकर दिया गया था, वो शारीरिक संचारण और मानसिक विकास के मापदंडों जैसे बैठना, रेंगना, चलना शामिल है में बिना वॉकर के 53 शिशुओं से तुलना में काफी पीछे रहे। इस अध्ययन से यह तथ्य सामने आया कि जो शिशु ने वॉकर का प्रयोग नहीं किया था। वो औसतन पांच माह की उम्र में बैठना, आठ माह में घुटने के बल रेंगना और दस माह की उम्र में चलने लायक हो गया था।

क्या कहता है शोध

शोधकर्ताओं के अनुसार शिशु घर के परिवेश में चल फिर कर बहुत सी वस्तुओं की खोज कर काफी कुछ सीखता है। वह किसी चीज या वस्तु को गिराकर फैंक कर उसको प्राप्त करने के लिए हर तरह की शारीरिक क्रिया करता है, जो कि वॉकर पर बैठे शिशु के लिए संभव नहीं हो पाता है और ऐसी परिस्थिति में वह अपने स्तर पर अनुसंधान/खोज नहीं कर पाता, जिसके फलस्वरूप उसके ज्ञान और बुद्धि का विकास भी नहीं हो पाता है।

वॉकर के कुप्रभाव

चाइल्ड स्पेशलिस्टस की मानें तो वॉकर के उपयोग में बच्चे के चोट लगने की संभावना रहती है। सामान्य बच्चों की तुलना में वॉकर का उपयोग करने वाले बच्चे सिढियां चढ़ने व उतरने में दिक्कत करते है और गिरने की संभावना ज्यादा रहती है। वॉकर की वजह से हैड इंजरी व मौत तक हो सकती है। अन्य प्रकार की चोटें जैसे फ्रैक्चर, केमिकल्स व जहरीले तरल पदार्थों को पी लेना, पानी का पौंड में डूब जाना शामिल है, होने की संभावना रहती है। एक साल से कम उम्र के बच्चे जिनकी टांगों में वजन झेलने की क्षमता कम होती है, वॉकर में खड़े होने से और टांगों पर जोर पड़ने से गोल मुड़ (बो-लेग्स) जाती है।

मेकअप उतारने के लिए लगाएं बादाम तेल

कई लड़कियों को आंखों पर लगा हुआ काजर और मस्कारा उतारने में थोड़ा समय लगता है। दुनिया की बहुत सी लड़कियों ने आंखों के मेकअप को उतारने के लिए बादाम तेल का इस्तेमाल किया है, जिससे उनका मेकअप बिना महनत किए ही उतर जाता है। बादाम तेल में बिल्कुल भी कैमिकल नहीं होता, जिससे त्वचा पर कोई बुरा असर पड़े। यह चेहरे पर कोमलता का एहसास छोड़ जाता है। इसे चेहरे या आंखों पर लगाने से यह त्वचा से आराम से छूट भी जाता है और बिल्कुल भी नहीं चिपचिपाता।

बादाम का तेल लगाने का तरीका

अपनी उंगलियों पर जरुरत भर का तेल ले कर पूरे चेहरे तथा आंखों पर लगाएं। फिर एक कॉटन बॉल ले कर उसमें गुलाब जल डाल कर चेहरे से एक्सट्रा ऑइल साफ करें।

थोड़ा सा और तेल ले कर आंखों से मस्कारा और आइलाइनर छुड़ा लें। एक बार मेकअप साफ कर लेने के बाद चेहरे को हल्के गरम पानी से धो लें।

चेहरे पर बादाम का तेल लगाने से ना केवल मेकअप साफ होता है, बल्कि चेहरे पर चमक भी आ जाती है। तो अब से बाजारू मेकअप रिमूवर ना खरीद कर बादाम तेल का ही प्रयोग करें।

जानें क्या होते हैं फ्रेकल्स

फ्रेकल्स त्वचा पर होने वाले एक प्रकार के दाग हैं। जो आकार में छोटे, चपटे तथा लाल या भूरे रंग धब्बे होते हैं। यह एक आम समस्या है। यह समस्या आमतौर पर लोगों में पाई जाती हैं और पूरी तरह नुकसानरहित होती हैं। हल्के रंग की त्वचा वाले लोगों में ये ज्यादा पाए जाते हैं क्योंकि उनमें त्वचा को सूर्य किरणों से होने वाले नुकसान से बचाने वाला केमिकल मैलेनिन (त्वचा सेल्स द्वारा उत्पन्न) कम मात्रा में होता है। त्वचा में मैलेनिन के असमान वितरण के कारण ही फ्रेकल्स उत्पन्न होते हैं। किसी एक जगह पर मैलेनिन का अत्यधिक बनना भी फ्रेकल्स बना देता है। फ्रेकल्स अधिक देर तक धूप में रहने का परिणाम हैं जो सूर्य की किरणों से ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों के लोगों में आम पाए जाते हैं। फ्रेकल्स आमतौर से चेहरे, कंधों और बांहों पर पाए जाते हैं। इस लेख को पढ़ें और फ्रेकल्स के बारे में विस्तार से जानें।

फ्रेकल्स के लक्षण: फ्रेकल्स किसी एक धब्बे या गुच्छों के रूप में भी अनियमित विकसित होते हैं, गुच्छों में होने के कारण यह त्वचा पर बहुतायत में देखे जा सकता हैं।

आनुवंशिकी कारण: फ्रेकल्स आनुवांशिक कारणों से भी आपकी त्वचा पर हो सकते है। यानी आपके परिवार में किसी को फ्रेकल्स हों तो आपको भी होने के चांस बढ़ जाते हैं।

धूप भी कारण: धूप में ज्यादा रहने से त्वचा को अधिक मैलेनिन बनाना होता है ताकि सूर्य की हानिकारक किरणों से रक्षा की जा सके। किन्हीं हिस्सों पर मैलेनिन का इस तरह बनना या मैलेनिन का असमान वितरण फ्रेकल्स बना सकता है।

फ्रेकल्स के जोखिम कारण: गोरे रंग के लोगों में फ्रेकल्स होने की आशंका अधिक रहती है क्योंकि ऐसी त्वचा में मैलेनिन कम होता है और यह (धूप में)आसानी से झुलस सकती है।

फ्रेकल्स का उपचार

अधिकतर मामलों में फ्रेकल्स हानिरहित होते हैं और कॉस्मेटिक कारणों को छोड़ दें तो इनका उपचार आवश्यक नहीं होता। त्वचा टोन की रिसेम्बलिंग हेतु एक जैसी टोन लाने के लिए फ्रेकल्स को हल्का करने हेतु ब्लीचिंग क्रीम का उपयोग किया जा सकता है। हालांकि यह प्रभावित त्वचा को असमान बना सकती है और रैशेज की वजह भी बन सकती है। लेजर ट्रीटमेंट या इन्टेन्स पल्सड लाइट थेरेपी पिगमेंटेशन को खत्म कर सकती है लेकिन परिणाम भिन्न हो सकते हैं और अनेक सिटिंग की जरूरत हो सकती है। क्रायोथेरेपी या तरल नाईट्रोजन द्वारा फ्रीजिंग। केमिकल पील्स।

फ्रेकल्स की रोकथाम

चूंकि गोरी त्वचा वाले लोगों को आसानी से फ्रेकल्स हो जाते हैं और सूरज की धूप से त्वचा का निरंतर अत्यधिक क्षतिग्रस्त होना आपके लिए त्वचा कैंसर होने के चांस बढ़ा सकता है। इसलिए रोकथाम के उपाय अपनाए जाने की जरूरत होती है। फ्रेकल्स ऐसी त्वचा का लक्षण है जो आसानी से सनबर्न का शिकार हो सकती है जिससे आगे चलकर त्वचा कैंसर हो सकता है। कम से कम 30 एसपीएफ वाली सनस्क्रीन इस्तेमाल करें और फिर उपयोग संबंधी लेबल निर्देशों का पालन करें। ज्यादा देर तक धूप में रहने से बचें।

बारिश में सेहतमंद बनाता है अदरक

बारिश के दिनों में भीगने का मजा ही कुछ और है। बाद में सर्दी होने से सारा मजा किरकिरा हो जाता है। इस दौरान चाय और भोजन में उपयोग किया जाने वाला अदरक आपके लिए रामबाण साबित हो सकता है। इसके सूखे हुए स्वरूप को सोंठ कहा जाता है।

अदरक के सेवन से आपकी स्वास्थ्य संबंधी आधी से ज्यादा समस्याएं चुटकियों में दूर हो सकती हैं। इसका इस्तेमाल हालांकि सालभर किया जाता है, लेकिन बरसात में अपनी डाइट चार्ट में इसको शामिल कर अदरक के कमाल के गुणों का लाभ आप उठा सकते हैं...

बरसात में सर्दी, जुकाम, कफ की समस्या होना आम बात है। इस दौरान गर्मागर्म अदरक का काढ़ा या चाय बेहद लाभ देती है। इसके अलावा अदरक का सेवन तनाव कम करने और थकान दूर करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अलावा गले में इंफेक्शन या दर्द होने पर अदरक और काले नमक का एक साथ सेवन जल्द राहत पहुंचाता है।

खूबसूरती निखारता है अदरक

अदरक स्वाद के साथ ही खूबसूरती भी निखारता है। इसके लेप से त्वचा के दाग मिटने के साथ ही झुर्रियां भी कम होती हैं। जोड़ों के दर्द में भी यह फायदेमंद है। बस आपको दर्द वाली जगह पर अदरक का गर्म लेप लगाना है, इससे काफी फायदा मिलता है। इसके अलावा अमीबिक पेचिश, गठिया, साइटिका जैसी बीमारियों का इलाज भी अदरक में छिपा हुआ है।

श्वास संबंधी रोग में फायदेमंद

आपको बता दें अदरक की गर्म तासीर होने के कारण सांस संबंधी तकलीफ होने पर काफी फायदा मिलता है। नहीं रहेगी अपच की समस्या अदरक पाचन क्रिया को बेहतर करता है। अगर आपको भूख नहीं लग रही है या फिर उदरशूल की समस्या है, तब अदरक आपकी समस्या से छुटकारा दिला सकता है। जी मचलाना या अपच जैसी समस्याओं में भी अदरक बेहद लाभदायक है।

महिलाओं की समस्याएं होगीं दूर

आपको जानकर आश्चर्य होगा कि महिलाओं में मासिक धर्म की अनियमितता और दर्द में भी अदरक के सेवन से निजात मिलती है। इसके अलावा गर्भाशय के कैंसर, डाइबिटीज और ह्दय रोगियों को भी अदरक का सेवन नियमित रूप से करना चाहिए।

रेसिपी

ओटस् रवा इडली

सामग्री

1/2 कप ओट्स का आटा, 1/2 कप सूजी, 1/2 कप ताजा दही, 2 टी-स्पून धी, 1/2 टी-स्पून सरसों, 1 टी-स्पून जीरा, 1/2 टी-स्पून हिंग, 1/2 टी-स्पून कसा हुआ अदरक, 2 टेबल-स्पून मोटे कटे हुए काजू, 2 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 1 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ धनिया, नमक, स्वाद अनुसार, 1/2 टी-स्पून फ्रूट सॉल्ट, **चुपड़ने के लिए:** तेल, **परोसने के लिए:** सांभर, नारियल की चटनी

विधि

ओट्स का आटा, सुजी, दही और ¾ कप पानी को एक गहरे बर्तन में मिलाइए और 30 मिनट के लिए एक तरफ रख दीजिए। एक छोटे नॉन-स्टिक पैन में धी गरम करें और उसमे सरसों डालिए। जब सरसों चटखने लगे, तब उसमे जीरा और हिंग डाले और मध्यम आंच पर कुछ सेकेंड भुनिए। अब इस तड़के को बाकी बची सामग्री, सिवाय फ्रूट सॉल्ट के, ओट्स और सुजी के मिश्रण के साथ मिलाइए। स्टिम करने से पहले, मिश्रण पर फ्रूट सॉल्ट डाले और उपर से 2 टी-स्पून पानी डाले। बुलबुले आना शूरु हो, तब उसे धीरे से मिलाइए। इडली पात्र को तेल लगाइए और उसमे मिश्रण डालकर स्टिमर में 7 से 8 मिनट इडली पकने तक स्टिम कीजिए। थोड़ा सा ठंडा करें और पात्र से निकाल कर सांभर और नारियल की चटनी के साथ तुरंत परोसे।

पनीर पीटा पॉकिट्ज

सामग्री

पीटा ब्रैड: 3/4 कप संपूर्ण गेहूं का आटा, 3/4 स्पून दरदरा ताज़ा खमीर, 1/2 स्पून शक्कर, नमक, 1/2 स्पून तेल गूंधने के लिए, 2 स्पून तेल, 1 स्पून नींबू का रस, 12 मिलीमीटर (1/2) का टुकड़ा कसा हुआ अदरक, नमक , स्वाद अनुसार, 2 स्पून कटा हरा धनिया, 1 स्पून बहुत बारीककटा लहसुन, **पनीर कोलस्लो:** 1/2 कप 12 मिमी. (1/2) के चकोर टुकडो में कटा पनीर, 1 कप कतरी हुई बंद गोभी, 1/2 कप कसी गाजर, 1/2 कप अंडारहित मेयोनीज, 1/2 टी-स्पून सरसों का पाउडर, 1 से 2 टी-स्पून नींबू का रस, नमक तथा ताजी पिसी काली मिर्च , स्वाद अनुसार

विधि

पीटा ब्रैड के लिए: सारी सामग्री को एक बाउल में डालकर पर्याप्त पानी की सहायता से नरम और इलास्टिक जैसा गूंध लीजिए। थोड़ा तेल डालिए और वापस गूंधिए। मलमल के गीले कपड़े से 10 से 20 मिनट तक ढक कर रख दीजिए जब तक फूलकर दुगना नही हो जाता। आटे को हल्के हाथ से दबाइए ताकि सारी हवा बाहर निकल जाए। आटे को 4 बराबर भागो में बांटिए। आटे के प्रत्येक भाग को 100मिमी. (4) व्यास और 6 मिमी. (द) मोटी रोटी के रूप में बेलिए। पीटा ब्रैड को मध्यम आंच पर गरम तवे पर दरारे पड़ने और फूलने तक थोड़ा सा सेकिए पीटा ब्रैड को 2 भागो में काटिए और एक तरफ रख दीजिए। **पनीर कोलस्लो के लिए:** एक बाउल में पनीर और मॅरीनेड को डालकर हल्के हाथें से मिलाइए और 20 मिनट के लिए एक तरफ रख दीजिए। शेष बची सामग्री डालकर हल्के हाथों से मिलाइए और फ्रिज में रख दीजिए। कोलस्लो को 4 बराबर भागो में बांटिए और एक तरफ रख दीजिए।

कविता

बारिश का मौसम

बारिश का सुहाना मौसम
जब भी आ जाता है
गर्मी से मिल जाती राहत
हर चेहरा खिल जाता है।
काली घटाएं जब छाती हैं
सबके मन को ये भाती हैं
पड़ती हैं जब ठंडी फुहारें
लातीं अपने संग बहारें।
बारिश की रिमझिम में नहाना
फिर कागज की नाव बनाना
नावों को पानी में बहाना
उछल-उछल कर शोर मचाना।
कोयल की मीठी-सी बोली
वो इंद्रधनुष के बहके रंग
मोर-पपीहे नाच उठें तब
गाएं सब बारिश के संग।
सौंधी-सौंधी खुशबू मिट्टी की
बिखरा देती है यह बारिश
मस्ती के इस आलम को
महका देती है यह बारिश।

मां की ममता

हीरा एक बहुत ही बहादुर औरत थी। यह बात शिवाजी महाराज के समय की है। हीरा उन्हीं के राज्य के एक गांव में रहती थी। वह तड़के और दिन के तीसरे पहर रायगढ़ किले के लोगों को दूध बेचने जाती थी। इस दौरान उसका बच्चा उसकी सास के पास ही रहता था।

एक दिन किले में नाच-गाने का कार्यक्रम हो रहा था, जिसे देखने बहुत से लोग आए हुए थे। हीरा भी दूध बेचने के बाद वह कार्यक्रम देखने के लिए बैठ गई। वह उस कार्यक्रम में इतनी डूब गई कि उसे समय का पता ही नहीं चला।

किले का द्वार बंद हो चुका था। वह किले के अंदर ही बंद हो गई थी। वह बहुत दुखी हुई। उसे बार-बार अपने बच्चे की याद आ रही थी। वह जल्दी से जल्दी घर पहुंचना चाहती थी। इसलिए उसने किले की दीवार का मुआयना किया और देखा कि दीवार को फांद कर किले से बाहर निकला जा सकता है। ऐसा करना खतरनाक था, पर उसे तो घर जाना था।

हीरा ने एक पल की देरी किए बिना झट से दीवार फांदी, लेकिन उसे अभी पहाड़ी भी पार करनी थी। वह संभल-संभल कर पहाड़ी पार करने लगी कि अचानक उसका पांव फिसला और वह जोर से चीखी, 'हे भगवान! मुझे बचा लो।' वह पहाड़ी से गिरती हुई अचानक एक पेड़ से अटक गई और जैसे-तैसे पहाड़ी से नीचे उतरी और घर की ओर भागी।

अगली सुबह जब वह रोजाना की तरह दूध बेचने के लिए रायगढ़ पहुंची, तो द्वारपाल उसे देखकर हैरान रह गए और पूछने लगे, 'तुम तो कल किले के अंदर रह गई थी। बाहर कैसे निकली।' हीरा ने उन्हें सारी घटना बता दी। इस पर वे हीरा को शिवा जी महाराज के पास ले गए और सारी बात बताई।

शिवाजी ने हीरा से वह जगह दिखाने को कहा जहां से वह किले से बाहर गई थी। हीरा ने शिवा जी को किले की दीवार दिखाई। शिवा जी दीवार के पास गए और गौर से देखा। उन्होंने हीरा को दीवार पर चढ़ने के लिए कहा।

हीरा ने उनकी आज्ञानुसार दीवार पर चढ़ना शुरू कर दिया और देखते ही देखते वह ऊंची दीवार पर पहुंच गई। पर जब उसने नीचे झांका, तो गहरी घाटियां देखकर डर गई। वह झटफट दीवार से नीचे उतर कर आ गई और शिवा जी से बोली, 'महाराज! मैं दीवार के उस पार नहीं जा सकती।' शिवा जी ने कहा, 'कल रात तो तुमने यह दीवार और गहरी घाटियां झट से पार कर लीं थीं और अब क्या मुश्किल है?'

इस पर वह बोली, 'महाराज, मेरा बच्चा भूखा होगा- यह सोचकर मैंने आनन-फानन में दीवार और घाटियां पार कर लीं, पर अब इन्हें पार करना बेहद ही मुश्किल है।'

शिवा जी ने सारी बात सुनकर कहा, 'हीरा, तुम ऐसी बहुत बहादुर मां हो, जिसने हर मुश्किल को आसान किया और अपने बच्चे के पास पहुंच गई।' तुम जैसी माताओं के सम्मान में राज्य में एक बुर्ज बनेगा, जिसका नाम तुम्हारे नाम पर रखा जाएगा। आज भी रायगढ़ में हीरा बुर्ज है, जो बच्चों के प्रति ममता भाव रखने वाली हीरा के समर्पित है।

अंतर ढूंढो

चींचू मॉम अपने बेबी टिन्नी को लेकर सैर पर निकली हैं। ये दोनों तस्वीरें दो अलग-अलग दिन ही हैं। दोनों दिन में कुछ ता अंतर हुआ ही होगा। खैर, हमें तो पांच अंतर दिख रहे हैं, आप भी तलाशिए जरा पांच अंतर इनमें। तो हम भी जानें कि कितनी तेज हैं आपकी नजरें।

बरसात की सजा

काले-काले बदरा जब बरसते हैं तो हर किसी का मन करता है इसमें भीगने का, सो डमडम खरगोश भी भीग लिया। इस मजे के बाद क्या मिली उसे सजा ये जानने के लिए पढ़िए पूरी कहानी...

सूरज आग बरसा रहा था। मारे गर्मी के जान निकली जा रही थी।

सबने घरों में लगे हुए बिजली के पंखे पूरी रफ्तार से चलाए हुए थे। पर पंखे की हवा भी इतनी गर्म थी कि मानों अभी मक्के के दानों की तरह भुन जाएंगे।

डमडम खरगोश अपने कमरे में बैठा गणित के सवाल हल कर रहा था। बेचारे का बहुत बुरा हाल था। जब कापी पर लिखने लगता तो हाथों पर आए पसीने से कापी के कागज खराब हो जाते। उसका मन चाह रहा था कि पढ़ाई-लिखाई बंद करके नल के नीचे बैठा रहे। पर बगैर पढ़ाई-लिखाई के कहीं गुजारा भी नहीं होता है न। इसलिए वह जैसे-तैसे पढ़ने का प्रयत्न कर रहा था।

पर उसी समय काफी दूर से बादलों का एक छोटा-सा टुकड़ा सैर करते हुए दिखाई पड़ा और देखते ही देखते सारा आकाश बादलों से ढक गया।

ठंडी-ठंडी हवा चलने लगी। सबने चैन की सांस ली। जब ठंडी-ठंडी हवा के झोंके डमडम के कमरे में भी आने लगे तो वह झटपट बाहर गली में निकल आया। इतने में उसके अन्य साथी भी आ गए और सब मिलकर गुल्ली डंडा खेलने लगे।

गुल्ली डंडे का खेल अभी जम भी नहीं पाया था कि बारिश शुरू हो गई। पहले धीरे-धीरे, फिर एकदम मूसलाधार। गुल्ली डंडे का खेल बंद हो गया। सभी बारिश में नहाने लगे और खूब उछलने-कूदने लगे।

कुछ समय पश्चात डमडम की मां ने उसे पुकारा- 'डमडम बेटे, बस करो। बारिश में ज्यादा नहाना ठीक नहीं होता, ठंड लग जाएगी।'

पर डमडम ने मां की बात सुनी-अनसुनी कर दी। थोड़ी देर बाद डमडम के मित्रों की माताओं ने भी उन्हें पुकारा। वे सब उसी समय अपने घर चल दिए। पर डमडम नहीं गया। वह अकेला ही बारिश में नहाता रहा। डमडम की मां ने उसे बहुत बुलाया फिर भी कोई असर नहीं हुआ। वो भीगता रहा।

बहुत देर बाद जब वह घर लौटा तो बुरी तरह कांप रहा था। मां ने फटाफट उसके कपड़ें बदले और रजाई देकर चारपाई पर लिटा दिया। फिर झटपट चाय बना कर उसे पिलाई। पर डमडम मारे ठंड के कांप रहा था, उसके दांत किटकिटा रहे थे।

उसके शरीर में दर्द होने लगा। और फिर धीरे-धीरे उसका शरीर तपने लगा।

मां ने झटपट डॉक्टर लंगूर को फोन करके कहा कि डमडम की तबीयत बहुत ख़राब है और वह जल्दी आकर उसे देख लें।

थोड़ी देर बाद लंगूर भी वहां आ पहुंचे। उन्होंने डमडम की नब्ज देखी। उसे बहुत तेज बुखार था। उसका तापमान सामान्य करने के लिए इंजेक्शन लगाने की सलाह दी और झट से इंजेक्शन लगाने की तैयारी करने लगे। जैसे ही डमडम की बाजू में इंजेक्शन चुभी, वह चीख पड़ा- 'हाय, मैं मर गया। मुझे इंजेक्शन नहीं लगवाना।' पर डॉक्टर लंगूर ने उसकी एक न सुनी और इंजेक्शन लगा ही दिया। इसके बाद उन्होंने एक बहुत ही कड़वी दवाई डमडम को पीने के लिए दिया।

एक घूंट पीते ही उसका मुंह कड़वा हो गया। मुंह बनाते हुए बोला 'मैं यह दवाई नहीं पीऊंगा।'

'क्यों नहीं पीएगा?' डॉक्टर लंगूर ने कहा।

'बहुत कड़वी है यह।' डमडम ने जवाब दिया।

'तुम्हें बारिश में नहाने को किसने कहा था?' डॉक्टर लंगूर ने पूछा।

'किसी ने भी नहीं।'

'जब तुम्हारी मां ने तुम्हें पुकारा था तो घर क्यों नहीं आए?' डॉक्टर लंगूर ने फिर पूछा।

डमडम चुप रहा। क्या जवाब देता?

डॉक्टर लंगूर ने दवाई का प्याला उसके मुंह से लगा दिया। बोले-'तुमने अपनी मां का कहना नहीं माना। इसलिए, ये सजा तो भुगतनी ही पड़ेगी।'

डमडम न चाहते हुए भी दवाई के घूंट भरने लगा, आखिर दोष तो उसी का था।

पर उसने अपने मन में दृढ़ निश्चय कर लिया था कि आगे से वह अपनी मां की हर बात माना करेगा।

बूझो तो जानें

1. हैरी पॉटर सीरीज की अंतिम फिल्म का नाम बताइए।
2. रफेल नडाल की नंबर वन टैनिस प्लेयर के रूप में बादशाहत किसने खत्म की?
3. भारत रत्न हेतु शामिल की गई नई कैटेगरी कौन सी है?
4. राइट टू सर्विस एक्ट लागू करने वाला पहला भारतीय राज्य कौन सा है?
5. समोआ देश किस महाद्वीप में स्थित है?
6. फीफा के अध्यक्ष का नाम क्या है?
7. हिना रब्बानी किस देश की पहली महिला विदेश मंत्री हैं?
8. टोक्यो से पहले जापान की राजधानी क्या थी?
9. राष्ट्रीय पर्यटन दिवस कब मनाया जाता है?
10. हूमायूं की पत्नी कौन थी?
11. पहला विश्व हिन्दी सम्मेलन कहां हुआ था?
12. हांगकांग कितने द्वीपों पर बसा है?
13. वी अंडरस्टैंड योर वर्ल्ड किस बैंक की पंच लाइन है?
14. केंद्रीय एगमार्क प्रयोगशाला कहां है?
15. भारतीय सेना के कितने अधिकारियों को मार्शल की उपाधि दी गई है?

1.हैरी पॉटर एंड द डेथली हैलोज-2 2. नोवाक जोकोविक 3. खेल 4. पंजाब 5.ऑस्ट्रेलिया 6.सेप ब्लैटर 7. पाकिस्तान 8.क्यातो 9.25 जनवरी 10.हाजी बेगम 11.नागपुर 12.260 13. एचडीएफसी 14. नागपुर 15.तीन

रंग भरो

ग्रे क्राउंड क्रेन

सिर पर ताज होना कितना अच्छा होता है। जिनके सिर पर ताज होता है वे पक्षी खास होते हैं। ग्रे क्राउंड क्रेन के सिर पर भी बहुत खूबसूरत ताज है, इसी कारण यह पूर्व अफ्रीका के देश युगांडा का राष्ट्रीय पक्षी है...

कैसे होते हैं?

यह भूरे रंग का पक्षी है जिसके पंख सफेद होते हैं। इसके सिर पर सुनहरे रंग के पर होते हैं, जो ताज जैसे दिखते हैं। सुनहरी पंख ग्रे क्राउंड क्रेन को क्रेन फैमली से भिन्न बनाते हैं। इसके पांव काले रंग के होते हैं। चोंच छोटी और गहरे भूरे रंग की होती है। इनकी उम्र 22 साल होती है। अफ्रीका के लोग और क्रेन शांतिपूर्वक इकट्ठे रहते हैं।

कहां पाए जाते हैं?

ये ताज वाले क्रेन पूर्वी और दक्षिणी अफ्रीका से पूर्वी जाएरा, युगांडा, केन्या और दक्षिणी अफ्रीका में पाए जाते हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार ग्रे क्राउंड क्रेन की करीब 11 प्रजातियां कई सदियों पूर्व यूरोप और उत्तरी अमेरिका में भी पाई जातीं थीं, लेकिन जैसे-जैसे वहां मौसम सर्द होता गया, वे वहां से लुप्त होते गए। अब ये सिर्फ अफ्रीका के गर्म क्षेत्रों में ही पाए जाते हैं।

कहां रहते हैं?

क्रेन बरसाती इलाकों के घास के मैदानों के आस-पास रहना पसंद करते हैं। ये खेतों के आस-पास भी पाए जाते हैं। ग्रे क्राउंड क्रेन, क्रेन प्रजाति में ऐसा अकेला पक्षी है, जो अपना घोंसला पेड़ों पर बनाता है।

क्या खाते हैं?

ये सर्वभक्षी होते हैं, यानी घास, बीज और छोटे-छोटे कीड़ों को भी खा लेते हैं। ये सोयाबीन और मक्के के खेतों के आस-पास मंडराते रहते हैं, क्योंकि इनके दाने खाना इन्हें बहुत पसंद होता है।

मंडराता खतरा

ग्रे क्राउंड क्रेन की संख्या पिछले कुछ सालों में बहुत ही कम हो गई है। इन्हें सबसे ज्यादा खतरा प्राकृतिक वातावरण के बदलाव के कारण हो रहा है। अगर समय रहते इस ओर ध्यान नहीं दिया गया तो इस सुंदर पक्षी की प्रजाति संसार से लुप्त हो जाएगी।

राष्ट्रीय पक्षी

यह पूर्वी अफ्रीका के देश युगांडा का राष्ट्रीय पक्षी है। युगांडा के राष्ट्रीय झंडे पर भी ग्रे क्राउंड क्रेन बना हुआ है। युगांडा, केन्या, सुडान, कांगो, रवांडा और तंजानिया से घिरा है और यहां पानी के स्त्रोतों की अधिकता है इसलिए ये यहां रहना पसंद करते हैं।

नेपाल से प्रतिदिन 2300 युवाओं का विदेश पलायन

काठमांडू,19 जुलाई (एजेंसियां) ।

नेपाल के युवाओं का विदेश पलायन की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक नेपाल से प्रतिदिन औसतन 2300 युवा रोजगार के लिए विदेश जा रहे हैं। नेपाल सरकार के श्रम तथा रोजगार मंत्रालय के अंतर्गत आते है।

रोजगार विभाग के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2024/25 में रिकॉर्ड-उच्च संख्या में नेपालियों को विदेशी रोजगार के लिए श्रम परमिट दिया गया है। विभाग ने शनिवार को बताया कि इस वित्तीय वर्ष में कुल 8,39,270 व्यक्तियों को श्रम अनुमोदन प्रदान किया गया है, जो अब तक दर्ज किया गया सबसे अधिक आंकड़ा है। इनमें कुल 7,44,811 पुरुष थे और 94,455 महिलाएं थीं। विभाग द्वारा आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इन आंकड़ों को सार्वजनिक किया गया।

विभाग के महानिदेशक कमल प्रसाद भट्टराई ने बताया कि 60 प्रतिशत परमिट पहली बार आवेदन करने वाले आवेदकों को जारी किए गए थे, जबकि 40 प्रतिशत परमिट नवीनीकरण किए गए थे। उन्होंने कहा कि भर्ती एजेंसियों के माध्यम से 3,59,675 परमिट जारी किए गए थे, जबकि 3,33,309 नवीनीकरण किए गए थे। इनमें 1,33,627 नए व्यक्तिगत परमिट थे और 12,653 दक्षिण कोरिया, इजराइल और यूनाइटेड किंगडम में सरकार से सरकार (जी2जी) कार्यक्रमों के तहत स्वीकृति दी गई है।

2024/25 में नेपाली श्रमिकों के लिए शीर्ष दस विदेशी रोजगार गंतव्य संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), सऊदी अरब, कतर, कुवैत, मलेशिया, रोमानिया, जापान, दक्षिण कोरिया, क्रोएशिया और बहरीन रहे।

औसतन, प्रति माह 69,939 परमिट जारी किए गए थे, जिसमें वित्तीय वर्ष के दौरान प्रतिदिन लगभग 2,300 परमिट जारी किए गए थे। विभाग के अनुसार, यूएई को सबसे अधिक नेपाली श्रमिक प्राप्त हुए।

सऊदी अरब, कतर, कुवैत, ओमान, दक्षिण कोरिया, जापान, मलेशिया, बहरीन और कई यूरोपीय देशों सहित 69 देशों के लिए संस्थागत और व्यक्तिगत दोनों तरह के श्रम परमिट जारी किए गए थे।

2024 के दिसंबर महीने में वित्त वर्ष 2024/25 में सबसे अधिक श्रम परमिट जारी किए गए। पिछले पांच वर्षों में कुल 3,516,965 व्यक्तियों को श्रम परमिट प्राप्त हुए हैं।

इनमें से, अकेले 2024/25 में 839,000 से अधिक जारी किए गए, जो अब तक का सबसे अधिक वार्षिक आंकड़ा है। महानिदेशक भट्टराई के अनुसार, कुल पांच वर्षों में से 3,181,191 पुरुष और 335,774 महिलाएं थीं।

न्यूज ब्रीफ

ट्रंप बोले हां शायद विमान तो गिरे हैं लेकिन भारत पाक की जंग रोककर हमने बड़ी तबाही को रोका

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया है कि भारत और पाकिस्तान की जंग तबाही के दौर में जाने वाली थी। वो तो हमने व्यापार समझौते रोकने को कहा तो दोनों तैयार हो गए, बरना भारी नुकसान होता। ट्रंप ने यह भी कहा कि हां शायद इस युद्ध में 5 लडाकू विमान गिरे हैं। ट्रंप ने कहा, हमने कई युद्ध रोके हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ रहा था और यह बड़ा होता जा रहा था। हमने इसे व्यापार के जरिए हल किया। हमने कहा कि अगर आप हथियारों और शायद परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करेंगे तो हम आपके साथ व्यापार समझौता नहीं करेंगे। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को नष्ट करने पर ट्रंप ने बयान दिया और कहा कि हमने इसमें अहम भूमिका निभाई। इससे पहले सोमवार को भी ट्रंप कहा था कि उन्होंने व्यापार के जरिए भारत और पाकिस्तान के बीच उस संघर्ष को रुकवाया जो परमाणु युद्ध में बदल सकता था। ट्रंप ने ओवल ऑफिस में नाटो महासचिव मार्क रूटे के साथ बैठक के दौरान कहा, 'हम युद्धों के दौरान समाधान निकालने में बहुत सफल रहे हैं। आपके पास भारत और पाकिस्तान का उदाहरण है। आपके पास रवांडा और कांगो युद्ध है जो 30 वर्ष से जारी था। उन्होंने कहा, भारत और पाकिस्तान जिस तरह से आगे बढ़ रहे थे।

करीब 12 लाख रुपये किलो तक बिकती है चीन की दाहोंग पाओ चाय

बीजिंग। दुनिया में एक ऐसी चाय भी है जिसकी कीमत सुनकर लोग दंग रह जाएंगे। जी हां, हम बात कर रहे है चीन की प्रसिद्ध दा होंग पाओ यानी दाहोंग पाओ चाय की। यह चाय करीब 12 लाख रुपये किलो तक बिकती है और इसे दुनिया की सबसे महंगी चाय माना जाता है। चीन के फुजियान प्रांत के वूई पहाड़ों की घाटियों में उगने वाली यह चाय ऊलोंग किस्म की है, जो अपने अनोखे स्वाद और खुशबू के लिए मशहूर है। इसकी सबसे बड़ी खासियत इसके बेहद पुराने 'मदर प्लांट्स' हैं जो सैकड़ों साल पुराने हैं। इन पेड़ों की पत्तियां पूरी तरह प्राकृतिक तरीके से उगती हैं और उन्हें बेहद सावधानी से हाथ से तोड़ा जाता है। इसके बाद इन्हें एक खास पारंपरिक प्रक्रिया से सुखाया जाता है जिससे इसका स्वाद और भी गहरा और सुगंधित बन जाता है। 2006 के बाद चीन सरकार ने इन मदर प्लांट्स से पत्तियां तोड़ने पर रोक लगा दी जिससे यह और दुर्लभ हो गई। अब जो दाहोंग पाओ चाय बाजार में मिलती है वह उन पुराने पेड़ों की कलोन से बनाई जाती है, लेकिन फिर भी इसकी कीमत हजारों रुपये किलो तक होती है। दाहोंग पाओ के पीछे एक रोचक कहानी भी जुड़ी है। कहा जाता है कि पुराने जमाने में चीन के सम्राट की मां गंभीर रूप से बीमार पड़ गई थीं और किसी भी दवा से फायदा नहीं हो रहा था। तब एक बौद्ध भिक्षु ने उन्हें यह खास चाय पिलाई। चाय पीने के बाद सम्राट की मां की तबीयत चमत्कारी रूप से ठीक हो गई। इससे खुश होकर सम्राट ने उन चाय के पेड़ों को लाल रंग का चोगा पहनाया और तभी से इसका नाम दाहोंग पाओ यानी बड़ा लाल चोगा पड़ा।

दिशा पहचानने की अद्भुत क्षमता कबूतरों को बनाती है खास

लंदन। सैकडों साल पहले संदेश पहुंचाने के लिए इंसानों के पास कबूतर सबसे भरोसेमंद ज़रिया हुआ करते थे।

यह कबूतर सैकड़ों किलोमीटर दूर जाकर भी अपने घर सही-सलामत लौट आते थे। चाहे प्राचीन रोम हो या दूसरे विश्व युद्ध का दौर, कबूतरों ने संदेशवाहक के रूप में इंसानों की बड़ी मदद की। उनकी दिशा पहचानने की अद्भुत क्षमता ने उन्हें इतिहास में खास दर्जा दिलाया। वैज्ञानिकों का मानना है कि कबूतर पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र का उपयोग करके रास्ता ढूंढते हैं। लेकिन असली सवाल यह है कि वे इस चुंबकीय जानकारी को पहचानते और समझते कैसे हैं इसी को समझने के लिए वैज्ञानिक लगातार रिसर्च कर रहे हैं। 2012 में वैज्ञानिकों ने एक महत्वपूर्ण खोज की। उन्होंने पाया कि जब कबूतर को चुंबकीय क्षेत्र में रखा जाता है, तो उसके आंतरिक कान से जुड़ी ब्रेनस्टेम कोशिकाएं सक्रिय हो जाती हैं। ह्यूस्टन के बायलर कॉलेज ऑफ मेडिसिन के न्यूरोसाइंटिस्ट जे. डेविड डिकमैन ने इस रिसर्च की अगुवाई की। उनके अनुसार, ये ब्रेन कोशिकाएं चुंबकीय क्षेत्र की दिशा, गति और ध्रुवता का संकेत देती हैं।

ट्रंप ने रूपर्ट मर्डोक, द वाल स्ट्रीट जर्नल, न्यूजकॉर्प पर दायर किया मुकदमा, हर्जाना मांगा 10 अरब डॉलर

वाशिंगटन,19 जुलाई (एजेंसियां) ।

संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप ने दुनिया के प्रमुख मीडिया दिग्गज रूपर्ट मर्डोक के अखबार द वाल स्ट्रीट जर्नल पर छपी एक खबर पर मोटा हर्जाना मांगा है। उन्होंने रूपर्ट मर्डोक, द वाल स्ट्रीट जर्नल, न्यूजकॉर्प के खिलाफ मुकदमा दायर कर हर्जाना के रूप में 10 अरब डॉलर दिलाने की मांग की है। वह द वाल स्ट्रीट जनरल में जेफरी एपस्टीन को कभी लिखे गए उनके कथित अश्लील पत्र के छापने से आगबबूला हैं।

खबर के अनुसार, द वाल स्ट्रीट जर्नल में छपी विशेष खबर में दावा किया गया है कि ट्रंप ने अपने तत्कालीन मित्र जेफरी एपस्टीन को उनके 50वें जन्मदिन पर एक नग्न महिला के चित्र के साथ अश्लील पत्र भेजा था। राष्ट्रपति ट्रंप ने फ्लोरिडा के दक्षिणी जिले की संघीय अदालत में दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने मुकदमे में प्रतिवादी के रूप में मर्डोक, उनकी कंपनी न्यूजकॉर्प, न्यूजकॉर्प के सीईओ रॉबर्ट थॉमसन, द वाल स्ट्रीट जर्नल की प्रकाशक कंपनी डॉव जोन्स एंड कंपनी और इस खबर को ब्रेक करने वाले दो पत्रकारों को नामित किया है। डॉव जोन्स के एक प्रवक्ता ने बयान में कहा है, हमें अपनी खबर की सत्यता और सटीकता पर पूरा भरोसा है। हम किसी भी मुकदमे का पूरी ताकत से बचाव करेंगे। यह मुकदमा ऐसे समय में दायर हुआ है जब न्याय विभाग पर एपस्टीन के बारे में की जांच को सार्वजनिक करने का दबाव है। द वाल स्ट्रीट जर्नल के अनुसार, 2003 में ट्रंप का एपस्टीन को कथित तौर पर लिखा गया पत्र उन दस्तावेजों में शामिल रहा जिनकी आपराधिक जांचकर्ताओं ने समीक्षा की। ट्रंप ने शुक्रवार को ट्रुथ सोशल पोस्ट में कहा कि मैंने द वाल स्ट्रीट जर्नल में झूठे, दुर्भावनापूर्ण, अपमानजनक और झूठा समाचार प्रकाशित करने पर इसमें शामिल सभी लोगों के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। खबर के अनुसार, ट्रंप ने कहा कि उन्हें मुकदमे में गवाही देने का इंतजार है। इस बीच फाउंडेशन फॉर इंडिविजुअल राइट्स एंड एक्सप्रेशन के मुख्य वकील बॉब कॉर्न-रेवेरे ने कहा, ट्रंप के अन्य समाचार संगठनों के साथ पिछले विवादों में किसी भी अदालत से कोई फैसला नहीं मिला है। यह जरूर है कि यह मीडिया कंपनियों से समझौता करवाने में अपने सरकारी तंत्र का इस्तेमाल करने में कामयाब रहे। याद रखना चाहिए सत्ता का बेजा इस्तेमाल तुच्छ दावों को वैध कार्रवाई में नहीं बदल देता। दरअसल इस विवाद की जड़ में एपस्टीन को भेजा गया उनका कथित पत्र है। इस पत्र की भाषा अश्लील थी। द वाल स्ट्रीट जर्नल और रूपर्ट मर्डोक को राष्ट्रपति ट्रंप ने सीधे चेतावनी दी थी कि अगर एपस्टीन को लिखा गया उनका कथित फर्जी पत्र छापा जाता है तो वह मुकदमा दायर करेंगे। अमेरिकी मीडिया विशेषज्ञों का कहना है कि मर्डोक ने ट्रंप को आश्वासन दिया था कि वह इसका ध्यान रखेंगे, लेकिन उनके पास ऐसा करने का अधिकार नहीं था। इसके अलावा ट्रंप की तरफ से व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने द वाल स्ट्रीट जर्नल की संपादक एम्मा टकर को बताया था कि पत्र फर्जी है। लेविट ने कहा था कि एम्मा टकर कुछ भी सुनने को तैयार नहीं थीं। वह सिर्फ झूठी, दुर्भावनापूर्ण और अपमानजनक कहानी पर अडिग थीं। उल्लेखनीय है कि इससे पहले राष्ट्रपति ट्रंप पत्रकार जॉर्ज स्टेफानोपोलोस, एबीसी, 60 मिनट्स, सीबीएस और अन्य मीडिया घरानों से टकरा कर उनकी बोलती बंद करा चुके हैं। अब उन्होंने निष्पक्षता की दुहाई देने वाले द वाल स्ट्रीट जर्नल को अदालत की चौखट पर ले गए हैं। ट्रंप ने कहा कि अगर कथित पत्र में रत्ती भर सच्चाई होती तो हिलेरी और अन्य कट्टरपंथी वामपंथी राष्ट्रपति चुनाव में जरूर मुद्दा बनाते। प्रकाशित द वाल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, जेफरी एपस्टीन को 2003 में उनके 50वें जन्मदिन पर भेजे गए बधाई संदेश के पत्रों के संग्रह में डोनाल्ड ट्रंप का नाम और एक नग्न महिला की रूपरेखा वाला एक नोट शामिल था। हालांकि ट्रंप ने मंगलवार को द वाल स्ट्रीट जर्नल को दिए गए साक्षात्कार में इस बात से इनकार किया कि उन्होंने एपस्टीन को पत्र लिखा या चित्र बनाया था। उन्होंने कहा था, मैंने अपने जीवन में कभी कोई शब्द चित्र नहीं लिखा। मैं महिलाओं के चित्र नहीं बनाता। यह मेरी भाषा नहीं है। यह मेरे शब्द नहीं हैं। उल्लेखनीय है कि एपस्टीन अमेरिका के बड़े फाइनेंसर रहे हैं। उनके देश के कई राजनेताओं और प्रभावशाली हस्तियों के गहरे संबंध किसी से छुपे नहीं हैं। उन पर साल 2019 में फ्लोरिडा और न्यूयॉर्क में नाबालिगों की यौन तस्करी का आरोप लगा था। इस खुलासे के बाद उनकी गिरफ्तारी भी हुई। बाद में वह अपनी जेल की कोठरी में मृत पाए गए। सीएनएन के अनुसार, मेडिकल जांच में कहा गया कि उन्होंने आत्महत्या की।

ट्रंप की नसें पड़ने लगीं काली, ये बीमारी कैसे होती है और कितनी खतरनाक है

वाशिंगटन,19 जुलाई (एजेंसियां) ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप क्रॉनिक वेनस इंसफिशिएंसी(सीवीआई) नामक बीमारी से जूझ रहे हैं। क्लीवलैंड क्लीनिक की रिपोर्ट के मुताबिक क्रॉनिक वेनस इंसफिशिएंसी (सीवीआई) एक ऐसी कंडीशन है, जिसमें पैरों की नसें सही तरीके से खून को वापस हार्ट तक नहीं पहुंचा पाती हैं। सामान्य रूप से नसों में छोटे-छोटे वाल्व होते हैं, जो खून को हार्ट की तरफ फ्लो कराते हैं। अगर ये वाल्व डैमेज हो जाएं या कमजोर पड़ जाएं, तो खून नीचे की ओर लौट सकता है और पैरों में जमा हो सकता है। इससे सीवीआई की कंडीशन पैदा हो जाती है। इसकी वजह से पैरों की नसों में दबाव बढ़ जाता है और पैरों में सूजन के अलावा अल्सर होने लगते हैं। यह बीमारी बहुत खतरनाक नहीं होती है, लेकिन काफी दर्दनाक हो सकती है। मेडिकल चेकअप में ट्रंप की इस बीमारी का पता चला है। व्हाइट हाउस की तरफ से जारी बयान में बताया गया कि 79 साल के राष्ट्रपति ट्रंप के पैरों में सूजन और चोट की वजह से उनका चेकअप किया गया था। इस चेकअप में सीवीआई डिजीज डायग्नोज हुई है। ट्रंप को लेकर जैसे ही यह खबर सामने आई, वैसे ही हर कोई इस बीमारी के बारे में जानना चाहता है। आखिर क्रॉनिक वेनस इंसफिशिएंसी क्या है और इससे लोगों को किस तरह की परेशानी हो जाती है व्हाइट हाउस के बयान के अनुसार राष्ट्रपति ट्रंप को यह परेशानी उनके नियमित हाथ मिलाने की आदत और एस्पिरिन का इस्तेमाल करने से हुई है। डोनाल्ड ट्रंप एस्पिरिन दवा कार्डियोवैस्कुलर बीमारियों से बचने के लिए लेते हैं। सीवीआई कोई घातक बीमारी नहीं है, बल्कि उम्र के साथ और कुछ आदतों की वजह से होने वाली धीमी और पुरानी नसों की समस्या है। 70 साल से ज्यादा के लोगों को इस बीमारी का खतरा ज्यादा होता है। इस बीमारी के शुरुआती लक्षणों में पैरों या टखनों में सूजन, भारीपन या थकावट का एहसास, त्वचा पर खुजली या झुनझुनी और वैरिकोज नसें शामिल हैं। कुछ मामलों में त्वचा का रंग बदलना, मोटा या चमड़े जैसा होना और पैरों में अल्सर या घाव भी हो सकते हैं। अगर समय रहते इसका इलाज न किया जाए, तो यह स्थिति काफी दर्दनाक और गंभीर हो सकती है। सीवीआई के कारणों की बात करें, तो नसों में पुराने खून के थक्के या चोट से वाल्व को नुकसान होने पर यह परेशानी हो जाती है। उम्र बढ़ने से नसें कमजोर हो जाती हैं और यह समस्या होने लगती है। लंबे समय तक खड़े रहना या बैठना, मोटापा, गर्भावस्था, अनुवांशिक कारण, स्मोकिंग, कम शारीरिक गतिविधि और फैमिली हिस्ट्री जैसे फैक्टर्स भी इस बीमारी की वजह बन सकते हैं।

ठीक भी हो जाती है ये बीमारी

सीवीआई की समस्या को इलाज के जरिए पूरी तरह ठीक नहीं किया जा सकता है, लेकिन इस परेशानी को कंट्रोल करना संभव है। लाइफस्टाइल में बदलाव जैसे- नियमित वॉक करना, पैरों को ऊंचा रखना और हेल्दी वेट मेंटेन करने से यह बीमारी कंट्रोल हो सकती है।

पिछले साल दुनिया के करोड़ों बच्चों को नहीं लगी वैक्सीन, बीमारी का बढ़ा खतरा

संयुक्त राष्ट्र के स्वास्थ्य अधिकारियों ने खुलासा किया कि पिछले साल दुनिया के 14 मिलियन से ज्यादा बच्चे वैक्सीन से वंचित रह गए। इनमें से ज्यादातर बच्चे 9 देशों के हैं, जिन्हें पिछले साल एक ही वैक्सीन नहीं लगी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और यूनिसेफ ने मंगलवार को जारी रिपोर्ट में बताया कि एम साल से कम उम्र के 89 फीसदी बच्चों को डिप्थीरिया, टेटनस और खांसी की पहली खुराक दी जा चुकी है। वहीं, 85 फीसदी बच्चों को तीनों खुराक लग चुकी है। यह आंकड़े 2023 के आसपास के हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यूएन के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय सहायता बंद होने के कारण इस साल यह आंकड़े कम हो सकते हैं। डब्ल्यूएचओ और यूनिसेफ की रिपोर्ट में खुलासा, ट्रंप की फंडिग रोकने से बढ़ेंगे आंकड़े दरअसल अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने सत्ता में आते ही डब्ल्यूएचओ को मिलने वाली फंडिंग पर रोक लगा दी है, जिससे कई बच्चे अब वैक्सीन से वंचित रह सकते हैं। यूएन के मुताबिक डिप्थीरिया, टिटनेस और काली खांसी की वैक्सीन से हर साल 35-50 लाख लोगों की जान बचती है। फंडिंग रोकने और वैक्सीन को लेकर भ्रम फैलाए जाने से दशकों की प्रगति खतरे में है। आंकड़ों की मानें तो पिछले साल 1.4 करोड़ से ज्यादा बच्चों को एक भी वैक्सीन नहीं लगी। 52 फीसदी बच्चे सिर्फ 9 देशों से हैं। इस सूची में नाइजीरिया, भारत, सूडान, कांगो, इथियोपिया, यमन, अफगानिस्तान, अंगोला और इंडोनेशिया का नाम शामिल है।

तुर्किये में अमेरिकी राजदूत टॉम बैरक की घोषणा सीरिया और इजराइल युद्धविराम पर सहमत

अंकारा (तुर्किये) ,19 जुलाई (एजेंसियां) ।

तुर्किये में अमेरिकी राजदूत टॉम बैरक ने शुक्रवार को कहा कि सीरिया और इजराइल युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं। उन्होंने कहा कि इस समझौते को तुर्किये, जॉर्डन और अन्य पड़ोसी देशों ने स्वीकार कर लिया है। बैरक सीरिया में अमेरिका के विशेष दूत भी हैं। उन्होंने एक्स पोस्ट पर यह जानकारी साझा की।

बैरक ने ड्रूज, बेडौइन और सुन्नियों से हथियार डालने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि यह लोग अन्य अल्पसंख्यकों के साथ मिलकर अपने पड़ोसियों के साथ शांति और समृद्धि में एकजुट होकर सीरियाई पहचान का निर्माण करें। उधर, सीरिया में अमेरिका के विशेष दूत बैरक की घोषणा पर अभी किसी भी पक्ष ने कोई टिप्पणी नहीं की।

उल्लेखनीय है कि बुधवार को इजराइल ने सीरिया पर हवाई हमले किए थे। इजराइल ने कहा था कि वह अरब धार्मिक अल्पसंख्यक ड्रूज की रक्षा करेगा। सीरिया में तानाशाह बशर अल-असद के पतन के बाद से सरकार समर्थक बलों और ड्रूज के बीच संघर्ष में कई लोग मारे गए हैं। दमिश्क पर इजराइल के हवाई हमलों में कई सरकारी इमारतें निशाना बनीं। कम से कम तीन लोग मारे गए। एक सीरियाई टेलीविजन चैनल के एक वीडियो में रक्षा मंत्रालय की इमारत पर लाइव प्रसारण में हमला दिखाया गया। इस दौरान एंकर को छुपना पड़ा।

सीरियाई राष्ट्रपति अहमद अल-शरा ने बुधवार रात स्थानीय समयानुसार कहा कि सीरियाई सेना सुवेदा से पीछे हट रही है। इसके बाद अल-शरा की सरकार ने ड्रूज गुटों के साथ नए युद्धविराम की भी घोषणा की। वहीं, अमेरिका ने बढ़ते तनाव पर चिंता व्यक्त करते हुए संघर्ष को सुलझाने के लिए कूटनीतिक प्रयास शुरू किए। तुर्किये के विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, अमेरिकी विदेशमंत्री मार्को रुबियो ने शुक्रवार को इस मामले पर चर्चा के लिए तुर्किये के विदेशमंत्री हाकन फिदान से फोन पर बात की। रुबियो ने बुधवार रात कहा था कि संघर्ष से जुड़े सभी पक्ष स्थिति को सुलझाने के लिए सहमत हुए हैं।

अब तुर्की की जनता ने की सरकार से परमाणु बम बनाने की मांग

अंकारा,19 जुलाई (एजेंसियां) ।

एक महीने पहले ईरान पर अमेरिका और इजराइली हमलों के बाद अब तुर्की की जनता चाहती है कि उनका देश भी परमाणु हथियार बनाए, वो भी जल्द से जल्द। एक रिपोर्ट के मुताबिक 1 से 5 जुलाई के बीच 'रिसर्च इस्तांबुल' की ओर से किए गए इस सर्वे में कुल हजारों लोगों से बातचीत की।

इसके नतीजे चौंकाने वाले हैं। 71 फीसदी तुर्की नागरिकों का मानना है कि देश को अब परमाणु ताकत बनना चाहिए। सिर्फ 18 फीसदी लोग इसके खिलाफ हैं। सर्वे में यह भी सामने आया कि हर दो में से एक शख्स मानता है कि अगर तुर्की पर हमला हुआ, तो मौजूदा मिसाइल डिफेंस सिस्टम शायद ही उसे रोक पाए। इसका सबसे बड़ा कारण है हाल ही में इजराइल के खिलाफ ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल हमले, जहां अत्याधुनिक इजराइली सुरक्षा व्यवस्था भी पूरी तरह नाकाम रही और भारी नुकसान हुआ। तुर्क लोग अब सोचने पर मजबूर हैं- 'अगर इजराइल का हाल ऐसा हो सकता है, तो तुर्की का क्या होगा इस सर्वे में 72फीसदी लोग मानते हैं कि अगर तुर्की पर हमला हुआ, तो नाटो उसकी रक्षा नहीं करेगा। इससे साफ है कि जनता का भरोसा अपने परंपरागत सैन्य सहयोगियों से हट रहा है। आंकड़े बताते हैं कि तुर्क एक असुरक्षा के दौर से गुज़र रहा है। मिडल ईस्ट, बाल्कन और कॉकस क्षेत्रों में बढ़ते संघर्ष लोगों को अब वो बातें सोचने पर मजबूर कर रहे हैं, जो पहले अकल्पनीय थीं जैसे कि परमाणु हथियार बनाना। तुर्की सरकार हाल ही में एफ-16 और यूरोफाइटर जेट्स की खरीद पर काम कर रही है, ताकि अपने पुराने हो चुके लड़ाकू विमानों की भरपाई कर सके। इसके साथ ही 2028 तक खुद के 5वीं पीढ़ी के फाइटर जेट 'कॉन' को सेवा में लाने की तैयारी है। जनता को लगता है कि अब तुर्की को दूसरों पर नहीं, अपनी ताकत पर भरोसा करना होगा। भले ही तुर्की सरकार ने अभी तक किसी भी तरह के न्यूक्लियर हथियारों पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन देश का पहला परमाणु पावर प्लांट 'अक्कूयू' रूस के सहयोग से बन रहा है। करीब 20 अरब डॉलर की लागत वाला यह प्लांट अगले साल शुरू होगा और देश की 10 फीसदी बिजली जरूरतें पूरी करेगा। हालांकि इस बहाने कुछ विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि आने वाले समय में तुर्की इस तकनीकी आधार को और आगे ले जाकर परमाणु शक्ति की ओर कदम बढ़ा सकता है।

सर्वे में कहा- अगर इजराइल का यह हाल हुआ, तो तुर्की का क्या होगा

महिंद्रा एक्सयूवी 700 की कुल बिक्री 3 लाख यूनिट्स के पार

नई दिल्ली,19 जुलाई (एजेंसियां)।

भारतीय बाजार में महिंद्रा एंड महिंद्रा की फ्लैगशिप एसयूवी एक्सयूवी 700 ने बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। साल 2021 में लॉन्च हुई एक्सयूवी 700 की डिमांड शुरुआत से ही जबरदस्त रही है। इस लोकप्रिय एसयूवी की कुल बिक्री 3 लाख यूनिट्स के पार पहुंच गई है।

इसका वेटिंग पीरियड लंबे समय तक एक साल से ज्यादा रहा। हालांकि कंपनी ने अब तक इसका फेसलिफ्ट मॉडल पेश नहीं किया है, लेकिन इसके नए अवतार की टेस्टिंग जारी है और इसके स्पाई शॉट्स भी सामने आते रहते हैं।

माना जा रहा है कि फेसलिफ्ट वर्जन में डिजाइन और फीचर्स में कई अहम बदलाव देखने को मिलेंगे। एक्सयूवी 700 फेसलिफ्ट कोडनेम डब्ल्यू 616 के तहत विकसित की जा रही है और इसका डिजाइन महिंद्रा के नई जनरेशन के इलेक्ट्रिक मॉडल्स बीई 6 और एक्सईवी 9ई से प्रेरित होगा।

इसमें शार्प और फ्यूचरिस्टिक डिजाइन लैंग्वेज देखने को मिल सकती है। संभावित बदलावों में कनेक्टेड एलईडी हेडलाइट सेटअप, नई ग्रिल, चौकोर व्हील आर्च क्लैडिंग और मॉडर्न इंटीरियर शामिल हैं।

जेएफएसएल और एलाइंस की साझेदारी से मिलेगा नया ज्वाइंट वेंचर

नई दिल्ली। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (जेएफएसएल) ने जर्मनी की एलियांज ग्रुप की कंपनी एलाइंज यूरोप बीवी के साथ 50:50 रीयशोरेंस जॉइंट वेंचर (जेवी) बनाने की घोषणा की है। इसके साथ ही दोनों कंपनियों ने भारत में लाइफ और जनरल इंश्योरेंस बिजनेस में भी समान हिस्सेदारी वाले जेवी शुरू करने के लिए एक नॉन-बाइंडिंग एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी के अनुसार यह साझेदारी भारत के इंश्योरेंस इकोसिस्टम को मजबूत बनाएगी और ग्राहकों को बेहतर सुरक्षा समाधान मुहैया कराएगी। एलाइंज को प्राइसिंग, रिस्क सिलेक्शन और पोर्टफोलियो मैनेजमेंट जैसी ग्लोबल रीयशोरेंस विशेषज्ञता हासिल है, जबकि जेएफएसल के पास भारतीय बाजार और डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर की गहरी समझ है।

न्यूज ब्रीफ

आयकर विभाग ने फर्जी रिफंड ईमेल के प्रति जारी की चेतावनी , बैंक विवरण न भेजने की दी गई सलाह

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक अहम सूचना जारी करते हुए करदाताओं को फर्जी ईमेल से सतर्क रहने की चेतावनी दी है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि वह कभी भी ईमेल के माध्यम से करदाताओं से बैंक विवरण या अन्य व्यक्तिगत जानकारी मांगता नहीं है। ऐसे फर्जी ईमेल आयकर रिफंड की स्थिति की जांच के नाम पर भेजे जा रहे हैं, जिनमें तत्काल मैन्युअल पुष्टि करने की मांग की जाती है। आयकर विभाग ने इसे पूरी तरह से धोखाधड़ी बताया है। आयकर विभाग ने करदाताओं से आग्रह किया है कि वे अपने कर रिफंड की स्थिति केवल आधिकारिक वेबसाइटपर ही जांचें। किसी भी संदिग्ध ईमेल में दिए गए लिंक पर क्लिक न करें और ऐसी किसी भी जानकारी को साझा करने से बचें। विभाग का कहना है कि फर्जी ईमेल आमतौर पर लोगों को लुभाने के लिए झूठी आश्वासन और आपातकालीन कार्रवाई की मांग करते हैं, जिससे वे उनके बैंक या अन्य संवेदनशील विवरण चुरा सकते हैं ।

भारत-ईएफटीए व्यापार समझौता एक अक्टूबर से लागू होगा : पीयूष गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि भारत और यूरोपीय संघ के चार देशों के यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के बहुप्रतीक्षित व्यापार और आर्थिक भागीदारी समझौता (टीईपीए) आधिकारिक तौर पर 01 अक्टूबर से लागू होगा। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने एक्स पोस्ट में बताया कि भारत और चार देशों के यूरोपीय समूह ईएफटीए के बीच व्यापार और आर्थिक भागीदारी समझौता (टीईपीए) 01 अक्टूबर से लागू होगा। इससे निवेश और बाजार पहुंच के लाभ प्राप्त होंगे। दोनों पक्षों ने 10 मार्च, 2024 को टीईपीए पर हस्ताक्षर किए थे। उन्होंने कहा क दिोनों पक्षों ने व्यापार, निवेश और व्यावसायिक साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए एक समर्पित भारत-ईएफटीए डेस्क की शुरुआत की है। यह अगले 15 वर्षों में भारत में 100 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए टीईपीए की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह डेस्क सरकार और निजी कंपनियों दोनों के लिए एकल खिड़की मंच के रूप में कार्य करेगा, जिससे भारत के तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में ईएफटीए-आधारित निवेशकों के लिए प्रवेश आसान हो जाएगा।

सट्टेबाजी ऐप मामले में ईडी ने 21 जुलाई को गूगल और मेटा को तलब किया

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप मामलों की जांच के सिलसिले में दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी गूगल और मेटा को नोटिस जारी किया है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने इन टेक कंपनियों को पूछताछ के लिए 21 जुलाई को बुलाया है। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को बताया कि ईडी ने सट्टेबाजी अनुप्रयोगों से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के संबंध में दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी गूगल और मेटा को नोटिस जारी किया है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने सट्टेबाजी ऐप मामले में गूगल और मेटा को 21 जुलाई को तलब किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गूगल और मेटा प्लेटफॉर्म विज्ञापनों के जरिए सट्टेबाजी ऐप्स को बढ़ावा दे रहे हैं और उपयोगकर्ताओं तक उनकी पहुंच को आसान बना रहे हैं। एजेंसी इन अवैध ऐप्स के प्रचार में डिजिटल प्लेटफॉर्म की भूमिका की जांच कर रही है, जो धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (पीएमएलए) के संभावित उल्लंघन के लिए जांच के दायरे में हैं। उल्लेखनीय है कि यह कदम ईडी की ओर से मुंबई में एक बड़े डिब्बा व्यापार और ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले में चार ठिकानों पर छापेमारी के कुछ दिनों बाद उठाया गया है, जिसमें 3.3 करोड़ रुपये की बेहिसाबी नकदी, लग्जरी घड़ियां, आभूषण, विदेशी मुद्रा और लग्जरी वाहन जब्त किए गए थे।

एआई केंद्रित इन्फ्रास्ट्रक्चर से आईटी खर्च 5.43 ट्रिलियन डॉलर पहुंचने की उम्मीद

नई दिल्ली,19 जुलाई (एजेंसियां)।

2025 में दुनिया भर में आईटी खर्च 5.43 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है, जो 2024 की तुलना में 7.9 फीसदी से ज्यादा है। इसकी वजह एआई इन्फ्रास्ट्रक्चर पर ज्यादा फोकस है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में सामने आई। रिपोर्ट में अनुमान लगाया है कि मौजूदा भू-राजनीतिक परिदृश्य के कारण कारोबार में मंदी के बावजूद एआई केंद्रित इन्फ्रास्ट्रक्चर पर खर्च आईटी क्षेत्र में खर्च को बढ़ावा देगा। गार्टनर के विशिष्ट उपाध्यक्ष विश्लेषक जॉन-डेविड लवलॉक ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितता में वृद्धि के कारण शुद्ध-नए खर्च पर व्यावसायिक विराम है, लेकिन एआई और जनरेटिव एआई (जेनएआई) डिजिटलीकरण पहलों के कारण यह प्रभाव कम हो रहा है।

अनिश्चितता के कारण 2025 में सॉफ्टवेयर और सेवाओं पर खर्च की वृद्धि धीमी होने की उम्मीद जताई जा रही है, लेकिन डेटा सेंटर सिस्टम जैसे एआई से संबंधित इन्फ्रास्ट्रक्चर पर खर्च में वृद्धि जारी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि जेनएआई के कारण डेटा केंद्रों में तेजी देखी जा रही है और एआई अनुकूलित सर्वरों पर खर्च जो 2021 में करीब न के बराबर था, 2027 तक पारंपरिक सर्वरों की तुलना में तीन गुना बढ़ने की संभावना है।

रिपोर्ट के मुताबिक प्रतिस्पर्धात्मकता एक प्रमुख कारण है, जिसके कारण कंपनियां इस बिगड़ते परिवेश में टेक्नोलॉजी और व्यावसायिक परिवर्तन में निवेश करेंगे।

रिपोर्ट में कहा गया कि 2025 की दूसरी तिमाही की शुरुआत से ही एक अनिश्चितता विराम शुरू हो गया है, जिसमें आईटी समेत कई विभागों में नए इनिशिएटिव का रणनीतिक निलंबन शामिल है। यह विराम बढ़ती अनिश्चितता और भू-राजनीतिक जोखिमों के कारण है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके जवाब में, वैश्विक कॉर्पोरेट क्षेत्र ज्यादा सावधानी बरत रहा है, क्योंकि संगठन इन बहुआयामी चुनौतियों के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने की कोशिश कर रहे हैं। सर्वेक्षण में दावा किया गया है कि 61 फीसदी कंपनियों ने 2025 की शुरुआत पिछले साल की इस अवधि की तुलना में बेहतर स्थिति में की है।

अब 9 कैरेट सोने पर भी अनिवार्य होगी हॉलमार्किंग

नई दिल्ली। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने सोने की शुद्धता और पारदर्शिता को सुनिश्चित करने के लिए एक अहम कदम उठाया है। अब 9 कैरेट (9के) यानी 375 पार्ट्स पर थाउजेंड (पीपीटी) शुद्धता वाले सोने की ज्वेलरी पर भी हॉलमार्किंग अनिवार्य कर दी गई है। पहले यह नियम केवल 14के, 18के, 20के, 22के, 23के और 24के सोने पर लागू था। बीआईएस के इस फैसले के बाद अब ज्वैलर्स 9 कैरेट सोने की ज्वेलरी बिना हॉलमार्क के नहीं बेच सकेंगे। यह नियम ग्राहकों को धोखाधड़ी से बचाने और उन्हें असली सोने की पहचान करने में मदद करेगा। हॉलमार्क एक आधिकारिक प्रमाण होता है जो बताता है कि ज्वेलरी में कितनी मात्रा में शुद्ध सोना है। ऑल इंडिया जेम एंड ज्वैलरी डोमेस्टिक काउंसिल के अनुसार, सभी हॉलमार्किंग सेंटरों और ज्वैलर्स को इस नियम का पालन करना अनिवार्य होगा। इससे सस्ते गहनों में भी ग्राहक को सही जानकारी मिल सकेगी। वहीं बीआईएस ने कुछ उत्पादों को छूट भी दी है। सोने की घड़ियों और पेन को अब हॉलमार्किंग से बाहर कर दिया गया है। इन्हें अब कलाकृति की श्रेणी में नहीं माना जाएगा। इसके अलावा, सोने के सिक्कों के लिए भी नया मानक तय किया गया है। अब केवल 24केएफ या 24केएस शीट से बने सिक्के ही शुद्ध माने जाएंगे। ये केवल अधिकृत रिफाइनरी या सरकारी टकसाल द्वारा बनाए जा सकते हैं और इनकी कोई कानूनी मुद्रा वैल्यू नहीं होगी।

भारत और यूरोपीय संघ एफटीए के लिए वार्ता पर आगे बढ़े

नई दिल्ली,19 जुलाई (एजेंसियां)।

भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लेकर हाल ही में महत्वपूर्ण प्रगति दर्ज की गई है। ब्रसेल्स में 7 से 11 जुलाई के बीच आयोजित 12वें दौर की वार्ता में दोनों पक्षों ने डिजिटल ट्रेड अध्याय और धोखाधड़ी रोधी प्रावधानों पर सैद्धांतिक सहमति जताई है। हालांकि कुछ तकनीकी विषयों पर चर्चा अभी शेष है। यूरोपीय आयोग के अनुसार डिजिटल व्यापार का उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से व्यापार को सुगम बनाना और उपभोक्ताओं तथा व्यवसायों के लिए सुरक्षित व भरोसेमंद ऑनलाइन वातावरण बनाना है।

व्यापार और सतत विकास से जुड़े मुद्दों पर मतभेद अब भी जारी

इस अध्याय में सीमा पार डेटा प्रवाह, व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा, ई-इनवॉइसिंग, ई-अनुबंध, डिजिटल पहचान, और कागज रहित व्यापार जैसे विषय शामिल हैं। भारत की ओर से इन मुद्दों पर संवेदनशीलता दिखाई गई है, खासकर डेटा संरक्षण और गोपनीयता को लेकर।

हालांकि, व्यापार और सतत विकास से जुड़े मुद्दों पर मतभेद अब भी बने हुए हैं। भारत, श्रम और पर्यावरण जैसे विषयों को व्यापार से अलग मानता है, जबकि ईयू इन्हें बाध्यकारी और लागू करने योग्य प्रावधानों के रूप में शामिल करना चाहता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने 28 फरवरी को घोषणा की थी कि दोनों पक्ष 2025 के अंत तक समझौते को अंतिम रूप देना चाहते हैं। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने भी हाल में संकेत दिया था कि समझौता इससे पहले भी पूरा हो सकता है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज को पहली तिमाही में 26,994 करोड़ का मुनाफा

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में शानदार नतीजे दर्ज किए हैं। कंपनी का शुद्ध मुनाफा साल-दर-साल 78.3त्न बढ़कर 26,994 करोड़ पहुंच गया, जो पिछली तिमाही में 19,407 करोड़ और पिछले साल इसी तिमाही में 15,138 करोड़ था। मुनाफे में उछाल का मुख्य कारण एशियन पेंट्स में 4.9 फीसदी हिस्सेदारी की बिक्री रही, जिससे कंपनी को एकमुश्त 8,924 करोड़ रुपए की कमाई हुई। हालांकि, कंपनी की कुल संचयी शुद्ध आय में सिर्फ 5.1 फीसदी की वृद्धि हुई है, जो बाजार की अपेक्षाओं से कम रही। पिछली तिमाही की तुलना में कंपनी की आय में 6.8 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। पिछले साल इसी तिमाही में मुनाफा 15,138 करोड़ था पहली तिमाही में रिलायंस की परिचालन आय 2.48 लाख करोड़ रही, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 2.36 लाख करोड़ के मुकाबले 5.26 फीसदी अधिक है। तेल से रसायन और तेल एवं गैस कारोबार में उत्पादन में गिरावट और कच्चे तेल की कीमतों में कमी के कारण इस सेगमेंट की आय में 1.5 फीसदी की गिरावट आई। कंपनी की दूरसंचार इकाई जियो प्लेटफॉर्म्स और खुदरा व्यवसाय रिलायंस रिटेल ने इस तिमाही में मजबूत प्रदर्शन किया।

ईयू के नए तेल प्रतिबंध से रिलायंस और नायरा पर पड़ेगा असर

ईयू ने रूसी कच्चे तेल की कीमत घटाकर 47.6 डॉलर प्रति बैरल की

नई दिल्ली,19 जुलाई (एजेंसियां)।

यूरोपीय संघ (ईयू) ने रूस पर अपने 18वें प्रतिबंध पैकेज के तहत कड़े कदम उठाए हैं, जिनका सीधा असर भारत की दो प्रमुख तेल कंपनियों—रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और नायरा एनर्जी पर पड़ सकता है। ईयू ने रूसी कच्चे तेल की कीमत सीमा को घटाकर 47.6 डॉलर प्रति बैरल कर दिया है, जो 3 सितंबर 2025 से लागू होगी। इसके अलावा रूसी संबंधों वाली कंपनियों और तेल परिवहन सेवाओं पर भी प्रतिबंध लगाए गए हैं। नायरा एनर्जी, जिसमें रूसी कंपनी रोजनेट की 49 फीसदी हिस्सेदारी है, अब यूरोप को ईंधन निर्यात नहीं कर सकेगी। साथ ही उसे यूरोपीय बैंकिंग और तकनीकी सेवाओं से भी वंचित किया जा सकता है। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज जो रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदकर यूरोप में डीजल निर्यात करती है, उसे अब या तो रूस से तेल खरीदना बंद करना होगा या यूरोपीय बाजार से हाथ धोना पड़ेगा। भारत सरकार ने ईयू के इस कदम का विरोध करते हुए कहा कि वह ऐसे किसी एकतरफा प्रतिबंध को मान्यता नहीं देती। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा सर्वोपरि है और वैश्विक नियमों में दोहरे मापदंड नहीं होने चाहिए। विशेषज्ञों का मानना है कि इन प्रतिबंधों को लागू करना ईयू के लिए भी आसान नहीं होगा, क्योंकि अधिकतर तेल व्यापार अमेरिकी डॉलर में होता है और भारतीय कंपनियां अक्सर बिचौलियों के जरिए लेनदेन करती हैं। ऐसे में यह प्रतिबंध भारतीय कंपनियों के लिए चुनौती जरूर हैं, लेकिन पूर्ण रूप से प्रभावी होंगे, यह कहना जल्दबाज़ी होगा।

भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की नई चुनौती- टेस्ला बनाम बीवायडी, दोनों कंपनियों के बीच होगी कड़ी टक्कर

नई दिल्ली,19 जुलाई (एजेंसियां)।

दुनिया भर में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की होड़ तेज होती जा रही है और अब इस प्रतिस्पर्धा का अगला बड़ा मैदान भारत बनने जा रहा है। अमेरिका के अरबपति एलन मस्क की कंपनी टेस्ला ने भारत में अपनी एंट्री कर दी है, वहीं चीन की प्रमुख ईवी निर्माता कंपनी बीवायडी भी भारतीय बाजार में कदम रख चुकी है। दोनों कंपनियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिलने वाली है। बीवायडी ने पिछले महीने भारत में 500 इलेक्ट्रिक कारें बेचीं। हालांकि यह संख्या कंपनी की वैश्विक बिक्री के मुकाबले बहुत कम है, लेकिन बीवायडी की तकनीक दुनियाभर में तेजी से उन्नत हो रही है। चीन में बीवायडी के नवीनतम मॉडल सिर्फ पांच मिनट के चार्ज में 500 किलोमीटर से अधिक की रेंज प्रदान करते हैं, जो भारतीय ईवी मॉडल्स की तुलना में लगभग 50 गुना तेज है। बीवायडी की स्थापना 1995 में हुई थी। कंपनी ने 2009 में अपना पहला इलेक्ट्रिक वाहन लॉन्च किया था। कंपनी में 2008 में वॉरेन बफेट की बर्कशायर हैथवे ने 23 करोड़ डॉलर का निवेश किया, जो अब कई गुना बढ़ चुका है। भारत में बीवायडी ने 2022 में अटटो 3 एसयूवी लॉन्च की है, जिसे चेन्नई में असेंबल किया जाता है, लेकिन अभी इसकी बाजार हिस्सेदारी केवल 4 फीसदी से कम है। वहीं टेस्ला, अगस्त 2025 से भारत में अपनी आधिकारिक शुरुआत कर रही है और हर महीने 5 लाख कारें बनाने की योजना बना रही है। भारत में बढ़ते ईवी रुझान को देखते हुए यह कदम बेहद महत्वाकांक्षी माना जा रहा है।

दुर्लभ मैग्नेट की पाबंदियों में भारत को ढील दे सकता है चीन

नई दिल्ली। चीन सरकार के अधिकारियों ने भारत को सूचना दी है कि दुर्लभ खनिज कच्चे माल की आपूर्ति चाहने वाले भारतीय आयातकों से हासिल हुए आवेदनों को निपटाया जा रहा है। चीन ने हाल में दुर्लभ खनिज मैग्नेट (आरईएम) के निर्यात पर लाइसेंसिंग मानदंडों को लागू किया है। दुर्लभ मैग्नेट 4 अप्रैल से चीन द्वारा लगाए गए निर्यात प्रतिबंध के दायरे में है। यह वाहन एवं वाहन कलपुर्जा उद्योग के अलावा इलेक्ट्रॉनिक्स, चिकित्सा और यहां तक कि रक्षा जैसे उद्योगों के लिए भी महत्त्वपूर्ण है। अमेरिका द्वारा चीन के उत्पादों पर बढ़ाए गए शुल्क के जवाब में यह प्रतिबंध लगाया गया था। पिछले महीने भारतीय वाहन उद्योग ने दुर्लभ मैग्नेट की आपूर्ति के बारे में चिंता जताई थी। उद्योग ने चीन द्वारा लगाई गई निर्यात पाबंदियों पर सरकार के समक्ष अपनी बातें रखी थीं। उन्होंने कहा था कि चीन के वाणिज्य मंत्रालय से इन दुर्लभ खनिज कच्चे माल के आयात की मंजूरी मिलने में देरी के कारण इलेक्ट्रिक वाहनों सहित भारतीय वाहन विनिर्माताओं का उत्पादन प्रभावित हो रहा है। सरकारी अधिकारियों के अनुसार, आवेदनों को निपटाने में देरी हुई है क्योंकि चीन के पास निर्यात मंजूरी के लिए आवेदनों की अचानक बाढ़ सी आ गई है। चीन ने हाल में आरईएम)के निर्यात पर लाइसेंसिंग मानदंडों को लागू किया एक अधिकारी ने कहा कि चीन ने लाइसेंस हासिल करने की प्रक्रिया को काफी लंबा और जटिल बना दिया है। आवेदनों की अचानक आई बाढ़ को संभालने के लिए फिलहाल वे पूरी तरह समर्थ नहीं हैं। मगर हमें सूचित किया गया है कि उन्होंने आवेदनों को निपटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसलिए हमारा मानना है कि अब यह मामला कुछ समय में ही हल हो जाएगा।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

महिला यूरो 2025 : स्विट्जरलैंड का सपना तोड़ सेमीफाइनल में पहुंचा स्पेन

बर्न, 19 जुलाई (एजेंसियां)।

मौजूदा विश्व चैंपियन स्पेन ने शुक्रवार (भारतीय समयानुसार शनिवार) को स्विट्जरलैंड की ऐतिहासिक यात्रा पर विराम लगाते हुए 2-0 की जीत के साथ महिला यूरो 2025 के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया।

बेंच से उतरकर एथेनेया डेल कास्टिलो ने पहला गोल दागा, जबकि क्लाउडिया पीना ने शानदार दूसरा गोल कर मुकाबले को निर्णायक बना दिया।

पहले घंटे तक मेज़बान स्विट्ज़ टीम ने शानदार बचाव करते हुए स्पेन को गोल करने से रोके रखा और पलटवार के जरिए मौके बनाए, लेकिन जैसे ही स्पेन ने लय पकड़ी, उन्होंने मैच पर पूरी तरह नियंत्रण बना लिया।

मैच के बाद स्पेन की मिडफील्डर और प्लेमेकर आइताना बोनमाती ने कहा, हां, कई बार हम जल्दी बढ़त लेने की आदत में होते हैं, लेकिन असली फुटबॉल 90 मिनट का होता है, खासकर जब आप यूरोपीय चैम्पियनशिप खेल रहे हों।

मैच की शुरुआत में ही स्पेन को पेनल्टी मिली जब नादिन रीज़ेन ने मैरियोना कालदेंते को लापरवाही से टैकल किया, लेकिन कालदेंते खुद पेनल्टी लेने उतरीं और गेंद को पोस्ट के बाहर मार बैठीं।

पहले हाफ में पीना को कई मौके मिले, लेकिन स्विस डिफेंस ने बेहतरीन प्रदर्शन किया और स्कोर 0-0 पर बनाए रखा।

66वें मिनट में बोनमाती की रचनात्मकता ने खाता खोला, जब उन्होंने बैकहील पास से एथेनेया को सेट किया, जिन्होंने खूबसूरती से गोल दागा।

सिर्फ पांच मिनट बाद, स्विट्ज़ कप्तान लिया वेल्टी से गेंद छीनकर क्लाउडिया पीना ने गेंद को गोल के ऊपरी कोने में शानदार तरीके से डाल दिया, जिससे स्पेन ने 2-0 की अजेय बढ़त बना ली।

अंतिम क्षणों में मैच में और ड्रामा देखने को मिला, जब स्पेन की एलेक्सिया पुटेलास एक और पेनल्टी चूक गईं और स्विट्ज़ की नोएल मारिट्ज को स्टॉपेज टाइम में सीधा रेड कार्ड दिखाया गया।

जीत के बाद स्पेन की टीम ने गोल घेरे में नाचकर जश्न मनाया, वहीं दर्शकों ने तालियों और गीतों के साथ स्विस टीम को विदाई दी, जिसने पहली बार यूरो में नॉकआउट तक पहुंचने का गौरव प्राप्त किया।

स्पेन की डिफेंडर लाइया एलेक्सांद्री ने कहा, हमने मानसिक मजबूती दिखाई। क्वार्टरफाइनल आसान नहीं होता, लेकिन हमने धैर्य रखा और टीम की परिपक्वता नजर आई। स्पेनिश टीम ने मैच के बाद मैदान छोड़ रही स्विस खिलाड़ियों के लिए गार्ड ऑफ ऑनर बनाया, जो खेल भावना का प्रतीक था। अब स्पेन का सामना सेमीफाइनल में फ्रांस और जर्मनी के बीच होने वाले दूसरे क्वार्टरफाइनल के विजेता से होगा। एलेक्सांद्री ने कहा, अब यह जश्न का समय है नाचना, गाना, खुशी मनाना। सेमीफाइनल में पहुंचना एक बड़ा कदम है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

बित्रा द्वीप...

धीरे-धीरे लोग यहां आएं और यहां पर खास तौर पर मुसलमानों को बसाया गया। अभी यहां सौ से 105 परिवार ही रहते हैं, जिन्हें अन्यत्र पुनर्वासित किया जा रहा है। विडंबना यह है कि देश के इस महत्वपूर्ण निर्णय का भी कांग्रेस पार्टी विरोध कर रही है। कांग्रेस सांसद हामदुल्ला सईद ने भारत सरकार के इस कदम का विरोध कर आरोप लगाया कि सरकार ने स्थानीय लोगों से कोई सलाह नहीं ली और यह इलाके में शांति भंग करने की कोशिश है। हामदुल्ला सईद का साथ देते हुए कांग्रेस पार्टी भारत सरकार के इस फैसले के खिलाफ राजनीतिक और कानूनी लड़ाई लड़ने की बात कह रही है। बहरहाल, हिंद महासागर क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लिए जा रहे भारत सरकार के निर्णय के बहुआयामी हित हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 2024 में हुई लक्षद्वीप की यात्रा कोई छुट्टियां मनाने और तफरीह करने के लिए नहीं हुई थी। उस यात्रा का खास मतलब था। उस यात्रा के बाद ही लक्षद्वीप के दो द्वीपों मिनिकॉय और अगाती में रक्षा के साथ-साथ पर्यटन के दोहरे उद्देश्य वाला एयरपोर्ट बनाने का फैसला लिया गया। भारत सरकार ने ठीक एक साल पहले 18 जुलाई 2024 को लक्षद्वीप के मिनिकॉय द्वीप पर नया एयरपोर्ट बनाने की मंजूरी दी थी। इस एयरपोर्ट का इस्तेमाल थल सेना, वायुसेना, नौसेना और कोस्ट गार्ड के साथ-साथ और आम नागरिकों के लिए भी होगा।

मिनिकॉय द्वीप मालदीव से सिर्फ 50 मील दूर है। इससे भारतीय सेना को अरब सागर और हिंद महासागर पर निगरानी रखने में मदद मिलेगी। अभी लक्षद्वीप में सिर्फ अगाती द्वीप पर ही एयरपोर्ट है, लेकिन वह पुराना है, इसलिए उसे आधुनिक और सामरिक तरीके से सुधारा जा रहा है। अगाती और मिनिकॉय आइलैंड्स पर दो नए एयरफील्ड्स बनाए जा रहे हैं। अगाती पर मौजूद पुराने रनवे को सुधारा भी जा रहा है। मिनिकॉय द्वीप पर नौसैनिक अड्डा भी होगा, जहां आईएनएस जटायु रहेगा। इस बेस की दूरी मालदीव से 524 किलोमीटर है। इस बेस और रनवे से भारतीय सेना, वायुसेना और नौसेना मालदीव और चीन की हरकतों पर सीधी नजर रख पाएंगे।

अगाती आइलैंड की एयरस्ट्रिप को अपग्रेड किया जा रहा है, ताकि भारतीय सेना हिंद और अरब महासागर में शांति स्थापित रख सके। इसके अलावा इंडो-पैसिफिक रीजन में समुद्री सुरक्षा बरकरार रख सके। पूर्व में अंडमान और पश्चिम में लक्षद्वीप पर मजबूत तैनाती से भारत की समुद्री सीमा सुरक्षित रहेगी। साथ ही दोनों द्वीप समूहों पर पर्यटन भी बढ़ेगा। लोग यहां घूमते समय सुरक्षित महसूस करेंगे। मिनिकॉय द्वीप पर ड्यूल परपस एयरफील्ड बनाया जा रहा है, जहां से फाइटर जेट्स का संचालन होगा और इसके अलावा यहां पर आम नागरिक विमान भी आ-जा सकेंगे। साथ ही अन्य मिलिट्री एयरक्राफ्ट की लैंडिंग और टेकऑफ हो पाएगी।

इससे पहले सिर्फ मिलिट्री इस्तेमाल के लिए एयरफील्ड बनाने का प्रस्ताव सरकार के पास गया था। लेकिन अब उसे अपग्रेड करके दोहरे उद्देश्य के एयरफील्ड के तौर पर बनाया जा रहा है जिससे भारत अरब सागर और हिंद महासागर में चारों तरफ कड़ी निगरानी रख सकेगा। समुद्री लुटेरों की गतिविधियों पर भी अंकुश लगेगा। नौसेना और वायुसेना के लिए हिंद महासागर और अरब सागर में ऑपरेट करना ज्यादा आसान हो जाएगा। साथ ही चीन की बढ़ती गतिविधियों पर रोक लगाने का मौका भी मिलेगा। मिनिकॉय आइलैंड पर एयरस्ट्रिप बनाने का सबसे पहला प्रस्ताव भारतीय तटरक्षक बल ने दिया था। वर्तमान प्रस्ताव के तहत इस नए एयरपोर्ट और एयरफील्ड का संचालन भारतीय वायुसेना करेगी। लक्षद्वीप के आसपास फिलहाल सिर्फ एक ही एयरस्ट्रिप है। यह अगाती आइलैंड पर है। यहां पर हर तरह के विमान उतर नहीं सकते। लक्षद्वीप के कावारत्ती द्वीप पर भारतीय नौसेना का आईएनएस द्वीप-रक्षक नौसैनिक बेस है। यहां पर भारतीय नौसेना पहले से मजबूत है। अब तैयारी है यहां वायुसेना की मौजूदगी और ताकत बढ़ाने की। आईएनएस द्वीप-रक्षक दक्षिणी नौसैनिक कमांड का हिस्सा है। भारतीय नौसेना कावारत्ती द्वीप पर 1980 के दशक से संचालन कर रही है।

उत्तर प्रदेश में ...

ऐसे वक्त में जब इस बात को लेकर जबरदस्त चर्चा है कि यूपी में पार्टी किसे प्रदेश अध्यक्ष बनाएगी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का दिल्ली दौरा बेहद अहम माना जा रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आज दिल्ली पहुंचे और उन्होंने सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। उसके बाद उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की। यह समझा जा सकता है कि योगी का दिल्ली दौरा कितना अहम है। निश्चित रूप से योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश अध्यक्ष के पद को लेकर अपनी पसंद पार्टी नेतृत्व को बताई है।

यूपी में भाजपा द्वारा अभी तक अगले प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा नहीं की गई है और इस वजह से इसे लेकर चर्चाएं तेज हैं। भाजपाई कहते हैं कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के बाद ही इसका भी फैसला होगा। ऐसा इसलिए क्योंकि यूपी का मामला बहुत पेचीदा हो गया है। लोकसभा चुनाव में भाजपा के खराब प्रदर्शन के बाद पार्टी हाईकमान कोई रिस्क लेने के मूड में नहीं है। इस वजह से जिसे भी प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी जाएगी उसके सीएम योगी आदित्यनाथ से रिश्तों का भी ख्याल रखा जाएगा।

एक खास बात यह भी है कि यूपी में भाजपा जिस प्रदेश अध्यक्ष के साथ लोकसभा चुनाव में उतरती है, उसके साथ विधानसभा का चुनाव नहीं लड़ते हैं। सालों से यही परंपरा रही है। इसीलिए माना जा रहा है कि वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी रिपीट नहीं होंगे। जैसे पड़ोसी राज्य उत्तराखंड में महेन्द्र भट्ट को दोबारा अध्यक्ष बना दिया गया है। यूपी में इसकी संभावना दूर दूर तक नहीं है। सवाल ये है कि यूपी में चुनाव कब होगा! इतनी देरी क्यों! किस बात पर मामला फंस गया है! मतलब ये है कि यूपी भाजपा का नया अध्यक्ष कब चुना जाएगा?

दिल्ली से लेकर लखनऊ तक के भाजपा नेता-कार्यकर्ता बता रहे हैं कि पहले भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होगा और फिर यूपी के प्रदेश अध्यक्ष का फैसला होगा। मतलब ये है कि यूपी भाजपा अध्यक्ष के चुनाव में कई सारे पेंच हैं। जिसमें नया अध्यक्ष किस बिरादरी का हो। हालांकि, भाजपा ओबीसी, दलित और ब्राह्मण चेहरे पर भी फोकस कर रही है,लेकिन सबसे ज्यादा संभावना ओबीसी चेहरे को लेकर है। सवाल यह भी है कि यूपी भाजपा का नया अध्यक्ष पूर्वांचल का हो या फिर पश्चिमी यूपी से और सीएम योगी से उस नेता के रिश्ते कैसे हैं।

भाजपा नेताओं का एक गुट चाहता है कि पीएम नरेंद्र मोदी खुद ओबीसी हैं तो ऐसे में किसी ब्राह्मण नेता को यूपी का अध्यक्ष बनाया जाए, लेकिन पिछले लोकसभा चुनाव के नतीजों ने पार्टी के लिए खतरे की घंटी बजा दी है। उस चुनाव में भाजपा और उसके सहयोगी दल मिल कर 36 सीट ही जीत पाए। इनमें भाजपा के 33, आरएलडी के 2 और अपना दल के एक सांसद हैं। साल 2019 के मुकाबले एनडीए को 28 सीटों का नुकसान हुआ, जबकि पीडीए के फार्मूले से समाजवादी पार्टी ने अब तक का सबसे बढ़िया प्रदर्शन किया। उसे 37 सीटें मिली। पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा को यूपी में 41.4 प्रतिशत वोट मिले। जबकि 2019 के चुनाव में 49.6 प्रतिशत वोट मिले थे। मतलब भाजपा का वोट शेयर करीब आठ फीसदी कम हो गया।

उत्तर प्रदेश में बसपा लगातार कमजोर होती गई। ऐसे में अगले विधानसभा चुनाव में अधिकतर सीटों पर समाजवादी पार्टी और भाजपा का सीधा मुकाबला हो सकता है। माना जा रहा है कि सपा चीफ अखिलेश यादव इस बार मुस्लिम यादव के बदले पिछड़ों और दलितों को अधिक टिकट देने के मूड में हैं। ऐसे में भाजपा को भी अपना सामाजिक समीकरण फिर से सेट करना होगा। इस हिसाब से गैर यादव ओबीसी नेता ही अध्यक्ष के लिए सबसे बेहतर हो सकते हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में पटेल, कुर्मी, सैनी और शक्य बिरादरी का एक बड़ा तबका भाजपा से छिटक गया था। निषाद पार्टी से गठबंधन के बाद भी इस जाति के भी एक हिस्से ने समाजवाद पार्टी को वोट किया। दूसरा मसला सीएम योगी आदित्यनाथ का है। दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक से उनके रिश्ते अच्छे नहीं है। पार्टी के वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी के साथ भी योगी का वही संबंध है। ऐसे में उस नेता को ये जिम्मेदारी दी जाएगी जिनके योगी से रिश्ते बेहतर हों।

व्यापारिक और...

मई में भारत और ब्रिटेन ने मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, जिससे टैरिफ से 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात को लाभ मिलने की उम्मीद है। इससे ब्रिटिश फर्मों के लिए भारत में व्हिस्की, कार और अन्य उत्पादों का निर्यात करना आसान हो जाएगा। साथ ही समग्र व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। एफटीए के साथ-साथ यूरोपीय संघ छोड़ने के बाद से ब्रिटेन द्वारा किया गया सबसे बड़ा एफटीए किए। प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों समझौतों को दोनों अर्थव्यवस्थाओं में व्यापार, निवेश, विकास और रोजगार सृजन को उत्प्रेरित करने और भारत-ब्रिटेन व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने के लिए ऐतिहासिक मील का पत्थर बताया था। अधिकारियों के अनुसार तीन साल की बातचीत के बाद तय किए गए व्यापार समझौते से सभी क्षेत्रों में भारतीय वस्तुओं के लिए व्यापक बाजार पहुंच सुनिश्चित होने की उम्मीद है। भारत को लगभग 99 प्रतिशत टैरिफ लाइनों (उत्पाद श्रेणियों) पर टैरिफ उन्मूलन से लाभ होगा, जो लगभग 100 प्रतिशत व्यापार मूल्यों को कवर करता है।

मोदी की इस यात्रा के दौरान दोनों पक्षों द्वारा रक्षा और सुरक्षा सहयोग का विस्तार करने के तरीकों का पता लगाने की भी उम्मीद है। दोनों पक्ष प्रौद्योगिकी सुरक्षा पहल (टीएसआई) के कार्यान्वयन पर भी विचार-विमर्श कर सकते हैं। पिछले साल जुलाई में दोनों देशों ने प्रौद्योगिकी सुरक्षा पहल को अंतिम रूप दिया था, जो दूरसंचार, महत्वपूर्ण खनिजों, अर्धचालकों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता सहित कई प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में सहयोग के लिए एक साहसिक नया दृष्टिकोण निर्धारित करता है।

भारत के खिलाफ...

जांच में पता चला कि मोइद्दीन डब्ल्यूजीएसजेडसी की विशेष क्षेत्रीय समिति का सदस्य था और सितंबर 2023 में केंद्रीय समिति के सदस्य संजय दीपक राव की गिरफ्तारी के बाद उसने डब्ल्यूजीएसजेडसी के सचिव का पदभार संभाला था।

एनआईए ने कहा कि मोइद्दीन डब्ल्यूजीएसजेडसी में पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (पीएलजीए) दस्तों की देखरेख करता था, भर्ती अभियानों का नेतृत्व करता था, माओवादी विचारधारा का प्रचार करता था। वह केरल-कर्नाटक-तमिलनाडु त्रि-जंक्शन में सुरक्षा बलों को निशाना बनाकर हिंसक कार्रवाइयों की योजना बनाता था। मोइद्दीन को अगस्त 2024 में केरल पुलिस ने हिरासत में लिया और जनवरी 2025 में एनआईए ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

कानूनी नोटिस ...

तहत काम करता है। एफआईपी ने मीडिया संस्थानों से कहा कि आधिकारिक जांच के परिणाम जारी होने तक रॉयटर्स और सभी संबद्ध प्लेटफॉर्म्स को दुर्घटना और विमान को संचालित करने वाले पायलटों से संबंधित असत्यापित, अटकलों से जुड़ी अनौपचारिक रिपोर्ट को पेश करने के खिलाफ आगाह करने का निर्देश दिया जाता है।

कानूनी नोटिस में रॉयटर्स से कहा गया है कि वह आधिकारिक पुष्टि और अंतिम रिपोर्ट के अभाव में दुर्घटना के कारण के बारे में अटकलें लगाने वाली या किसी व्यक्ति, विशेष रूप से मृत पायलटों को दोषी ठहराने वाली कोई भी सामग्री प्रकाशित या प्रसारित करने से रोकें। वह 17 जुलाई 2025 को प्रकाशित रिपोर्ट की तुरंत समीक्षा और संशोधन करें। इसमें एक उपयुक्त अस्वीकरण शामिल हो और ऐसी किसी भी सामग्री को हटा दें जिसे दोष देने के रूप में समझा जा सकता है। एफआईपी ने रॉयटर्स को एक स्पष्टीकरण जारी करने के लिए कहा है। इसमें यह स्वीकार किया गया हो कि अधिकारियों ने कोई अंतिम निष्कर्ष जारी नहीं किया है। यह लेख कुछ रिपोर्टों पर आधारित था। नोटिस में चेतावनी दी गई है कि कृपया ध्यान दें कि इस नोटिस के अनुसार कार्रवाई न करने पर मानहानि, मानसिक पीड़ा और प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने के लिए लागू कानून के तहत सभी कानूनी उपायों का सहारा लेना पड़ सकता है।

भारतीय पायलट संघ के अध्यक्ष कैप्टन सीएस रंधावा ने कहा कि हम एनटीएसबी बोर्ड के बयान से खुश हैं। इससे पश्चिमी मीडिया में चल रही रिपोर्टों पर रोक लगेगी। वे अपनी ही दुनिया में मस्त हैं और सोचते हैं कि वे कुछ भी प्रकाशित करके बच निकल सकते हैं। भारतीय रिपोर्ट बिल्कुल स्पष्ट है। हमें अंतिम रिपोर्ट आने का इंतज़ार करना होगा। देश में विमानन दुर्घटनाओं और महत्वपूर्ण परिवहन घटनाओं की जांच के लिए जिम्मेदार अमेरिकी संघीय एजेंसी राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड ने शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) को विमान हादसे पर मीडिया में आई हालिया कवरेज की कड़ी आलोचना की थी।

एनटीएसबी की अध्यक्ष जेनिफर होमेंडी ने कहा था कि एअर इंडिया 171 दुर्घटना पर हालिया मीडिया रिपोर्टें समय से पहले और अटकलें लगाने वाली हैं। भारत के विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो ने अभी अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की है। इतने बड़े पैमाने की जांच में समय लगता है। हम एआईबी की सार्वजनिक अपील का पूरा समर्थन करते हैं। सभी जांच संबंधी प्रश्न एएआईबी को भेजे जाने चाहिए।

दुनिया में आठवें ...

मेहनत और लगातार प्रयासों का बड़ा हाथ है। पिछले एक दशक से पहले भारत की पर्यटन अर्थव्यवस्था की स्थिति ज्यादा मजबूत नहीं थी। 2013 में डब्ल्यूटीटीसी की रिपोर्ट के अनुसार, पर्यटन की विकास दर 6-7 प्रतिशत के आसपास थी, लेकिन वैश्विक रैंकिंग में भारत 24वें स्थान या उससे नीचे था। विदेशी पर्यटकों की संख्या 2013 में लगभग 6.97 मिलियन थी, जो 2019 तक बढ़कर 10.93 मिलियन हो गई। जीडीपी में योगदान 5-6 प्रतिशत था। इन सबके पीछे कई समस्याएं भी थीं, जैसे एयरपोर्ट कम थे (2014 में सिर्फ 74), सड़कें खराब, होटल की कमी और जटिल वीजा प्रक्रिया। इसी में 2020 में कोविड-19 महामारी ने पर्यटन उद्योग को और बड़ा झटका दिया। विदेशी पर्यटकों की संख्या घटकर 2.74 मिलियन रह गई, और जीडीपी में योगदान 4 प्रतिशत तक गिर गया। होटल, टूर ऑपरेटर, गाइड्स, और छोटे-मोटे दुकानदार सब परेशान थे। लेकिन इसके बाद जो हुआ, वह भारत की मेहनत और जज्बे की मिसाल है।कोविड के बाद तेज रिकवरी हुई। 2023 में विदेशी पर्यटक 9.52 मिलियन पहुंच गए, जो 2019 के 87 प्रतिशत के बराबर था। घरेलू पर्यटन भी बढ़ा। 2023 में 2.5 अरब से ज्यादा घरेलू यात्राएं हुईं। यह सब सरकार की नीतियों से हुआ। 2014 से पर्यटन को प्राथमिकता दी गई। बजट आवंटन 2014 में 500 करोड़ रुपए था, जो अब 2,400 करोड़ से ज्यादा हो गया है। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार द्वारा साल 2002 में चलाए गए अतुल्य भारत अभियान को और मजबूत किया गया। सोशल मीडिया, फिल्मों और ब्लॉग्स के जरिए प्रमोशन बढ़ा। ट्रैवल कंटेंट ने भारत को वैश्विक स्तर पर चमकाया।

इसके अलावा स्वदेश दर्शन योजना 2014-15 में शुरू हुई, जिसमें थीम-आधारित पर्यटन सर्किट विकसित किए गए, जैसे बौद्ध सर्किट, रामायण सर्किट, वन्यजीव सर्किट। लेकिन शुरुआत में यह कई राज्यों में फैली हुई थी, इसलिए प्रभाव कम पड़ा। 2022 में स्वदेश दर्शन 2.0 लॉन्च हुई, जो एक-एक जगह पर केंद्रित है। इसमें सतत पर्यटन पर जोर - पर्यावरण को नुकसान न पहुंचे, स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत हो। पायलट प्रोजेक्ट में ओरछा (मध्य प्रदेश), गांडीकोटा (आंध्र प्रदेश), बोधगया (बिहार) जैसी सात जगहें शामिल हैं।

एक और महत्वपूर्ण योजना है प्रसाद (तीर्थयात्रा पुनरुद्धार और आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान)। यह धार्मिक स्थलों को सुधारने के लिए है। जैसे काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, अयोध्या का विकास, केदारनाथ का पुनर्निर्माण। इनसे धार्मिक पर्यटन बढ़ा और रोजगार मिला। 2024 तक प्रसाद के तहत 73 परियोजनाओं पर काम हुआ, जिसमें 1,400 करोड़ रुपए खर्च हुए। बुनियादी ढांचे में बदलाव जबरदस्त है। साल 2014 से 2025 तक राष्ट्रीय राजमार्ग 91,000 किलोमीटर से बढ़कर 1.46 लाख किलोमीटर हो गए। रेल विद्युतीकरण 98 प्रतिशत पहुंच गया। बंदरगाह क्षमता दोगुनी हुई। उड़ान योजना से 88 एयरपोर्ट चालू हुए, छोटे शहरों में उड़ानें बढ़ीं। वंदे भारत ट्रेनों से आरामदायक और तेज यात्रा संभव हुई। होटलों में निवेश बढ़ा। 2024 में 3,295 करोड़ रुपए के 40 प्रोजेक्ट मंजूर हुए, 23 राज्यों में प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्र बनाने के लिए।

पर्यटकों को आकर्षित करने की एक और वजह रही कि यहां वीजा नीति आसान की गई। ई-वीजा अब 167 देशों के लिए उपलब्ध है, ऑनलाइन आवेदन से विदेशी पर्यटक बढ़े। चिकित्सा पर्यटन को प्रोत्साहन भारत की सस्ती और गुणवत्ता वाली चिकित्सा सुविधाएं, जैसे आयुर्वेद और योग, ने लाखों विदेशी रोगियों को आकर्षित किया। 2024 में विदेशी पर्यटकों ने 3.10 लाख करोड़ रुपए खर्च किए, जो 2019 से ज्यादा है। सौंदर्यीकरण प्रयास भी बड़े हैं। स्वच्छ भारत अभियान से जगहें साफ हुईं। ताजमहल के आसपास सफाई, गंगा घाटों का सुधार।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने व्यक्तिगत रूप से कई जगहों को बढ़ावा दिया। उनका मानना है कि पर्यटन से रोजगार बढ़ता है और संस्कृति फैलती है। 2024 में लक्षद्वीप का दौरा किया और सोशल मीडिया पर तस्वीरें-वीडियो साझा किए। कहा, लक्षद्वीप की सुंदरता देखिए, यह मालदीव से कम नहीं। इसका प्रभाव यह हुआ कि लक्षद्वीप में पर्यटकों की संख्या दोगुनी हो गई - 2023 में एक लाख से कम, 2024 में दो लाख से ज्यादा। उड़ानें 88 प्रतिशत बढ़ीं। एक्स पर उनके पोस्ट ने लाखों को आकर्षित किया। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का उद्घाटन भी पीएम मोदी ने किया। इसका प्रभाव ये हुआ कि वाराणसी में पर्यटक 2014 के पांच करोड़ से बढ़कर 2022 में 7.2 करोड़ हो गए। कॉरिडोर में 10 करोड़ विजिटर्स आए। होटल बुकिंग दोगुनी हुईं। गुजरात में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी को दुनिया की सबसे ऊंची मूर्ति बताकर प्रमोट किया गया। अब वहां सालाना 50 लाख पर्यटक आते हैं, स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली।

कश्मीर का प्रचार करते हुए पीएम मोदी ने अनुच्छेद 370 हटने के बाद कहा, कश्मीर स्वर्ग है, घूमिए। इसके बाद फिल्मों की शूटिंग बढ़ी, पर्यटक बढ़े। 2024 में कश्मीर में दो करोड़ से ज्यादा पर्यटक आए। मणिपुर, पूर्वोत्तर की जगहों को भी बढ़ावा दिया, जैसे लोकटक झील। अकेले पूर्वोत्तर में पर्यटन 30 प्रतिशत बढ़ गया। पीएम मोदी और भारत सरकार ने विदेश यात्राओं में भी भारत को प्रमोट किया। जी20 शिखर सम्मेलन में दिल्ली और वाराणसी दिखाए। योग दिवस को वैश्विक बनाया, जो स्वास्थ्य पर्यटन बढ़ाता है। भारत की सस्ती और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं विदेशी पर्यटकों को खींच रही हैं। आयुर्वेद, योग, और मॉडर्न मेडिसिन ने भारत को मेडिकल टूरिज्म का हब बनाया। 2024 में लाखों विदेशी मरीज भारत आए।

कुल मिलाकर पीएम मोदी के प्रचार से घरेलू पर्यटन 95 प्रतिशत बढ़ा, जीडीपी में योगदान 6.6 प्रतिशत पहुंच गया, यानी 21 लाख करोड़ रुपए। 2024 में अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों का खर्च रिकॉर्ड 3.1 ट्रिलियन रुपए (36.8 अरब डॉलर) रहा, 2019 से नौ प्रतिशत ज्यादा। घरेलू खर्च 15.5 लाख करोड़ रुपए, 2019 से 22 प्रतिशत अधिक। डब्ल्यूटीटीसी का अनुमान है कि 2025 में यह 3.2 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचेगा। यह रिपोर्ट कोई आकस्मिक परिणाम नहीं है। 2014 से नीतिगत बदलाव - निजी निवेश को प्रोत्साहन, सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल। कोविड में टीकाकरण तेज किया, रिकवरी में मदद मिली। डब्ल्यूटीटीसी कहता है कि 2034 तक भारत दुनिया में चौथे नंबर पर पहुंच जाएगा। अर्थव्यवस्था में 42 लाख करोड़ रुपए का योगदान होगा और करीब 6.4 करोड़ नौकरियां सृजित होंगी।

भारत का टॉप 10 में पहुंचना कोई छोटी बात नहीं है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शिता, सरकार की नीतियों और स्थानीय लोगों की मेहनत का नतीजा है। पर्यटन सिर्फ पैसे की बात नहीं है; यह देश की संस्कृति, इतिहास, और विविधता को दुनिया तक ले जाने का जरिया है। काशी के घाटों से लेकर लक्षद्वीप के समुद्र तटों तक भारत हर कोने में खूबसूरत है। अगर इसे सही तरीके से प्रमोट किया जाए और पर्यावरण का ध्यान रखा जाए तो वह दिन दूर नहीं जब भारत दुनिया की टॉप 5 पर्यटन अर्थव्यवस्थाओं में शुमार होगा।

और सिस्टम ने...

के साथ सोता हुआ देखा। बस महिला के जीवन में प्रशासन ने उत्पात भर दिया। फिर नीना कुटीना से पूछताछ शुरू हो गई।

कुटीना ने अधिकारियों को बताया कि वह ध्यान और प्रार्थना के लिए गुफा में आई थी और खुद को और अपने बच्चों को आधुनिक शहरी जीवन से दूर प्रकृति के बीच ले जाना चाहती थी। जिस समय वहां पुलिस आई, गुफा में एक छोटे से गैस के चूल्हे पर बनी सब्जी और रोटी रखी। वे झरनों में नहा कर आथे और प्लास्टिक की चटाई पर सोए थे, खा भी नहीं पाए। कुटीना ने पुलिस को बताया कि वह पिछले नौ महीनों से भी अधिक समय से गुफा में रह रही थी।

कुटीना ने पुलिस अधिकारियों की इस चेतावनी को खारिज कर दिया कि यह रहने के लिए बेहद खतरनाक जगह है, खासकर मानसून के दौरान। कुटीना ने पुलिस से कहा कि जानवर और सांप हमारे दोस्त हैं। केवल इंसान ही खतरनाक होते हैं। उनकी आपत्तियों के बावजूद, पुलिस ने परिवार को गुफा से निकालकर शहर पहुंचा दिया। फिर भी चैन नहीं लेने दिया। कुटीना की अस्पताल में जांच के बाद उन्हें एक कड़ी सुरक्षा वाले आश्रय (जेल) में रख दिया गया है। स्थानीय पुलिस अधीक्षक एम नारायण ने कहा कि कुटीना मानव समाज से बहुत निराश लग रही थीं, फिर भी दयालु और आध्यात्मिक रूप से दृढ़ थीं।

कुटीना ने अपनी बड़ी और खूबसूरत गुफा से निकाले जाने के बाद एक दोस्त को संदेश भेजा कि उसके परिवार को बिना आसमान, बिना घास, बिना झरने वाली एक जेल में रखा गया है, जिसमें एक बर्फीली सख्त फर्श है जिस पर अब हम बारिश और सांपों से सुरक्षा के लिए सोते हैं। एक बार फिर, बुराई जीत गई है।आव्रजन रिकॉर्ड के अनुसार, नीना कुटीना पहली बार 2016 में भारत आई थी और गोवा के अरम्बोल बीच पर रुकी थी, जो रूसी यात्रियों के बीच एक लोकप्रिय गंतव्य है। एक साल बाद, उसने एक इजराइली व्यक्ति ड्रोर गोल्डस्टीन के साथ संबंध शुरू कर दिया था। 2018 में अपने वीज़ा की अवधि समाप्त होने के बाद कुटीना को रूस भेज दिया गया और वह यूक्रेन चली गई, जहां उसकी पहली बेटी हुई। पिछले रिश्ते से उसके पहले से ही दो बड़े बेटे थे। 2020 में कुटीना अपने बच्चों के साथ भारत लौट आईं। गोवा में उनकी मुलाकात गोल्डस्टीन से हुई और वे फिर से गर्भवती हुईं। कला और भाषा शिक्षक के रूप में काम करके उन्होंने पैसे कमाए। गोल्डस्टीन के अनुसार, जब वे वीजा रिन्युअल के लिए नेपाल गए इसी बीच कुटीना अपनी दोनों बेटियों के साथ गायब हो गईं। पिछले साल अक्टूबर में कुटीना के सबसे बड़े बेटे की मोटरसाइकिल दुर्घटना में मौत हो गई। गोल्डस्टीन ने कुटीना और बच्चों के गायब होने की सूचना पुलिस में दर्ज कराई थी। लेकिन कुछ पता नहीं चला।

कुटीना अपनी शांति को चुकी हैं। वे अपना बेटा भी खो चुकी हैं। वे कहती हैं, मेरी व्यक्तिगत क्षति इतनी है कि उसकी गिनती नहीं की जा सकती। गुफा में उनके बेटे की अस्थियां रखी थीं, वह भी नहीं दी। अब कुटीना को वापस रूस भेजने (डिपोर्ट करने) की तैयारी है। कुटीना और उसकी दो छोटी बेटियां हिरासत केंद्र में हैं उल्टी गिनती गिन रही हैं...

आज बुधादित्य योग में कर्क, कन्या, सहित अन्य राशियों की सूर्य देव चमकाएंगे किस्मत

आज रविवार, 20 जुलाई को सूर्य बुध की युति रविवार को कर्क राशि में होने से बुधादित्य योग बन रहा है। ऐसे में इस शुभ योग में कर्क, कन्या, धनु और कुंभ राशि पर सूर्य देवता की विशेष कृपा रहने वाली है। इनका पूरा दिन सुखदायक रहेगा और लाभ कमाने के इन्हें कई अवसर प्राप्त होंगे। व्यापार में की हुई मेहनत से आपको भविष्य में बड़ा लाभ मिलेगा और कार्यक्षेत्र में अपनी लगन व उत्साह से सफलता प्राप्त करेंगे। आपको नए संपर्क बनाने से फायदा हो सकता है और किस्मत चमकने की भी संभावना बनी हुई है। कुंभ राशि के लिए वाहन या भूमि खरीदने के योग भी बन रहे हैं।

मेष राशि : रुका हुआ धन होगा प्राप्त

आपको अपने दैनिक कार्यों को पूरा करने पर ध्यान देना होगा। व्यापार के मामले में आपके पुराने अनुभव अब काम आ सकते हैं, जिससे लाभ मिलने की भी संभावना है। कामकाज के सिलसिले में नए संपर्क बनाना भी आपके लिए लाभकारी रहेगा। अगर आप पैसा कहीं अटका हुआ था, तो वह अब अचानक से आपको प्राप्त हो सकता है। इसी के चलते धर्म और अध्यात्म में आपका विश्वास गहरा होगा।

वृषभ राशि : व्यापार में नई योजना से होगा लाभ

व्यापार से जुड़े लोगों को अपने कार्यक्षेत्र पर अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है। वहीं, जो लोग सरकारी नौकरी करते हैं उन्हें अपने वरिष्ठ अधिकारी का बेवजह का गुस्सा देखना पड़ सकता है। शाम के समय सामाजिक संबंध बनाने आपके लिए लाभदायक हो सकते हैं। व्यापार के मामले में नई योजना बनाने से आपको अचानक लाभ प्राप्त हो सकता है।

मिथुन राशि : समस्याओं का मिलेगा समाधान

अगर नौकरी या व्यवसाय से जुड़ी कुछ समस्याएं चल रही थी, तो अब उनका समाधान मिल सकता है। दिन के अंत में आपको छोटे-छोटे लाभ भी प्राप्त हो सकते हैं। अगर आप छोटा व्यवसाय करते हैं, तो खुद पर विश्वास करें क्योंकि यही आगे चलकर बड़ा बन सकता है। रात के समय आप मित्रों और परिजनों के साथ खुशनुमा समय व्यतीत कर सकते हैं।

कर्क राशि : दिन रहेगा शुभ, पूरा समय रहेंगे खुश

दिन शुभ रहने वाला है और पूरा दिन खुश रहेंगे। कार्यक्षेत्र में आपको किसी भी विरोधी आलोचना से दूर रहना होगा और अपने काम पर ध्यान देना ज्यादा बेहतर रहेगा। ऐसा करने से भविष्य में आपको सफलता जरूर प्राप्त होगी। आप सामाजिक क्षेत्र में मेल जोल बढ़ाने में भी सफल होंगे। वहीं, परिवार के साथ भी आज अच्छा समय बीतेगा।

सिंह राशि : मेहनत से मिलेगी नई उपलब्धियां

आपको कार्यक्षेत्र में अपने विरोधियों से सावधान रहना होगा। वे आपके खिलाफ कोई योजना बना सकते हैं। ऐसे में उन लोगों से दूरी बनाकर रखना बेहतर रहेगा। आपको अनावश्यक चिंताओं से भी बचना होगा, अन्यथा मानसिक तनाव ज्यादा बढ़ सकता है। व्यापार के मामले में आपको नई उपलब्धियां हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। इससे सामाजिक उत्तरदायित्व में भी बढ़ोतरी होगी। लेकिन

आपको किसी भी अनजान व्यक्ति से पैसों की लेन-देन से बचना होगा।

कन्या राशि : अपनी लगन और उत्साह से पाएंगे लाभ

कार्यक्षेत्र में आप अपने उत्साह, दृढ़ निश्चय और तुरंत सही निर्णय लेने वाली क्षमता के चलते लाभ प्राप्त करेंगे। घर-परिवार का माहौल भी खुशनुमा बना रहेगा और आपको पारिवारिक मंगल कार्यों से प्रसन्नता मिलेगी। आपका मन ज्यादा रचनात्मक कार्यों में लग सकता है। अगर कहीं विपरीत परिस्थिति आती है तो उस समय आपको अपने क्रोध को नियंत्रित रखना होगा। घर में चल रही समस्याओं से आज निजात मिलेगी। सूर्यास्त के समय आपको कहीं से अचानक लाभ हो सकता है।

तुला राशि : कार्यक्षेत्र में आएंगी समस्याएं

आपको कार्यक्षेत्र में समस्याओं का सही समाधान न मिलने का कारण मानसिक अशांति महसूस हो सकती है। साथ ही, आपके पद और अधिकार की महत्वाकांक्षा अन्तर्विरोध को पैदा कर सकती है। कामकाज के सिलसिले में कहीं दूर या पास की यात्रा पर जाने की योजना बन सकती है। लेकिन किसी कारण इसके टलने की भी संभावना बनी हुई है। व्यापार में काम धंधा धीमी गति से चल सकता है और घर-परिवार की समस्याओं से भी मन कुछ परेशान रह सकता है।

वृश्चिक राशि : व्यापार में बड़ा लाभ मिलने के योग

कार्यक्षेत्र में आप कुछ विशेष कार्य करने या योजना बनाने में ज्यादा व्यस्त रह सकते हैं। नौकरी करने वालों की आज अपने अधिकारियों से अच्छी बातचीत होगी और संपर्क भी मजबूत होंगे। आपको किसी सरकारी संस्था से बड़ा लाभ होने की संभावना भी बनी हुई है। लेकिन नकारात्मक विचारों से आपको दूर रहना होगा। शाम के समय संतान की ओर से आपको अचानक कोई शुभ समाचार सुनने को मिल सकता है।

धनु राशि : व्यापार में नए संपर्क से चमकेगी किस्मत

दिन मिले जुले परिणाम देने वाला रहेगा। कार्यस्थल पर आपको किसी भी बड़े अधिकारी से बहस या कहासुनी करने से बचना होगा। ऐसा करने से भविष्य में नुकसान हो सकता है। आपके लिए अपने क्रोध पर नियंत्रण रखना बहुत जरूरी होगा। व्यापार के मामले में नए संपर्क बनाने से आपकी किस्मत चमक सकती है और समाज में सम्मान बढ़ेगा। आप मित्रों के साथ किसी लंबी यात्रा पर भी जा सकते हैं।

मकर राशि : धैर्य के साथ करें समस्याओं का सामना

कार्यक्षेत्र में अपने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ किसी बात को लेकर आपकी बहस हो सकती है। ऐसे में कटु वाणी का प्रयोग न करें और अपने क्रोध को नियंत्रित रखें। शादीशुदा लोगों के जीवन में भी कुछ समस्याएं आ सकती हैं, जिन्हें शांत दिमाग से सुलझाना बेहतर होगा। वहीं, शाम के समय अचानक घर में अतिथि आ सकते हैं, जिससे थोड़ा खर्च भी बढ़ेगा।

कुंभ राशि : वाहन या भूमि खरीदने के बन रहे योग

आप कोई वाहन या भूमि खरीद सकते हैं। साथ ही, स्थान परिवर्तन का भी शुभ संयोग बनता दिख रहा है। गोचर के प्रभाव से आपको सफलता प्राप्त हो सकती है। अपने सुख और घर के उपयोग के लिए आप कुछ प्रिय वस्तु भी खरीद सकते हैं। लेकिन शाम होते होते कुछ अस्थिरता महसूस हो सकती है।

मीन राशि : व्यापार में मिलेगी कोई खास उपलब्धि

अगर आपने किसी प्रतियोगिता में भाग लिया था तो उसमें आपको जीत हासिल हो सकती है। व्यापार में कोई खास उपलब्धि प्राप्त होने से आपका मन पूरे दिन प्रसन्न रहेगा। आपका दिन संतान से जुड़ी कुछ समस्याओं का समाधान ढूंढने में भी व्यतीत हो सकता है। साथ ही, आपको अपने स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान देना होगा, अन्यथा मौसम परिवर्तन का असर आपकी सेहत पर पड़ सकता है।

सावन शिवरात्रि पर रहेगा भद्रा का साया

जानिए किस समय शिवजी को चढ़ाएं जल

हर साल सावन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि पर शिवरात्रि का पर्व मनाया जाता है, जिसे सावन शिवरात्रि कहते हैं। कहते हैं कि इस दिन अगर भोलेनाथ को मात्र एक लोटा जल चढ़ा दिया जाए, तो वो इससे भी प्रसन्न हो जाते हैं। सावन शिवरात्रि पर पूजा-पाठ के अलावा व्रत करना भी अत्यंत शुभ माना गया है। मान्यता है कि इस दिन पूजा करने और व्रत रखकर शिवलिंग का अभिषेक करने से व्यक्ति को धन, सुख-समृद्धि और यश की प्राप्ति होती है।

पौराणिक मान्यता है कि सावन शिवरात्रि पर शिव-पार्वती का पुनर्मिलन हुआ था। यही कारण है कि इस दिन की गई पूजा से वैवाहिक जीवन खुशहाल होता है और मनचाहा वर पाने की कामना भी पूरी होती है। इस साल 2025 को सावन शिवरात्रि 23 जुलाई को है। हालांकि, इस बार शिवरात्रि पर भद्रा का साया रहने वाला है।

सावन शिवरात्रि 2025 तिथि

सावन शिवरात्रि तिथि शुरू :-
23 जुलाई को सुबह 4:39 मिनट पर।
सावन शिव रात्रि तिथि समाप्त :-
24 जुलाई को देर रात 2:28 मिनट पर।
ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, सावन शिवरात्रि 23 जुलाई 2025 को मनाई जाएगी।

भद्रा का साया कब तक रहेगा?

पंचांग के अनुसार, सावन शिवरात्रि पर भद्रा 23 जुलाई को सुबह 5:37 मिनट से लेकर दोपहर 3:31 मिनट तक रहेगा। भद्रा के दौरान पूजा-पाठ करना शुभ नहीं माना जाता है। ऐसे में इस दौरान शिवजी का अभिषेक न करें।

शिवरात्रि पूजा का शुभ मुहूर्त क्या है?

प्रथम प्रहर पूजा समय:-
शाम 6:59 से रात 9:36 तक।
द्वितीय प्रहर पूजा समय:-
रात 9:36 से रात 12:13 तक।
तृतीय प्रहर पूजा समय:-
रात 12:13 से देर रात 2:50 तक।
चतुर्थ प्रहर पूजा समय:-
देर रात 2:50 सुबह 5:27 तक।

शिवरात्रि पर जल चढ़ाने का समय 2025

ज्योतिष के अनुसार, सावन शिवरात्रि पर दोपहर 3:31 मिनट तक भद्रा का साया रहेगा। ऐसे में आप ब्रह्म मुहूर्त में भोलेनाथ की पूजा और जलाभिषेक कर सकते हैं। ब्रह्म मुहूर्त को पूजा करने के लिए अति उत्तम माना गया है।

सावन शिवरात्रि व्रत पारण टाइम

पंचांग के अनुसार, आप सावन शिवरात्रि व्रत का पारण 24 जुलाई को सुबह 5:27 मिनट के बीच कर सकते हैं।

मनोकामना पूरी होने के बाद कांवड़ यात्रा पर कितनी बार जाना चाहिए?

साल 2025 में सावन का महीना 11 जुलाई से शुरू हो चुका है, सावन माह की शुरूआत के साथ कांवड़ यात्रा भी शुरू हो जाती है। इस दौरान लाखों शिव भक्त अपने कांधे पर कांवड़ लेकर पवित्र गंगा जल भरने के लिए चल देते हैं। यह भक्तों की भगवान शिव के प्रति श्रृद्धा का प्रतीक है। पवित्र गंगा जल लेकर अपने स्थान पर शिवलिंग पर जलाभिषेक करते हैं। साल 2025 में शिवलिंग पर जल 23 जुलाई , 2025 बुधवार यानि सावन शिवरात्रि के दिन चढ़ेगा। हालांकि सावन में कई जगह जल सावन के हर सोमवार को चढ़ता है।

भक्त किसी ना किसी मनोकामना के साथ कांवड़ लेकर जाते हैं। जिस जीवनदायिनी नदी गंगा से लोटे भर जल से भगवान शिव का अभिषेक किया जाता है वह शिव वास्तव में सृष्टि का ही दूसरा रूप हैं। मनोकामना पूर्ण हो जाने के कांवड़ लेकर आते हैं। लेकिन आज जानते हैं कि आखिरी कितनी बार मनोकामना पूर्ण हो जाने के बाद कांवड़ लेकर आनी चाहिए।

कितनी बार करनी चाहिए कावंड़ यात्रा?

जो लोग मनोकामना पूर्ण होने के बाद कांवड़ लेकर आते हैं उनको 2,5,7,11 या 21 बार कांवड़ लेकर आनी चाहिए। यह भक्त की इच्छा पर निर्भर करता है की वो कितनी बार कांवड़ लेकर आने चाहते हैं। यह भगवान शिव के प्रति उनकी श्रृद्धा और भक्ति को दर्शाता है।

कांवड़ यात्रा के नियम

कांवड़ यात्रा भक्त की इच्छाशक्ति और भक्ति का प्रतीक है। कांवड़ यात्रा के नियम बहुत कठिन हैं। इस यात्रा के दौरान भक्त नंगे पैर चलकर कई किलोमीटर तक पैदल जाते हैं और जल भरकर वापस लेकर आते हैं। इस यात्रा के दौरान कांवड़ को जमीन पर नहीं रखना चहिए। मांस, मदिरा का सेवन ना करें और बोल बम और ऊं नम: शिवाय: के जयकारों के साथ यह यात्रा की जाती है।

शिवलिंग पर चढ़े हुए जल के प्रयोग से मिलते चमत्कारी फायदे!

सावन के महीने में शिव पर जल अर्पित करने के महत्व को सनातन में बखूबी बताया गया है। वेदों, पुराणों सब में इसके चमत्कारी लाभों को वर्णित किया गया है। माना जाता है कि सावन के महीने में शिव पर जल चढ़ाने से आपकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं।

भक्तों का मानना है कि इस पवित्र माह में भोलेनाथ पर किए गए जलाभिषेक से विशेष कृपा प्राप्त होती है। इस जल के अनेकों अनेक फायदे भक्तों द्वारा बताए जाते हैं। आज हम उन्हीं मान्यताओं पर आधारित इस जल के चमत्कारी फायदे आपको बताने जा रहे हैं।

नेत्रों पर लगाने के फायदे

मान्यताओं के अनुसार शिव पर चले चढ़े हुए जल को जलधारी के नीचे से एकत्र करके जो व्यक्ति अपने नेत्रों पर लगता है उसकी दृष्टि पवित्र और तेजस्वी हो जाती है। ऐसे व्यक्ति को नेत्र संबंधी रोगों में भी राहत मिलती है तथा दिव्य शक्ति प्राप्त होती है।

कंठ पर लगाने के फायदे

वहीं जलाभिषेक के बाद गिरने वाले जल को कंठ पर लगाने से वाणी में मधुरता और प्रभाव आता है। माना जाता है कि इससे आपकी वाणी प्रभावशाली हो जाती है। यह प्रथा सदियों से चली आ रही है। लोग इस जल को अपने कंठ पर स्पर्श करते हैं।

मस्तिष्क पर लगाने के फायदे

वही शिवलिंग के चढ़े हुए जल का एक और चमत्कार है। माना जाता है कि इस मस्तिष्क पर धारण करने से चित्र शांत और बुद्धि निर्मल हो जाती है। मानसिक विशुद्धियों का नाश होता है। व्यक्ति के मन में उन्नत विचार आते हैं और शांति की अनुभूति होती है।

शरीर पर छिड़कने के फायदे

शिवलिंग पर चढ़े हुए जल को अपने शरीर पर छिड़कने से नवग्रह के बुरे प्रभाव से छुटकारा मिलता है। ऐसा माना जाता है कि शरीर के कष्टों के साथ-साथ इससे ग्रह दोषों की परेशानियों से भी छुटकारा मिल जाता है।

स्पर्श मात्र से परम सुख के अनुभूति

मान्यता है की शिवलिंग पर चढ़ा हुआ जल चमत्कारी होता है। उसके स्पर्श मात्र से परम सुख के अनुभूति होती है और आपके जीवन के विकास और भ्रांतियां दूर हो जाती है।

यही वजह है कि सदियों से लोग शिवलिंग पर चढ़े हुए जल को स्पर्श करते हैं और अपने ऊपर छिड़कते हैं। मान्यता है कि इससे असीम सुख और शांति की अनुभूति होती है।

भगवान विष्णु ने किस मंत्र से किया था भोलेनाथ को प्रसन्न?

सावन का महीना भगवान शिव की उपासना और आराधना का विशेष काल होता है। इस माह में शिवभक्त तरह-तरह की पूजा, व्रत और मंत्रों के माध्यम से भोलेनाथ को प्रसन्न करने का प्रयास करते हैं। ऐसे में एक प्राचीन और दिव्य मंत्र की चर्चा खास महत्व रखती है, जिसके बारे में मान्यता है कि स्वयं भगवान विष्णु ने इस मंत्र से भगवान शिव को प्रसन्न किया था। यह मंत्र न केवल आध्यात्मिक उन्नति देता है, बल्कि मनोकामनाओं की पूर्ति में भी सहायक माना जाता है। यह मंत्र है कर्पूरगौरं करुणावतारं संसारसारम् भुजगन्द्रहारम्, सदा बसंन्तं हृदयारबिंदे भंब भवानीसहितं नमामि।

कर्पूरगौरं' मंत्र और उसका महत्व

कर्पूरगौरं करुणावतारं यह मंत्र भगवान शिव की स्तुति का एक बहुत ही प्रसिद्ध और शक्तिशाली मंत्र है। इसका अर्थ भगवान शिव के दिव्य स्वरूप और गुणों का वर्णन करता है:

कर्पूरगौरं: जो कपूर के समान गौर वर्ण वाले हैं। यह उनकी शुद्धता और पवित्रता को दर्शाता है।

करुणावतारं: जो करुणा के अवतार हैं। भगवान शिव अपनी असीम दया और करुणा के लिए जाने जाते हैं।

संसारसारम्: जो इस संसार का सार हैं। वे ही सृष्टि के मूल तत्व और आधार हैं।

भुजगन्द्रहारम्: जिन्होंने नागराज को अपने गले में हार के रूप में धारण किया है। यह उनकी वैराग्य और नियंत्रण की शक्ति को

दर्शाता है।

सदा बसंन्तं हृदयारबिंदे: जो सदैव भक्तों के हृदय कमल में निवास करते हैं।

भंब भवानीसहितं नमामि: ऐसे भगवान शिव को माता भवानी (पार्वती) सहित मैं नमन करता हूं।

भगवान विष्णु ने क्यों किया इस मंत्र का जाप?

पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान शिव और भगवान विष्णु एक-दूसरे के प्रति अगाध श्रद्धा रखते हैं। कई कथाओं में वर्णित है कि जब भगवान विष्णु किसी समस्या में होते थे या किसी विशेष कार्य के लिए शिवजी की सहायता चाहते थे, तो वे उनकी स्तुति करते थे। यह मंत्र भगवान शिव को प्रसन्न करने और उनकी कृपा प्राप्त करने का एक माध्यम था।

ब्रह्म मुहूर्त में कौन-कौन से काम करने शुभ माने जाते हैं? जो बदल सकते हैं जीवन

हिंदू धर्म और ज्योतिष में ब्रह्म मुहूर्त का विशेष महत्व बताया गया है।सूर्योदय से लगभग डेढ़ घंटे पहले का यह समय आध्यात्मिक, शारीरिक और मानसिक विकास के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है।मान्यता है कि इस दौरान सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह सबसे अधिक होता है और किए गए कार्यों में सफलता मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

ब्रह्म मुहूर्त क्या है?

ब्रह्म मुहूर्त सूर्योदय से पहले का समय होता है।यह सूर्योदय से लगभग 1।5 घंटे (लगभग 96 मिनट) पूर्व शुरू होता है और सूर्योदय तक चलता है। उदाहरण के लिए, यदि सूर्योदय सुबह 6 बजे हो रहा है तो ब्रह्म मुहूर्त का आरंभ लगभग 4:24 बजे होगा और इसका समापन सूर्योदय से ठीक पहले 6 बजे के आस-पास हो जाएगा।

ध्यान और योग

इस समय मानसिक एकाग्रता सबसे अधिक होती है। इसलिए ब्रह्म मुहूर्त में ध्यान, प्राणायाम और योग करने से मन, शरीर और आत्मा को गहरा शांति और ऊर्जा मिलती है।

अध्ययन और स्मरण

शास्त्रों में कहा गया है कि इस समय की स्मरण शक्ति और ग्रहण शक्ति कई गुना बढ़ जाती है।इसलिए विद्यार्थी वर्ग को इस समय पढ़ाई करना अत्यंत लाभकारी होता है।

मंत्र जाप और पूजा-पाठ

ब्रह्म मुहूर्त में की गई साधना, मंत्र जाप और भगवान का ध्यान बहुत फलदायक होता है।विशेष रूप से शिव, विष्णु और गायत्री मंत्रों का जाप इस समय करना शुभ माना जाता है।

आत्मचिंतन और संकल्प लेना

यह समय आत्मनिरीक्षण के लिए सर्वश्रेष्ठ होता है।आप अपने जीवन के उद्देश्यों, कर्तव्यों और संकल्पों पर विचार कर सकते हैं और नए सकारात्मक विचारों की शुरुआत कर सकते हैं।

स्नान और दिनचर्या की शुरुआत

ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करने से शरीर शुद्ध होता है और मानसिक रूप से भी ताजगी बनी रहती है।इससे पूरे दिन की शुरुआत सकारात्मकता और ऊर्जा से होती है।

लेखन और रचनात्मक कार्य

कई साहित्यकार और कलाकार ब्रह्म मुहूर्त को रचनात्मक कार्यों जैसे लेखन, संगीत अभ्यास या पेंटिंग के लिए सबसे उपयुक्त मानते हैं।यह समय रचनात्मक विचारों से भरपूर होता है।

गीता दत्त की गायकी में छलकते थे जज्बात, दीवानी थीं लता मंगेशकर

गायकी सिर्फ सुर और ताल का खेल नहीं होती, बल्कि यह दिल से जुड़े एहसास का रूप होती है। जब कोई गायक अपनी आवाज में दिल की सच्ची भावनाएं डालता है, तो उसका गीत सीधे हमारे दिल तक पहुंच जाता है। गीता दत्त ऐसी ही गायिका थीं, जिनकी आवाज में सिर्फ संगीत नहीं, बल्कि उनके जज्बात भी छलकते थे। उनकी आवाज में एक खास तरह का दर्द, प्यार और खनक होती थी, जो सुनने वाले को अंदर तक छू जाती थी। यही वजह थी कि उस दौर की सबसे बड़ी गायिका लता मंगेशकर भी उनकी गायकी की दीवानी थीं। लता मंगेशकर ने कई बार कहा था कि गीता दत्त एक खास तरह की गायिका हैं, जिनकी गायकी में एक अलग ही प्यार और जुड़ाव था, जो उन्हें बहुत पसंद आता था। उन्होंने अपनी किताब 'लता सुर गाथा' में भी गीता दत्त का जिक्र किया था और उन्हें नेकदिल लड़की बताया था। अपनी किताब में उन्होंने उस पल को बयां किया, जब उन्हें गीता दत्त के निधन की खबर मिली थी।

किताब के जरिए लता मंगेशकर ने कहा, ''गीता दत्त को क्या हुआ कि मुझे मालूम ही नहीं चल सका कि उसकी मृत्यु हुई है। ताज्जुब की बात तो यह थी कि मुझे सलिल चौधरी जी का फोन आया और उन्होंने कहा, 'लता, तुम तुरंत चली आओ, गीता के साथ ऐसे-ऐसे हुआ है।' मुझे एकाएक धक्का लगा और मैं जब गई तो वे मुझे गीता के अंतिम दर्शन कराने लेकर गए। गीता से मेरी बहुत पटती थी और वह बहुत नेकदिल लड़की थी, इसलिए उसका अचानक यूं चले जाना कहीं भीतर निराश कर गया।''

गीता दत्त और लता मंगेशकर की पहली मुलाकात फिल्म 'शहनाई' के एक गाने 'जवानी की रेल चली जाय रे' की रिकॉर्डिंग के दौरान हुई थी। इस गाने में सुरों की दो रानियों ने अपनी मधुर आवाज दी थी। अपनी किताब में लता मंगेशकर ने गीता दत्त से जुड़ी एक दिलचस्प बात साझा की। उन्होंने बताया कि गीता दत्त का बोलने का तरीका पूरी तरह बंगाली था, जैसे बंगाल के लोग हिंदी बोलते हैं, वैसे ही। लेकिन जैसे ही गीता माइक के सामने आतीं, मानो कोई जादू हो जाता। उनका लहजा बदल जाता, उच्चारण बिल्कुल साफ-सुथरा हो जाता, और हिंदी इतनी सटीक हो जाती कि कोई सोच भी नहीं सकता कि ये वही बंगाली लड़की है जो अभी तक तो बंगालीनुमा हिंदी बोल रही थी।

उनके इस अनोखे अंदाज के चलते लता उनकी दीवानी थीं।

23 नवंबर 1930 को फरीदपुर (जो अब बांग्लादेश में है) में जन्मी गीता दत्त को बचपन से ही संगीत से खासा लगाव था। जब उनका परिवार कोलकाता से मुंबई आया, तब उनकी उम्र करीब 16 साल थी। यहीं से उनके संगीत सफर की शुरुआत हुई। उनकी मधुर आवाज ने जल्द ही सबका ध्यान खींचा और 1946 में उन्होंने पहली बार फिल्म 'भक्त प्रह्लाद' के लिए गाना गाया। उन्होंने अपने करियर में 'जाने कहां मेरा जिगर गया जी', 'बाबू जी धीरे चलना', 'पिया ऐसो जिया में समाय गयो रे', 'वक्त ने किया क्या हसीं सितम', 'मुझे जान न कहो मेरी जान', और 'ये लो मैं हारी पिया' जैसे अनगिनत हिट गाने दिए, जो आज भी लोगों के दिलों में बसते हैं। उन्होंने एस.डी. बर्मन, ओ.पी. नैय्यर, और हेमंत कुमार जैसे बड़े संगीतकारों के साथ काम किया।

गीता की जिंदगी में एक बड़ा मोड़ तब आया जब उन्होंने मशहूर निर्देशक और अभिनेता गुरु दत्त से शादी की। शादी के बाद उन्होंने कुछ समय तक फिल्मों से दूरी बना ली, लेकिन निजी जीवन की परेशानियों ने उन्हें अंदर से तोड़ दिया। गुरु दत्त के असमय निधन और पारिवारिक तनाव ने गीता को गहरा झटका दिया। धीरे-धीरे उनका स्वास्थ्य बिगड़ता गया और 20 जुलाई 1972 को महज 41 साल की उम्र में उनका निधन हो गया। बेशक गीता दत्त आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी भावनाओं में डूबी आवाज हमेशा अमर रहेगी।

इलाका सीरीज में कैसा होगा अपूर्वा अरोड़ा का किरदार एक्ट्रेस ने किया खुलासा

हिंदी, गुजराती, पंजाबी और कन्नड़ फिल्मों की जानी-मानी अभिनेत्री अपूर्वा अरोड़ा जल्द ही नई वेब सीरीज 'इलाका' में अविवा का किरदार निभाती नजर आएंगी। 'इलाका' सीरीज में अविवा साउथ बॉम्बे की एक अमीर लड़की है। वह एक ऐसे लड़के से प्यार कर बैठती है जो मुंबई के चॉल में रहता है। वह लोगों को उनके परिवार, पैसे या समाज में उनकी स्थिति से नहीं देखती। वह हर किसी को उनकी असली पहचान, उनके दिल और उनके अच्छे गुणों से देखती है। वह प्यार और इंसानियत को सबसे ऊपर रखती है।

अपूर्वा ने कहानी के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बताया, लेकिन उन्होंने कहा कि अविवा और उसके बॉयफ्रेंड का रिश्ता एक ऐसी उम्मीद की किरण बन जाता है जो प्रेम कहानियों में खुशियों की रोशनी लेकर आता है।

उन्होंने कहा, अविवा बहुत अमीर लड़की है जो साउथ बॉम्बे से है, और वह एक चॉल के लड़के को डेट कर रही है। उसे लोगों के सोशल स्टेटस की परवाह नहीं है, वह लोगों को उनकी असली पहचान से देखती है। उसका दिल बहुत साफ और सच्चा है। इस सीरीज में कई रहस्य और रोमांच हैं, इसलिए मैं कहानी के बारे में ज्यादा नहीं बता सकती, लेकिन अविवा और उसके बॉयफ्रेंड का रिश्ता इस मुश्किल दुनिया में खुशियां लेकर आता है।''

हाल ही में मेकर्स ने सीरीज का ट्रेलर रिलीज किया, जिसमें दिखाया गया है कि यहां सब कुछ वैसा नहीं होता जैसा दिखता है। लोग और उनके इरादे अक्सर अलग होते हैं। कहानी जैसे-जैसे आगे बढ़ती, अपूर्वा का किरदार खास और असरदार छाप छोड़ता जाता है। ये कहानी रिश्ते की जटिलता, प्यार, तनाव, टकराव और रहस्य से भरी हुई है।

अपूर्वा ने अक्षय कुमार की फिल्म 'हॉलिडे' में उनकी बहन का किरदार निभाया था। इसके अलावा, वह परेश रावल और अक्षय कुमार की फिल्म 'ओ माय गॉड' का भी हिस्सा रहीं।

सपने जैसा है बड़े पोस्टर्स और पर्दे पर खुद को देखना : फातिमा सना शेख

अभिनेत्री फातिमा सना शेख की दो फिल्में मेट्रो इन दिनों और आप जैसा कोई हाल ही में रिलीज हुई। सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट कर सना ने कहा कि बड़े पोस्टर्स और सिनेमाघरों के पर्दे पर खुद को देखना अभी भी सपने जैसा लगता है। फातिमा ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते हुए इसे लव लेटर करार दिया। फातिमा ने कैप्शन में लिखा, कभी नहीं सोचा था कि मेट्रो इन दिनों और आप जैसा कोई एक साथ रिलीज होंगी और दोनों को इतना प्यार मिलेगा।

उन्होंने दर्शकों से मिल रहे प्यार के लिए आभार जताया और कहा, मैं अभिभूत हूं, आभारी हूं, और अभी भी इस खुशी को आत्मसात कर रही हूं। बड़े पोस्टर्स और पर्दे पर खुद को देखना सपने जैसा है।

उन्होंने निर्देशक अनुराग बसु और विवेक सोनी को धन्यवाद देते हुए कहा कि दोनों ने उन्हें चुनौती दी, मार्गदर्शन किया और उनके दिल को प्यार से भर दिया। फातिमा ने लिखा, आपके प्यार, इस खूबसूरत सफर और मुझे सही मायनों में समझने के लिए शुक्रिया।

मेट्रो इन दिनों आधुनिक रिश्तों की मुश्किलों को पर्दे पर उतारती है, जिसमें प्रेम, दिल टूटने और मानवीय रिश्तों की कहानियां हैं। अनुराग बसु के निर्देशन में बनी इस फिल्म में फातिमा सना शेख के साथ आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, अली फजल, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, अनुपम खेर और नीना गुप्ता जैसे सितारे अहम भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म साल 2007 में आई अनुराग बसु की लाइफ इन अ... मेट्रो की सीक्वल है, जो शादी, प्रेम और रिश्तों जैसे विषयों को छूती है।वहीं, आप जैसा कोई में फातिमा के साथ अभिनेता आर. माधवन मुख्य भूमिकाओं में हैं। अभिनेता इस फिल्म में एक साधारण संस्कृत प्रोफेसर श्रीरेनु त्रिपाठी के किरदार में हैं, जबकि फातिमा एक फ्रेंच शिक्षिका मधु बोस की भूमिका में हैं।

फिल्म 'किंग' की शूटिंग के दौरान शाहरुख खान को लगी चोट

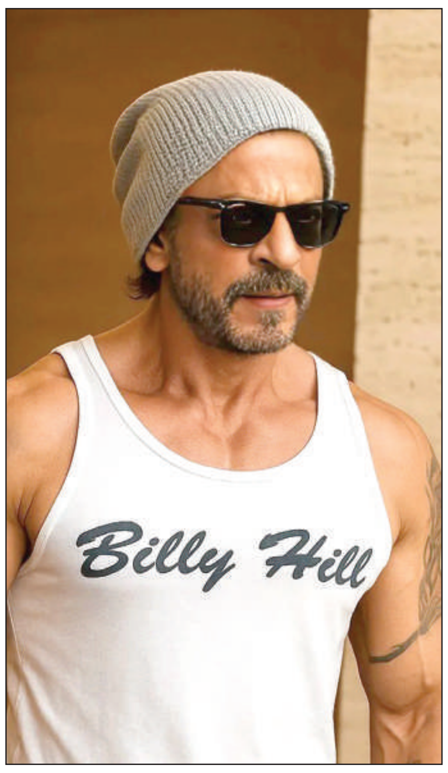

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान अपनी अपकमिंग फिल्म 'किंग' की शूटिंग के दौरान घायल हो गए हैं। यह हादसा मुंबई के गोल्डन टोबैको स्टूडियो में एक एक्शन सीक्वेंस फिल्माते समय हुआ। चोट लगने के बाद उन्हें इलाज के लिए अमेरिका ले जाया गया है, जहां डॉक्टरों ने फिलहाल एक महीने का आराम करने की सलाह दी है। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक, यह कोई गंभीर चोट नहीं है, बल्कि मांसपेशियों में खिंचाव या सामान्य स्ट्रेन है। एक सूत्र ने बताया, यह पहली बार नहीं है जब शाहरुख को एक्शन सीन करते समय चोट लगी हो। वह पहले भी कई बार ऐसी मांसपेशियों से जुड़ी चोटों का सामना कर चुके हैं।

चोट और इलाज की वजह से 'किंग' की शूटिंग को फिलहाल सितंबर या अक्टूबर तक के लिए टाल दिया गया है। जुलाई-अगस्त के जो शेड्यूल पहले से तय थे, उन्हें रद्द कर दिया गया है। शूटिंग के लिए फिल्म सिटी, YRF स्टूडियो और गोल्डन टोबैको स्टूडियो बुक किए गए थे, लेकिन अब पूरी टीम नई तारीखों का इंतजार कर रही है।

इस एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'किंग' का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद कर रहे हैं। फिल्म में शाहरुख के साथ दीपिका पादुकोण, सुहाना खान, अभिषेक बच्चन, रानी मुखर्जी और अनिल कपूर नजर आएंगे। शूटिंग भारत के अलावा यूरोप के लोकेशनों पर भी की जाएगी। फिल्म 2026 में रिलीज होगी और माना जा रहा है कि यह शाहरुख के करियर की सबसे महत्त्वाकांक्षी फिल्मों में से एक होगी। इससे पहले वह 'पठान', 'जवान' और 'डंकी' जैसी हिट फिल्मों में नजर आ चुके हैं।फैंस अब उनकी जल्द रिकवरी की दुआ कर रहे हैं और उम्मीद है कि 'किंग' में वह एक बार फिर दमदार अंदाज़ में वापसी करेंगे।

फिल्म लगान से लेकर मुन्ना भाई एमबीबीएस तक, ऐसा रहा ग्रेसी सिंह का सफर

हिंदी सिनेमा की चर्चित अभिनेत्री ग्रेसी सिंह ने अपनी मासूमियत, सादगी और दिलकश मुस्कान से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई तो वहीं, चर्चित अभिनेता सुदेश बेरी ने हिंदी सिनेमा में एक से बढ़कर एक अच्छी फिल्मों में दमदार अभिनय से सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। हिंदी सिनेमा के ये दोनों स्टार्स 20 जुलाई को अपना जन्मदिन मना रहे हैं। ग्रेसी सिंह ने टीवी और फिल्मों में अपनी एक्टिंग से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई। वह जब स्क्रीन पर आती थीं तो दर्शक उनकी सादगी देखकरमोहित हो जाते थे। फिल्मों में उनकी संवाद अदायगी सिंपल लेकर दिलों को भेदने वाली थी। 2001 में ब्लॉकबस्टर लगान से उन्हें खास पहचान मिली। किरदार गौरी ने उन्हें घर-घर में मशहूर कर दिया। उनकी सादगी और अभिनय को खूब सराहा गया। यह फिल्म ऑस्कर के लिए भी नामांकित हुई थी। ग्रेसी ने मुन्ना भाई एमबीबीएस में संजय दत्त के साथ डॉ. सुमन उर्फ चिंकी का किरदार निभाया। उनका अभिनय दर्शकों और क्रिटिक्स को बहुत पसंद आया। उनकी मासूमियत और मुस्कान इस फिल्म की हाइलाइट थी।

20 जुलाई 1980 को जन्मी ग्रेसी सिंह एक प्रशिक्षित भरतनाट्यम और ओडिसी नृत्यांगना भी हैं। ग्रेसी ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग और टेलीविजन से की थी। उन्होंने हिंदी के अलावा तेलुगु, पंजाबी, मलयालम, कन्नड़, मराठी, गुजराती और बंगाली फिल्मों में भी काम किया है।

20 जुलाई को ही सुदेश बेरी का भी जन्मदिन है। बेरी को टीवी धारावाहिकों में उनके दमदार अभिनय के लिए जाना जाता है। उन्होंने बॉर्डर में सुबेदार मथुरा दास और एलओसी कारगिल में यादगार किरदार निभाए जो दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय हुए।

फिल्मों के विशेषज्ञ के अनुसार, सुदेश बेरी एक शानदार अभिनेता हैं। लेकिन, उनसे एक बड़ी भूल तब हुई जब उन्होंने 1993 में यश चोपड़ा की फिल्म डर में मुख्य खलनायक का किरदार ठुकरा दिया था, जो बाद में शाहरुख खान ने निभाया। इस फैसले को उनके करियर की एक बड़ी भूल माना जाता है, क्योंकि डर ने शाहरुख को रातोंरात स्टार बना दिया।सुदेश बेरी आज भी टीवी और फिल्मों में सक्रिय हैं और अपनी बहुमुखी अभिनय शैली के लिए प्रशंसकों के बीच लोकप्रिय हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज युवाओं की बेरोजगारी दूर हो सकती हैं दिन अच्छा है फैशन डिजाईन मे करियर बना रहे हैं तो आज आगे बढ़ने के मौके मिल सकते हैं. आपका कॉन्फिडेंस लेवल हाई रहेगा जिससे जोखिम भरे कामों में सफलता मिल सकती है. पैसों और बिजनेस के मामलों पर ध्यान देना होगा. सामाजिक सम्मान भी बढ़ सकता है. पारिवारिक संबंधों में सुधार के योग बन रहे हैं. आज सेहत के मामले मे खर्चा ज्यादा होगा ध्यान रखने की जरुरत है

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज भाग्य प्रबल हैं काम फटाफट बनेंगे और आप कन्स्ट्रक्शन मे कार्यरत हैं सरकारी उच्च अधिकारियों से विशेष सहयोग प्राप्त करेंगे. आप अपने सभी प्रयासों में सफल होंगे. आपके पास नए अधिग्रहण हो सकते हैं. आपका पारिवारिक–जीवन आरामदायक परिवेश से खुश रहेगा और सामाजिक रूप से आप अधिक लोकप्रियता हासिल करेंगे. रिश्तेदारों और दोस्तों के साथ आपके संबंध अधिक सौहार्दपूर्ण बनेंगे.स्वास्थ्य एकदम चुस्त रहेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज छात्रों के लिए दिन अच्छा हैं । आप को दूसरों की मदद करना चाहिए आप को भी उतना ही लाभ मिलेगा जॉब में प्रगति होगी. जैसे ही आप हालात पर पकड़ बनाने की कोशिश शुरू करेंगे, आपकी घबराहट गायब हो जाएगी. रिस्क लें सकते हैं किसी ऐसे इंसान का साथ पाने की कोशिश करें जो आपकी भावनाओं को समझता हो और आप उसकी. खर्चा ज्यादा होगा संतान पक्ष से बेफिक्री रहेगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज शिवजी की पूजा करनी चाहिए जिससे आप की नये कार्यों में रुचि बढ़ेगी, जिससे आपको कुछ नया सिखने को मिलेगा. आज आप फिजूल के खर्च को कम करने का प्रयास करेंगे, तो आपके भविष्य के लिए पैसे इकट्ठे करने में आसानी होगी। ऑफिस में आज समय ज्यादा देना पडेगा जिससे रुका हुआ काम जल्दी पूरा हो जाएगा नया बिजनेस शुरू करें तो फायदा होना तय है. आज स्वास्थ्य थोडा कमजोर रहेगा कुछ हल्का भोजन करना अच्छा रहेगा ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

छोटी कन्या को खिर का भोजन कराए जिससे आप का रुका हुआ पैसा मिलने के योग बनेंगे किसी से उधार पैसा भी लेना पड़ सकता है. आपकी कोशिशें सफल हो जाएगी. जो आपके लिए बहुत हद तक फायदेमंद हो सकती है. जीवनसाथी सेसहयोग मिलेगा. आज आपकी कोई इच्छा पूरी हो जाएगी. घर मे वैवाहिक प्रसंग का माहौल रहेगा नयी रिश्तेदारी बन सकती हैं मित्रों का सहयोग पूरा रहेगा ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज का दिन मिला झुला रहेगा कुछ काम भी बनेंगे कही पर काम अटकेगा भी परन्तु चिंतित होने की आवश्यकता नही हैं कठिन समय के बाद आखिरकार आप अपने चेहरे पर मुस्कान के साथ आराम कर सकते हैं. आप अपनी कड़ी मेहनत और श्रम के लिए इनाम की उम्मीद कर सकते हैं. आपको अपनी नौकरी में पदोन्नति मिलेगी. बेहतर होगा, प्रेम संबंधों को सार्वजनिक करने से बचना होगा आज ठंडी चिजों से परहेज करें गर्म भोजन गर्म तरल पदार्थ ही लें स्वास्थ्य अच्छा रहेगा क्योंकि गले सम्बंधित तकलीफ बन सकती हैं ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज समय पर सभी काम हो जाएंगे जिससे आप की खुशी का ठिकाना नही रहेगा जिससे परिवार में भी उत्सव का वातावरण छाया रहेगा, जिससे आपका मन प्रफुल्लित रहेगा. छात्रों को नये कोर्स मे सफलता बनती हुई दिख रही हैं कला से जुड़े लोगों को तरक्की मिलेगी. किसी तीसरे इंसान का दखल आपके और आपके प्रिय के बीच गतिरोध पैदा करेगा. किसी बड़े समारोह में भाग लेने का अवसर मिलेगा.आप को काम से फुर्सत मिलते ही धार्मिक यात्रा करनी चाहिए ।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपका दिन अच्छा रहेगा. आज आप रुठे हुए लोगों और बिगड़े हुए रिश्तों को मनाने की कोशिश करेंगे, हो सकता है कि रुठे हुए लोग मान भी जाएं. आज प्रतियोगी अपने करियर के लिए अपने सीनियर्स से परामर्श ले सकते हैं, साथ ही कुछ नए कोर्स की जानकारी भी लेते रहें .आज अविवाहित लोगों के लिए ,कोई रिश्ता आ सकता है. हो सकता है कि शादी फिक्स भी हो जाएं. इससे आपके रिश्तों में नजदीकियां बढ़ेगी. आज स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अगर कुछ नया करना चाह रहें तो तकनीकी क्षेत्र मे भाग्य आजमाएं सफलता मिलेगी अगर नौकरी में हैं तो पदोन्नति की संभावना बन रही है. खुद का कोई बिजनेस है तो उस पर पूरा ध्यान रहेगा. बिजनेस और कामकाज से जुड़ी परेशानियां खत्म होंगी. फालतू भाग–दौड़ खत्म हो सकती है. आपके लिए दिन अच्छा रहेगा. घर और ऑफिस, दोनों जगह का माहौल आपके लिए खुशनुमा रहेगा.दिन भर की भागम–दौड के बाद शाम के समय थकान हो सकती हैं ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

बच्चों के पक्ष से आप बेफिक्र रहेंगे बच्चे अपने करियर के लिए अच्छी प्लानिंग करते हुए आगे बढ़ेंगे आप को पारिवारिक सम्बन्ध मे मुश्किलें दिखाई दे रही हैं तो अपने वरिष्ठों से सहायता और मार्गदर्शन लेना चाहिए आप अपने कार्य स्थल पर प्रशंसा के पात्र रहेंगें, जो आपकी संतुष्टि को बढ़ाएगा. अगर किसी को प्रपोज़ करने की योजना है तो ऐसा करने के लिए यह एक आदर्श समय नहीं है.परिवार मे स्वास्थ्य सम्बन्धित परेशानी आप को टेंशन दे सकती हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज व्यापार के हिसाब से दिन लाभकारी हैं धन की तकलीफ दूर होगी कर्ज लेने की जरुरत नही पडेगी रिश्तेदारों को लेकर जीवनसाथी के साथ नोंकझोंक हो सकती है. आज विवाहित पारिवारिक समस्याओं को जीवनसाथी से साझा करें तो हल जरूर निकलेगा. संतान की ओर से शुभ समाचार मिलेगा. सेहत अच्छी रहेगी. संतान का सुख मिलगा. अगर आप नौकरी के लिए आवेदन या किसी छात्रवृत्ती के कागजों पर काम कर रहे हैं तो पूरी तरह से सतर्क रहें. सुबह योग करें प्राणायाम करें शाम को तरल और गर्म भोजन करें स्वास्थ्य रहेंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज हनुमानजी को चूरमे का भोग लगाए कपूर आरती करें दिनजनो को मिष्ठान वितरित करें आपका दिन खुशियों से भरा होगा. काम–धंधे में आज आपका मन लगेगा. अगर आज किसी जरूरी काम को पूरा करने की सोच रहे हैं, तो वह समय से पहले पूरा कर लेंगे, लेकिन आपको पहले से योजना बनाकर चलने की जरूरत है. किसी नयी जमीन से संबंधित कोई लेन–देन करने जा रहे हैं, तो बेहतर होगा कि पहले उसकी अच्छे से जांच–पड़ताल जरूर कर लें. लेकिन अपनों के सहयोग से आपकी परेशानी दूर हो जाए–गी.शाम के वक्त बच्चों को साथ घूमने जा सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 20 जुलाई 2025 , रविवार
विक्रम संवत : 2082
मास : श्रावण ,कृष्ण पक्ष
तिथि : दशमी दोपहर 12:15 तक
नक्षत्र : कृतिका रात्रि 10:54 तक
योग : गण्ड रात्रि 09:47 तक
करण : विष्टि दोपहर 12:15 तक
चन्द्रराशि : वृषभ
सूर्योदय : 05:51 , सूर्यास्त 06:53 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:02 , सूर्यास्त 06:49 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:43 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा दोपहर 12:14 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत बनी चौथी आर्थिक महाशक्ति : नायब सिंह

जींद, 19 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शुक्रवार को कहाकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत ने वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाई है और देश दुनिया की 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से चौथी आर्थिक महाशक्ति बन गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत' के संकल्प को पूरा करने में हरियाणा केंद्र के साथ मिलकर अहम भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जींद में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, जिसमें दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने महाराजा अग्रसेन धर्मशाला का उद्घाटन और नंदी व कामधेनु गौशाला का भूमि पूजन भी किया। उन्होंने धर्मशाला के लिए अपनी ओर से 31 लाख देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री सैनी ने पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके पास देश के विकास का कोई स्पष्ट एजेंडा नहीं था, जबकि वर्तमान सरकार का एकमात्र लक्ष्य 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है। उन्होंने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे हरियाणा की बेटी हैं और उनका पूरा जीवन राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित रहा है। कार्यक्रम में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि उनके लिए दिल्ली कर्मभूमि है और हरियाणा जन्मभूमि। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा सौंपे गए दायित्व का वे पूरी निष्ठा से निर्वहन करेंगी। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के सपने को साकार करने में दिल्ली और हरियाणा दोनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि दोनों सरकारें मिलकर मजबूती के साथ विकास की दिशा में आगे बढ़ेंगी।

सीएम सैनी ने कर दी 100 करोड़ से ज्यादा की घोषणाएं

जींद, 19 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जुलाना विधानसभा क्षेत्र के लिए करोड़ों रुपये की विकास परियोजनाओं की घोषणा कर एक बड़ी सौगात दी है। उन्होंने जुलाना के गांव नंदगढ़ में आयोजित एक कार्यक्रम में एक साथ कई बड़ी घोषणाएं कीं, जिनमें 30 करोड़ रुपये का उपमंडल कॉम्प्लेक्स और जल आपूर्ति व सिंचाई के लिए 40 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएं शामिल हैं। इस घोषणा के साथ जुलाना में विकास कार्यों को एक नई गति मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने सबसे पहले जुलाना में 30 करोड़ रुपये की लागत से उपमंडल कॉम्प्लेक्स के निर्माण का ऐलान किया।

इसके अलावा, उन्होंने जुलाना विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न गांवों में माइनरों के पुनर्निर्माण के लिए 15.71 करोड़ रुपये और पेयजल व जलापूर्ति योजनाओं को सुदृढ़ करने के लिए 25 करोड़ रुपये की घोषणा की। इन बड़ी परियोजनाओं के साथ, मुख्यमंत्री ने ग्रामीण और सामाजिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर भी ध्यान केंद्रित किया।उन्होंने गांव मालवी में आयुर्वेदिक अस्पताल के निर्माण के लिए 67.90 लाख रुपये और बराहकलां गांव में पशु अस्पताल के लिए 31 लाख रुपए की घोषणा की।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी, विधानसभा उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा, विधायक रामकुमार गौतम, रणधीर पनिहार और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल कौशिक सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

चिकित्सकों की भर्ती पर विशेष ध्यान

अटेली में बनेंगे नए उप स्वास्थ्य केंद्र : आरती सिंह राव

अटेली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा की स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री आरती सिंह राव ने कहा है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार प्रदेश में चिकित्सकों की कमी को दूर करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार ने चिकित्सकों की भर्ती पर विशेष ध्यान केंद्रित किया है और यह प्रक्रिया लगातार जारी है, ताकि प्रदेश के हर नागरिक को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें। स्वास्थ्य मंत्री ने यह बात आज अटेली विधानसभा क्षेत्र के खेड़ी और नावदी गांवों में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग यह सुनिश्चित कर रहा है कि भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी हो और जल्द से जल्द पूरी हो, ताकि योग्य चिकित्सक बिना देरी के अपनी सेवाएं देना शुरू कर सकें। कार्यक्रम में उन्होंने कई नई परियोजनाओं की भी घोषणा की।

उन्होंने बताया कि 15वें वित्त आयोग की सिफारिशों के तहत अटेली खंड के चार गांवों–तिगरा, बजाड़, बिहाली और मोहलड़ा–में उप–स्वास्थ्य केंद्र के लिए नए भवन बनाए जाएंगे। ये उप–स्वास्थ्य केंद्र ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करेंगे और ग्रामीणों को बुनियादी स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण और गर्भावस्था से संबंधित देखभाल जैसी सुविधाएं उनके घर के करीब ही उपलब्ध कराएंगे। उन्होंने ग्राम पंचायत कांटी में चल रही पीएचसी के नए भवन की मंजूरी के बारे में भी जानकारी दी और कहा कि इस पर अगले सप्ताह से काम शुरू होगा।

स्वास्थ्य मंत्री ने इस अवसर पर खेड़ी गांव की पंचायत को विकास कार्यों के लिए 10 लाख रुपये की धनराशि देने की घोषणा भी की। उन्होंने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।

हरियाणा के कोचों को तोहफा

खेल राज्यमंत्री ने 3.66 करोड़ के कैश अवार्ड के आदेश किए पारित

चंडीगढ़, 19 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने घोषणा की है कि अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों के 31 कोचों के लिए 3.66 करोड़ रुपये के नकद पुरस्कारों को मंजूरी दे दी गई है। उन्होंने कहा कि यह राशि जल्द ही जारी कर दी जाएगी। मंत्री ने हरियाणा की खेल नीति को देश में सर्वश्रेष्ठ बताते हुए कहा कि यह हमारे खिलाड़ियों की सफलता का प्रमुख कारण है। गौतम ने कहा कि खिलाड़ियों को तैयार करने में कोचों का विशेष योगदान होता है, और सरकार उनके सम्मान को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि हाल ही में 4ींह पैरा एशियन गेम्स 2022 में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों के लिए भी करीब 32 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि जारी की गई है।

उन्होंने दोहराया कि हरियाणा सरकार ओलंपिक में स्वर्ण पदक विजेता को 7 करोड़, रजत पदक विजेता को 5 करोड़ और कांस्य पदक विजेता को 3 करोड़ रुपये देती है। इसके अतिरिक्त, खिलाड़ियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए सरकारी नौकरियों में 3 प्रतिशत का कोटा भी दिया जाता है।

खेल मंत्री ने प्रदेश के कोचों से और अधिक लगन और मेहनत से खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य खिलाड़ियों के लिए ज्यादा से ज्यादा खेल के मैदान, अनुभवी कोच और बेहतर खेल सामग्री उपलब्ध कराना है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर खेलों में भाग लेने और प्रदेश व देश का नाम रोशन करने का भी आग्रह किया।

हरियाणा के नए राज्यपाल असीम कुमार घोष का राजभवन में स्वागत

चंडीगढ़, 19 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा को अपना नया राज्यपाल मिल गया है, और शनिवार को उनके स्वागत का अवसर काफी खास था। नवनियुक्त राज्यपाल असीम कुमार घोष ने चंडीगढ़ स्थित राजभवन में कदम रखा, जहां उनका भव्य स्वागत किया गया। इस मौके पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ–साथ राज्य सरकार के कई कैबिनेट मंत्री भी मौजूद थे। राज्यपाल के स्वागत में हरियाणा के डीजीपी समेत उच्च पुलिस अधिकारियों ने भी भाग लिया, जो इस स्वागत को और भी औपचारिक और महत्वपूर्ण बना गए। असीम कुमार घोष, जिन्हें हाल ही में हरियाणा के राज्यपाल के रूप में नियुक्त किया गया है, अब प्रदेश के 19वें राज्यपाल के तौर पर कार्यभार संभालेंगे। उन्होंने बंडारू दत्तात्रेय की जगह ली है, जो निवर्तमान राज्यपाल थे।

प्रोफेसर असीम कुमार घोष का राजनीतिक सफर भी काफी दिलचस्प है। वे पश्चिम बंगाल में भा.ज.पा के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं, जहां उन्होंने पार्टी के विस्तार और संगठन को नई दिशा दी। 1999 से लेकर 2002 तक उन्होंने पश्चिम बंगाल में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।असीम कुमार घोष हावड़ा के मूल निवासी हैं और उनके नेतृत्व में भाजपा को पश्चिम बंगाल में नई ऊर्जा मिली थी। उनकी नियुक्ति हरियाणा के लिए एक नया अध्याय लेकर आई है, और प्रदेश में उनके योगदान को लेकर बहुत सी उम्मीदें हैं।

राजस्थान पुलिस का बड़ा खुलासा

अमेरिका से आए कोयले में मिलावट, करोड़ों का घोटाला उजागर

जयपुर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार के निर्देशन में इन दिनों कई बड़ी–बड़ी कार्यवाहियों को अंजाम दिया जा रहा है। राजस्थान पुलिस की सीआईडी क्राइम ब्रांच राजस्थान ने अवैध गतिविधियों और संगठित अपराधों के खिलाफ अपनी मुहिम में एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध दिनेश एम एन के नेतृत्व में एक ऐसे शातिर गिरोह का भंडाफोड़ किया गया है जो णड– से आयातित उच्च गुणवत्ता वाले कोयले (पेटकॉक) में मिलावट कर रहा था। इस गोरखधंधे से सीमेंट और स्टील फैक्ट्रियों को करोड़ों रुपये का चूना लगाया जा रहा था।

एडीजी एमएन ने बताया कि सीआईडी क्राइम ब्रांच की टीम को पिछले कुछ समय से णड– से आयातित उच्च गुणवत्ता वाले कोयले (पेटकॉक) की चोरी की सूचनाएं

मिल रही थीं। मुखबिरों से मिली जानकारी के अनुसार गुजरात के कुछ कोयला माफियाओं ने पिण्डवाड़ा–आबूरोड नेशनल हाईवे 27 पर भुजेला स्थित तुलसी होटल के पीछे एक बंद पड़ी फैक्ट्री किराए पर ले रखी थी। ये शातिर अपराधी ट्रक ड्राइवरों को मोटी रकम का लालच देकर उनके ट्रकों से 5 से 10 टन शुद्ध विदेशी कोयला निकलवा लेते थे और उसकी जगह उतनी ही मात्रा में नकली कोयला पाउडर डस्ट मिला देते थे। चोरी किए गए इस बेशकीमती कोयले को गिरोह द्वारा छोटी औद्योगिक इकाइयों को बेचकर लाखों रुपये की अवैध कमाई की जा रही थी।

उप महानिरीक्षक पुलिस अपराध योगेश यादव के समन्वय और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नरोत्तम वर्मा के सुपरविजन में हेड कांस्टेबल रमेश कुमार की सूचना पर एक विशेष टीम का गठन किया गया। इस टीम का नेतृत्व पुलिस उपाधीक्षक फूलचंद टेलर और पुलिस निरीक्षक रामसिंह ने किया। टीम ने शुक्रवार को थाना रोहिडा सिरोही को सूचित कर यह कार्रवाई कराई। पुलिस में भुजेला हाईवे स्थित तुलसी होटल के पीछे की फैक्ट्री परिसर में धावा बोला। मौके से पुलिस ने दो ट्रक, एक लोडर, एक डोजर मशीन और कोयले से भरे ट्रक की सील तोड़ने का सामान जब्त किया।

स्वास्थ्य प्रबंधन शिक्षा स्वास्थ्य सेवाओं में गुणवत्ता से जुड़े: राज्यपाल

जयपुर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि स्वास्थ्य प्रबंधन के क्षेत्र में उपलब्ध सेवाओं के साथ समाज से जुड़े परिवेश की समझ, स्वास्थ्य सुविधाओं की गुणवत्ता आदि की शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि किसी शिक्षण संस्थान के विद्यार्थी ही बाद में राष्ट्र के भावी कर्णधार होते हैं, इसलिए उनकी शैक्षिक गुण–वत्ता में किसी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। राज्यपाल बागडे शनिवार को जयपुर स्थित 'इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ मैनेजमेंट रिसर्च' के दीक्षांत समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों का नेक एक्रीडेशन और उच्च शिक्षा में गुणवत्ता हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। शिक्षण संस्थान विद्यार्थी को केवल पाठ्य पुस्तकों के ज्ञान तक सीमित नहीं रखे बल्कि जीवन व्यवहार की शिक्षा दे।

उन्होंने विद्यार्थियों को कॉपी करके पास होने की प्रवृत्ति की बजाय अपनी समझ से परीक्षा देने की पद्धति का विकास करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इससे पता चलेगा कि विद्यार्थी बौद्धिक रूप में कितना समर्थ है।उन्होंने 'विकसित भारत' में युवाओ को महती भूमिका निभाने का भी आह्वान किया। इससे पहले राज्यपाल ने विद्यार्थियों को पदक और डिग्रियां प्रदान की।

मोरेल बांध ओवरफ्लो प्रशासन सतर्क

सुरक्षा बढ़ी, लोगों को किया जा रहा सावचेत

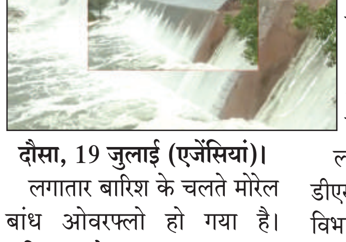

दौसा, 19 जुलाई (एजेंसियां)। लगातार बारिश के चलते मोरेल बांध ओवरफ्लो हो गया है। शनिवार को हालात का जायजा लेने एसडीएम, सिंचाई विभाग और पुलिस प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। प्रशासन ने चौकसी बढ़ा दी है और लोगों से अपील की है कि वे वेस्टवेयर क्षेत्र की ओर न जाएं।

जल संसाधन विभाग के सहायक प्रशासनिक अधिकारी रत्नेश शर्मा ने बताया कि बांध पर करीब 9 इंच की पानी की चादर चल रही है। खतरे को देखते हुए करीब 1000 फुट रेलिंग लगाई गई है और सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई है। क्षेत्र में जन–जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को वहां जाने से रोका जा रहा है।

लालसोट एसडीएम विजेंद्र मीणा, डीएसपी दिलीप मीणा, सिंचाई विभाग के एक्सईएन मांगीलाल मीणा, एईएन चेतराम मीणा और जेईएन अंकित मीणा ने मोरेल बांध का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने स्थानीय लोगों को सूचित किया कि बांध में पानी का स्तर लगातार बढ़ रहा है, ऐसे में सभी को सतर्क और जागरूक रहने की जरूरत है।प्रशासन का कहना है कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तैयारी है।

सीएम भजनलाल शर्मा का बड़ा निर्णय

बांधों के निर्माण के लिए राज्य की हिस्सेदारी से 95 करोड़ किए स्वीकृत

जयपुर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र को पेयजल और सिंचाई के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दृढ़ नेतृत्व में यमुना जल समझौते के अंतर्गत प्रतिबद्धता से मिशन मोड पर कार्य किए जा रहे हैं। शर्मा के इस ऐतिहासिक निर्णय से शेखावाटी अंचल में जल संकट का स्थायी समाधान संभव हो सकेगा।

मुख्यमंत्री शर्मा ने यमुना बेसिन के ऊपरी भाग में स्थित रेणुकाजी (हिमाचल प्रदेश) एवं लखवार बांध (उत्तराखण्ड) के निर्माण कार्यों के लिए राज्य की हिस्सा राशि में से 95 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। इससे निर्माण

कार्यों को गति मिलेगी और तय समयसीमा में प्रदेश में जलापूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। बांधों के निर्माण से राज्य के हिस्से का जल वर्ष पर्यन्त उपलब्ध हो सकेगा।

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि जल संसाधनों की महत्ता को ध्यान में रखते हुए दृढ़ संकल्प और दूरदर्शिता से राज्य में जल परियोजनाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। यमुना जल परियोजना चूरू, सीकर, झुंझुनूं सहित अन्य क्षेत्रों के लिए वरदान साबित होगी। इससे पेयजल और सिंचाई की स्थायी सुविधा सुनिश्चित होगी।

उल्लेखनीय है कि यमुना नदी के जलग्रहण क्षेत्र में हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में तीन प्रमुख बांधों का निर्माण कराया जा रहा है। इनमें से वर्तमान में लखवार और रेणुकाजी बांधों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। यमुना रिवर बोर्ड द्वारा इन परियोजनाओं की कुल लागत 11,320.46 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है, जिसमें राजस्थान की हिस्सेदारी 215.66 करोड़ रुपये है। मुख्यमंत्री शर्मा ने बोर्ड की मांग को ध्यान में रखते हुए 95 करोड़ रुपये राशि की स्वीकृति प्रदान कर राज्य की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की है। थिनीकुंड बैराज से राज्य में जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए गठित टास्क फोर्स की तीसरी बैठक 30 जून 2025 को पंचकूला में हुई थी। इसमें राजस्थान और हरियाणा के अधिकारियों के बीच विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार राज्य सरकार द्वारा इस परियोजना के कार्यों की सतत् निगरानी की जा रही है। मुख्यमंत्री शर्मा के कुशल नेतृत्व में यह निर्णय प्रदेश में जल सुरक्षा सुनिश्चित करने में मील का पत्थर साबित होगा। उल्लेखनीय है कि वर्तमान सरकार के गठन के तुरंत बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री शर्मा ने शेखावाटी क्षेत्र में यमुना जल को लाने के लिए हरियाणा सरकार से एमओयू किया था।

सीएम से विवाद के बीच धारवाड़ के एएसपी का बेलगावी में डीसीपी के पद पर तबादला

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक सरकार ने धारवाड़ जिले के पूर्व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) नारायण भरमनी का तबादला बेलगावी में पुलिस उपायुक्त (कानून-व्यवस्था) के पद पर कर दिया है। इस कदम से व्यापक अटकलें लगाई जा रही हैं। यह तबादला इस साल की शुरुआत में बेलगावी में एक विरोध प्रदर्शन के दौरान मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से जुड़ी एक घटना से उपजे तनाव के बाद किया गया है।

भरमनी ने कथित तौर पर विरोध प्रदर्शन के दौरान मुख्यमंत्री की सार्वजनिक फटकार पर नाराजगी जताई थी और यहाँ तक कि इस्तीफा देने पर भी विचार कर रहे थे। बताया जा रहा है कि सिद्धरामैया और गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने स्थिति को शांत करने के लिए व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप किया था।

बेलगावी में तबादले को बढ़ते दबाव के बीच अधिकारी को शांत करने के एक कदम के रूप में देखा जा रहा है। बेलगावी में सहायक पुलिस अधीक्षक (एएसपी) के पद पर कार्यरत नारायण भरमनी को 2024 में धारवाड़ स्थानांतरित कर दिया गया। 28 अप्रैल को, भाजपा सरकार की मूल्य वृद्धि नीतियों के खिलाफ बेलगावी में कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान, भरमनी को शहर के पुलिस आयुक्त की अनुपस्थिति में सुरक्षा प्रबंधन का महत्वपूर्ण कार्यभार सौंपा गया था।

इस विरोध प्रदर्शन में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार सहित शीर्ष नेता शामिल हुए। हालाँकि, कार्यक्रम में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब छह भाजपा कार्यकर्ता मंच पर धावा बोलकर काले झंडे लहराने लगे और राज्य सरकार के विरोध में जोरदार नारे लगाकर सिद्धरामैया के भाषण में बाधा डालने लगे।

सुरक्षा भंग से स्पष्ट रूप से नाराज मुख्यमंत्री ने प्रभारी पुलिस अधिकारियों को आवाज लगाई। जैसे ही भरमनी मंच के पास पहुँचे, सिद्धरामैया गुस्से से उनकी ओर इशारा करते हुए और पूछते हुए दिखाई दिए, बेलगावी का एसपी कौन है? यहाँ क्या हो रहा है? आप सब क्या कर रहे हैं? सार्वजनिक फटकार से कठोर अधिकारी के रूप में जाने जाने वाले भरमणी स्पष्ट रूप से बेचैन हो गए। यह घटना सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई, जिससे मुख्यमंत्री और पुलिस अधिकारी, दोनों के आचरण को लेकर बहस छिड़ गई। हालांकि इस स्थानांतरण को सीधे तौर पर इस घटना से जोड़ने की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि इस कदम का उद्देश्य तनाव कम करना और पुलिस के बीच सामंजस्य बनाए रखना है।

भारी बारिश से मेंगलूरु में सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य में मानसूनी बारिश तेज हो गई है, नदियाँ और नाले उफान पर हैं, और बारिश ने कुछ जगहों पर भारी तबाही मचाई है। चिक्कमगलूरु, कोडागु, हासन, दक्षिण कन्नड़ और उडुपी जिलों में भारी बारिश हो रही है। मेंगलूरु जिले में भारी बारिश की संभावना को देखते हुए, आंगनवाड़ी, प्राथमिक, उच्च विद्यालयों और स्कूलों-कॉलेजों में छुट्टियां घोषित कर दी गई हैं। जिले भर में भारी बारिश हो रही है, और हरंगी जलाशय से बढ़े जल प्रवाह के कारण कावेरी नदी में 5,000 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। एन.आर.पुरा, श्रृंगेरी, होरानाडु, कोप्पा और जयापुरा सहित जिले के विभिन्न हिस्सों में बारिश हो रही है, और नाले उफान पर हैं। 5 दिनों का ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है। इस बीच, दक्षिण कन्नड़ और चिक्कमगलूरु को जोड़ने वाले चारमुडी घाट पर घना कोहरा छाया हुआ है, जिससे वाहन चालकों के लिए यातायात सुचारू रूप से चलाना मुश्किल हो गया है। पहाड़ी की चोटी से झरने गिर रहे हैं और पर्यटक सेल्फी लेने के लिए नीचे गिर रहे हैं। एहतियात के तौर पर, पुलिस ने पर्यटकों को झरनों के पास न जाने की सलाह दी है। जिले भर में लगातार बारिश हो रही है, जिससे सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। छात्रों के हित में स्कूलों, कॉलेजों और आंगनवाड़ियों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। बेंगलूरु, तुमकुरु, बेंगलूरु ग्रामीण, मांड्या, मैसूरु, कोलार, चित्रदुर्ग, शिवमोग्गा, चिक्कबल्लापुर, डोड्डबल्लापुर और अन्य जिलों में बादल छाए हुए हैं।

सरकार ने बढ़ते कैंपस कदाचार के बीच सभी कॉलेजों में सीसीटीवी अनिवार्य किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बढ़ते कैंपस दुर्व्यवहार पर लगाम लगाने के लिए एक निर्णायक कदम उठाते हुए, कर्नाटक उच्च शिक्षा विभाग ने राज्य के सभी सार्वजनिक और निजी विश्वविद्यालयों, साथ ही सरकारी, निजी और सहायता प्राप्त डिग्री और पॉलिटेक्निक कॉलेजों में सीसीटीवी कैमरे लगाना अनिवार्य कर दिया है। एक आधिकारिक परिपत्र के माध्यम से जारी यह निर्देश, इंजीनियरिंग कॉलेजों में सीसीटीवी निगरानी लागू करने की मौजूदा नीति का विस्तार करता है। यह आदेश अब सभी उच्च शिक्षा संस्थानों को इसके दायरे में लाता है। यह व्यापक कदम कैंपस के भीतर छात्रों द्वारा नशीली दवाओं के दुरुपयोग, रैगिंग, यौन उत्पीड़न और अन्य अवैध या अनैतिक गतिविधियों में शामिल होने की घटनाओं में चिंताजनक वृद्धि के बाद उठाया गया है। अधिकारियों का मानना है कि निरंतर वीडियो निगरानी इस तरह के व्यवहार को रोकने के लिए एक निवारक और जाँच उपकरण दोनों के रूप में काम करेगी। विभाग ने सभी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के प्राचार्यों को कार्यशील सीसीटीवी सिस्टम लगाने की दिशा में तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। जिन संस्थानों में पहले से ही निगरानी का बुनियादी ढांचा मौजूद है, उन्हें 21 जुलाई तक कॉलेजिएट शिक्षा विभाग को परिचालन स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा यह केवल निगरानी के बारे में नहीं है - यह छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए अधिक सुरक्षित, अधिक जवाबदेह वातावरण बनाने के बारे में है।

प्रधानमंत्री पर संविधान की हत्या करने का आरोप लगाया

कांग्रेस में लोग काम करते हैं, जबकि मोदी की भाजपा में लोग सिर्फ़ बातें करते हैं : मल्लिकार्जुन खड़गे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मैसूर में साधना समावेश कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, कांग्रेस पार्टी में लोग काम करते हैं, जबकि मोदी की भाजपा में लोग सिर्फ़ बातें करते हैं। खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर संविधान की हत्या करने का आरोप लगाया और कहा कि भारत के लोग भाजपा और आरएसएस को इसे बदलने की अनुमति नहीं देंगे। वह कर्नाटक सरकार द्वारा मैसूर में 2,500 करोड़ से अधिक की विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और आधारशिला रखने के लिए आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

खड़गे ने कहा, भाजपा और आरएसएस संविधान में संशोधन या पुनर्लेखन की बात कर रहे हैं। आप चाहे जितनी कोशिश कर लें, इस देश की जनता आपको संविधान बदलने नहीं देगी। खड़गे ने उपस्थित लोगों को चेतावनी दी, अगर आप उन्हें संविधान बदलने देंगे, तो आपके पास कोई अधिकार नहीं बचेगा।

उन्होंने कहा, मोदी जी, आप संविधान की बदौलत ही मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री बने। संसद में प्रवेश करने से पहले आपने संविधान के आगे सिर झुकाया था, लेकिन आज मोदी जी उसी संविधान की हत्या कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, भाजपा और आरएसएस हर दिन इस संविधान को हटाने की कोशिश कर रहे हैं। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार और कर्नाटक सरकार के कई मंत्रियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

साधना समावेश भाजपा के दुष्प्रचार अभियान का मुकाबला करने के लिए है

इससे पहले 18 जुलाई को, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा था कि 19 जुलाई को मैसूर के महाराजा कॉलेज मैदान में आयोजित साधना समावेश का उद्देश्य भाजपा के दुष्प्रचार अभियान का मुकाबला करना था। सिद्धारमैया ने स्पष्ट किया कि यह कार्यक्रम शक्ति प्रदर्शन नहीं था। मुख्यमंत्री ने कहा, 'यह कार्यक्रम भाजपा द्वारा फैलाए जा रहे झूठे प्रचार की पृष्ठभूमि में राज्य के लोगों को राज्य सरकार की उपलब्धियों से अवगत कराने का एक प्रयास है। साधना समावेश में 2,658 करोड़ की योजनाओं के शुभारंभ का जिक्र करते हुए, मुख्यमंत्री ने पूछा कि क्या वे ऐसा समारोह मुफ्त में आयोजित करेंगे। इसके अलावा, उन्होंने भाजपा से अपना योगदान बताने को कहा। भाजपा पर यह झूठी सूचना फैलाने का आरोप लगाते हुए कि राज्य सरकार के पास गारंटी योजनाओं को लागू करने के लिए धन नहीं है, सिद्धारमैया ने आश्चर्य व्यक्त किया कि अगर सरकार दिवालिया हो जाए तो क्या वह केवल एक शहर के लिए 2,568 करोड़ खर्च कर पाएगी।

चंदन मिश्रा मर्डर केस में पांच पुलिसकर्मी निलंबित डयूटी में लापरवाही बरतने के आरोप में कार्रवाई

पटना (एजेंसियां)।

पटना के पारस अस्पताल में घुसकर हुई चंदन मिश्रा की हत्या के बाद बिहार पुलिस की कार्रवाई जा रही है। पुलिस जांच में पता चला कि शास्त्रीनगर के कुछ पुलिसकर्मियों ने इस मामले में लापरवाही बरती। इसलिए पटना एसएसपी ने जांच के बाद तत्काल प्रभाव से इन्हें निलंबित कर दिया। पटना पुलिस के अनुसार, ड्यूटी में लापरवाही बरतने के आरोप में शास्त्रीनगर थाना के पुअनि के एक पदाधिकारी, सअनि स्तर के दो पदाधिकरी और दो सिपाहियों को निलंबित कर दिया गया है।

बता दें कि 17 जुलाई जिस पारस हॉस्पिटल में कुख्यात चंदन मिश्रा की हत्या हुई थी, वह जगह पुलिस मुख्यालय से लगभग उतना ही करीब है, जितना पटना हवाई अड्डा से। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस भी पहुंची और फिर जांच-पड़ताल, पूछताछ और एफएसएल टीम के द्वारा जांच किया। इसके बाद विपक्ष ने फिर से पटना पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाया। विपक्ष के नेताओं ने कहा कि छह अपराधी आए और हत्या कर आराम से फरार हो गए लेकिन पुलिस उन्हें देख तक नहीं पाई। इसके बाद पटना के वरीय अधिकारियों ने मामले की जांच का आदेश दिया। इसमें पांच पुलिसकर्मी लापरवाह पाए गए।

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सीसीटीवी फुटेज का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि घटना के कुछ घंटों के अंदर पारस अस्प-ताल में चंदन मिश्रा हत्या कांड का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आ गया थ, जिसमें यह दिख रहा है कि पांच अपराधी बड़े आराम से पारस अस्पताल के अंदर कमरे में प्रवेश करते हैं और फिर फायरिंग कर बाहर निकल गये। साथ ही उनके जाने का भी सीसीटीवी फुटेज सामने आया, जिसमें दो बाइक पर तीन-तीन अपराधी हथियार लहराते हुए दिख रहे हैं। घटना करने के बाद ये छह अपराधी पारस अस्पताल से सटी गली से निकलते हुए बड़े आराम से अपने गंतव्य की ओर निकल गए। अपराधी जिस रास्ते से फरार हुए, वह रास्ता भी सीसीटीवी में कैद हो चुका। लेकिन एक भी अपराधी को पुलिस पकड़ नहीं पाई? यह बड़ा सवाल है।

घटनास्थल तक पुलिस के अलावा कोई और नहीं पहुंच पाया, इसलिए गोलियों की संख्या स्पष्ट नहीं हो पा रही थी। शुरुआती समय में यह कहा जा रहा था कि अपराधियों ने उन्हें चार गोलियां मारी हैं, लेकिन सच्चाई कुछ और हैं। चंदन मिश्रा को 4 नहीं 36 गोलियां मारी थी। 'अमर उजाला' ने मृतक के एक बहुत ही नजदीकी से बातचीत की, जिसमें उन्होंने यह बताया कि अपराधियों ने कुख्यात चंदन मिश्रा पर कुल 36 गोलियां बरसाई। कंधा से लेकर पैर तक कुल 36 गोलियां लगी थीं। अपराधियों ने फ़िल्मी स्टाइल में कंधे से लेकर पैर तक कोई ऐसी जगह नहीं छोड़ी थी, जहां गोलियां नहीं मारी।

उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा का लखीसराय दौरा

अपराध पर सख्त रुख विपक्ष पर बोला तीखा हमला

लखीसराय (एजेंसियां)।

बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा शनिवार को दो दिवसीय दौरे पर लखीसराय पहुंचे। उनके आगमन पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। जिला अतिथि गृह पहुंचने के बाद उपमुख्यमंत्री ने जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

समीक्षा बैठक में उन्होंने विशेष रूप से विकास योजनाओं की रफ्तार, जनकल्याणकारी कार्यों की गुणवत्ता और कानून-व्यवस्था की स्थिति पर चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी कि जनता से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सभी योजनाओं को समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है।

बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए उपमुख्यमंत्री ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के आर-ोपों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि विपक्ष राज्य में अपराध को लेकर जो आरोप लगा रहा है, वह पूरी तरह निराधार और भ्रामक हैं।

विजय कुमार सिन्हा ने दावा किया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य सरकार कानून-व्यवस्था को बनाए रखने के लिए पूरी गंभीरता से काम कर रही है। उन्होंने बताया कि अपराध नियंत्रण को लेकर प्रशासन को सख्त निर्देश दिए गए हैं और किसी भी कीमत पर आपराधिक गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उपमुख्यमंत्री ने दोहराया कि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता शांति, विकास और सुशासन है और इसमें किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि लखीसराय में हुई यह समीक्षा बैठक केवल प्रशासनिक दृष्टिकोण से ही नहीं, बल्कि आगामी चुनावों को देखते हुए राजनीतिक संदेश के रूप में भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इस दौरे से भाजपा कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार हुआ है।

तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

लखीसराय (एजेंसियां)।

लखीसराय किऊल थाना क्षेत्र के सिंगारपुर गांव के पास शुक्रवार देर शाम एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से परिजन घायल युवक को इलाज के लिए एक निजी अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान शनिवार सुबह उसकी मौत हो गई।

मृतक की पहचान सिंगारपुर निवासी बच्चू यादव के 22 वर्षीय पुत्र रवि शंकर कुमार के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, रवि शंकर शुक्रवार की शाम अपने घर से बाजार जा रहा था, इसी दौरान सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उसकी बाइक को सीधी टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया।

हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही किऊल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रक को जब्त कर लिया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और फरार चालक की तलाश की जा रही है।

बताया जा रहा है कि रवि शंकर की शादी महज एक साल पहले ही हुई थी। उसकी असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। गांव में मातमी सन्नाटा पसरा है। शोक संतप्त परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। उधर, ग्रामीणों ने प्रशासन से ट्रक चालक की जल्द गिरफ्तारी और पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग की है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com